{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 10 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 164
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 77,566.16
निफ्टी - 24,028.05
सोना - 1,61,680
चांदी - 2,80,000
डॉलर - 92.14

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा...

विपक्ष ने मिडिल ईस्ट के हालातों पर की चर्चा की मांग, सरकार ने ठुकराई विपक्ष की मांग

ईरान जंग पर संसद में नहीं होगी चर्चा

राहुल गांधी बोले- पश्चिम एशिया, ईंधन के दाम और आर्थिक तबाही जरूरी मुद्दे, पीएम इन पर चर्चा नहीं चाहते

नई दिल्ली । बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हुआ। दूसरे चरण के पहले दिन ईरान में जारी जंग को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में बयान दिया। पश्चिम एशिया में तनाव पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी दलों ने सोमवार को संसद में हंगामा किया। इस वजह से संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। विदेश मंत्री जयशंकर ने राज्यसभा में कहा कि हम ऊर्जा जरूरतों को लेकर सतर्क हैं और खाड़ी देशों में रहने वाले हर एक भारतीय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। विदेश मंत्री ने बातचीत और शांति को भारत का स्टैंड बताया और कहा कि ईरान के तीन जहाज हिंद महासागर में थे। हमने एक को ईरान के निवेदन पर शरण दी। उन्होंने यह भी कहा कि दूतावास भारतीय नागरिकों के संपर्क में हैं। वहीं, लोकसभा में भी ईरान जंग पर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। विपक्ष ने मिडिल ईस्ट के हालातों पर चर्चा की मांग की। जिसे सरकार से ठुकरा दिया। सरकार ने कहा कि ईरान जंग पर संसद में चर्चा नहीं होगी। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा। हंगामें के कारण संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन की लोकसभा की कार्यवाही जल्द खत्म हुई।

संसद परिसर में जब मीडिया ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से इसको लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जो हो रहा है, उससे हमारी अर्थव्यवस्था को जबरदस्त नुकसान हो रहा है। पीएम मोदी ने अमेरिका से डील साइन कर दी है, उसपर चर्चा करने से क्या समस्या है। यही हम मांग रहे हैं। उन्होंने मीडिया से कहा कि क्या पश्चिम एशिया का मामला जरूरी नहीं है? ईंधन के दाम, आर्थिक तबाही क्या ये जरूरी मसले नहीं हैं? ये भी जनता के मुद्दे हैं, इन्हें हम जरूरी मानते हैं और इनपर हम चर्चा चाहते हैं। इसके बाद स्पीकर पर जो मोशन है, उसपर चर्चा करेंगे, कोई प्रॉब्लम नहीं है लेकिन वो चर्चा नहीं करना चाहते हैं क्योंकि इससे पीएम नरेंद्र मोदी की पोजिशन निकलेगी। राहुल गांधी ने आगे कहा कि पीएम ने कॉम्प्रोमाइज किया है। उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है। चर्चा होने पर वह सवाल उठेगा। वो इस पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने मीडिया से कहा कि आपने देखा पीएम भाग गए, आप देख लेना वो संसद में अंदर नहीं आ पाएंगे। सरकार ने कहा कि विपक्ष स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं, विपक्ष चर्चा करे, लेकिन विपक्ष दूसरा मोशन ले आया है, जिसका विदेश मंत्री ने बहुत अच्छे से जबाव दिया है। इसके बाद सदन मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित किया गया। वहीं, विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- इस समय ईरान की लीडरशिप से कॉन्टैक्ट मुश्किल है, लेकिन भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है। राज्यसभा में जब जयशंकर संबोधन दे रहे थे तब विपक्ष ने राज्यसभा का वॉक आउट किया। लोकसभा में उनके संबोधन के दौरान विपक्ष ने वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाए, खबू हंगामा किया। चेयर के बार-बार बोलने पर भी विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए थे।

विपक्षी नेताओं ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया

कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने पश्चिम एशिया संकट और भारत पर इसके प्रभाव को लेकर सोमवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश हितों के साथ समझौता करने का आरोप लगाया। संसद भवन के निकट हुए इस विरोध प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कुछ अन्य दलों के नेता शामिल हुए। उन्होंने एक बड़ा बैनर ले रखा था, जिस पर 'इंडिया नीड्स लीडरशिप, नॉट साइलेंस' (भारत को नेतृत्व की जरूरत है, चुप्पी की नहीं)' लिखा हुआ था। विपक्षी सांसदों ने 'अमेरिका के सामने सरेंडर करना बंद करो' जैसे नारे लगाए। विपक्ष की मांग है कि संसद में पश्चिम एशिया संकट पर अल्पकालिक चर्चा होनी चाहिए।

विपक्ष केवल अराजकता फैलाना चाहता है

राज्यसभा में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के पश्चिम एशिया की स्थिति पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान के दौरान हंगामा करने और सदन से बहिर्गमन किए जाने को लेकर केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को आरोप लगाया कि विपक्ष केवल अराजकता फैलाना चाहता है। उच्च सदन में राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने पश्चिम एशिया में हालात पर बयान देने के लिए विदेश मंत्री जयशंकर का नाम पुकारा। इसी बीच, कांग्रेस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी बात रखने की अनुमति मांगी। आसन से अनुमति मिलने पर खरगे ने कहा कि पश्चिम एशिया में हो रहे संघर्ष में वृद्धि से देश की आर्थिक स्थिरता प्रभावित होगी और वहां कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा एवं आजीविका के लिए खतरा पैदा करेगी। खरगे ने कहा कि मैं ऊर्जा सुरक्षा और पश्चिम एशिया में तेजी से बदल रही भू-राजनीतिक स्थिति के प्रभाव पर एक संक्षिप्त चर्चा का अनुरोध करता हूं।

भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि भारत पश्चिम एशिया में शांति सुनिश्चित करने के लिए संवाद और कूटनीति का पक्षधर है और उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता उस क्षेत्र में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा है। निचले सदन में पश्चिम एशिया संघर्ष पर दिए अपने वक्तव्य में जयशंकर ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार सहित राष्ट्रीय हित सरकार के लिए हमेशा सर्वोपरि रहेंगे। पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सांसदों की जोरदार नारेबाजी के बीच जयशंकर ने कहा कि हालिया घटनाक्रम हम सभी के लिए गहरी चिंता का कारण है। मंत्री ने इससे पहले राज्यसभा में इस विषय पर वक्तव्य दिया। उन्होंने लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और संबंधित मंत्रालय प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए समन्वय कर रहे हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति पर सरकार के दृष्टिकोण के तीन मार्गदर्शक कारकों का उल्लेख करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत शांति का पक्षधर है और सभी पक्षों से संवाद एवं कूटनीति की ओर लौटने का आग्रह करता है। उन्होंने कहा कि हम तनाव कम करने, संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की पैरोकारी करते हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि क्षेत्र में भारतीय समुदाय की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस दिशा में क्षेत्र की सरकारों के साथ काम करना जारी रखेंगे।

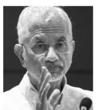

खास खबर

झाबुआ में खुलेगा प्रदेश का पहला साइबर वेलनेस सेंटर

झाबुआ। मध्यप्रदेश में साइबर अपराधों से निपटने के लिए एक अहम पहल की है इसके तहत मध्यप्रदेश का पहला साइबर वेलनेस सेंटर झाबुआ में स्थापित होगा। इस सेंटर का उद्देश्य इंटरनेट से जुड़े अपराधों के पीड़ितों को कानूनी सहायता, मार्गदर्शन और मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग उपलब्ध कराना है। यह पहल बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए की है, ताकि ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर ब्लैकमेल, सोशल मीडिया पर उत्पीड़न और अन्य डिजिटल अपराधों से प्रभावित लोगों को समय पर मदद दी जा सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्तावित सेंटर में पुलिस विभाग के साथ समन्वय करते हुए कई माध्यमों से प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई की जाएगी। इसमें पुलिस स्टेशन, राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और अन्य शिकायत तंत्रों के जरिए दर्ज मामलों को भी शामिल किया जाएगा। इस केंद्र की एक खास विशेषता यह होगी कि यहां आने वाले मामलों पर मप्र स्टेट कमिशन फॉर वूमन भी सीधे संज्ञान ले सकेगा। इससे विशेष रूप से महिलाओं से जुड़े साइबर अपराधों में तेजी से कार्रवाई और पीड़ितों को मदद मिल सकेगी।

जवाद अहमद को मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। साकेत कोर्ट ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी को मनी लांड्रिंग के आरोपों में 2 हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने जमानत देने के दौरान कहा कि जवाद की पत्नी की तबीयत गंभीर है और मामले में चार्जशीट पहले ही दाखिल हो चुकी है। कोर्ट ने यह जमानत सीमित अवधि के लिए दी है और अगले आदेश तक लागू रहेगी। जमानत की मांग करते हुए जवाद ने अदालत को बताया कि उनकी पत्नी चौथे चरण के मेटास्टैटिक ओवेरियन कैंसर से पीड़ित हैं और नई दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में कीमोथेरेपी करा रही हैं। अदालत ने इस गंभीर स्वास्थ्य कारण को देखते हुए उन्हें सीमित अवधि की जमानत दी। प्रवर्तन निदेशालय ने संकेत दिया है कि वह अल फलाह यूनिवर्सिटी समूह के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को दिल्ली की अदालत द्वारा दी गई दो हफ्ते की अंतरिम जमानत को चुनौती दे सकता है। अधिकारियों के अनुसार, मामले के कई अन्य पहलुओं की जांच अभी भी जारी है और ईडी का मानना है कि सिद्दीकी इस जमानत अवधि के दौरान जांच को प्रभावित कर सकते हैं।

कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

बोकारो। बोकारो व्यवहार न्यायालय को ई-मेल के माध्यम से साइनाइड बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को कोर्ट परिसर में हडकंप मच गया। सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल एहतियाती कदम उठाते हुए पूरे न्यायालय परिसर को खाली करा दिया और इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई। यह धमकी तडके करीब 3ऱ54 बजे न्यायालय के रजिस्टार के आधिकारिक ई-मेल पर भेजी गई। मेल में दावा किया गया है कि न्यायालय परिसर में 14 साइनाइड बम लगाए गए हैं। साथ ही मेल में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और तमिलनाडु का भी उल्लेख किया गया है। इस ई-मेल में दोपहर 1 बजे तक परिसर खाली कराने की चेतावनी भी दी गई थी। बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि इस धमकी की जानकारी सोमवार सुबह करीब 9 बजे न्यायिक पदाधिकारी के माध्यम से पुलिस को मिली। इसके बाद तत्काल पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर पूरे परिसर को खाली करा दिया गया।

राज्यसभा नहीं, संगठन में जाएंगे दिग्गी राजा

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश से राज्यसभा के सांसद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा का तीसरा कार्यकाल लेने से हाई कमान को इनकार कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा है, वह आखरी सांस तक कांग्रेस पार्टी की सेवा करते रहेंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी उन्हें जो भी दायित्व सौंपेगी, उसका वह पूरे मनोयोग से पालन करेंगे। उल्लेखनीय है ,सिंह का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है। उन्होंने स्वयं राज्यसभा का चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है। कांग्रेस पार्टी में सक्रिय सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी जो भी जिम्मेदारी उन्हें देगी। उसका पालन वह करेंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी......

केजरीवाल और सिसोदिया सहित 21 को बरी करना अनुचित आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आबकारी नीति मामले में सीबीआई की याचिका पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को नोटिस जारी कर दिया है। जांच एजेंसी सीबीआई ने सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि आबकारी नीति मामले में केजरीवाल और सिसोदिया को बरी करने का निचली अदालत का आदेश अनुचित है। सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि उत्पाद शुल्क नीति का मामला सबसे बड़े घोटालों में से एक है और भ्रष्टाचार का स्पष्ट उदाहरण है।

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य को बिना सुनवाई के बरी किया। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने शराब नीति में हेरफेर के लिए साजिश और रिश्वतखोरी को दर्शाने वाले पुख्ता सबूत जुटाए हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं और गवाह सीबीआई के मामले का समर्थन करते हैं। सीबीआई ने कहा कि हमारे द्वारा जुटाए गए सबूतों को नजरअंदाज किया है और केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य के खिलाफ हमारे पास पर्याप्त सबूत हैं और इतना ही नहीं गवाह भी सीबीआई के मामले का समर्थन करते हैं। बीते हफ्ते दिल्ली की एक अदालत ने कहा कि शराब नीति की जांच के दौरान सीबीआई द्वारा जुटाए गए सबूत नीति को छिपाने, एकतरफापन या संवैधानिक अधिकार के बहिष्कार का प्रथम दृष्टया मामला उजागर करने में विफल रहे, और इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया को बरी किया गया था।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर शराब नीति मामले में आरोपी सिसोदिया, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल, तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता और 20 अन्य लोगों के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे। 598 पृष्ठों के अपने आदेश में न्यायालय ने कहा, वर्तमान में उपलब्ध सामग्री से नीति को छिपाने, एकतरफा कार्रवाई करने या संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करने का प्रथम दृष्टया मामला सामने नहीं आता है। इसके विपरीत, रिकॉर्ड से पता चलता है कि प्रक्रिया परामर्श, संचार और प्रशासनिक सावधानी से संचालित थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, सिसोदिया ने रवि धवन समिति की उस रिपोर्ट को नजरअंदाज कर दिया था जिसमें उत्पाद शुल्क नीति में विसंगतियों का उल्लेख किया गया था। न्यायालय ने कहा कि यह नीति पिछली उत्पाद शुल्क नीति की चुनौतियों को दूर करने के लिए बनाई गई थी, जिसमें वितरण मार्जिन में सुधार भी शामिल है, जो पिछली व्यवस्था के तहत एकाधिकार की प्रवृत्तियों और नियामक खामियों को दूर करने के प्रयासों को दर्शाता है।

करूर भगदड़ मामले में सीबीआई ने अभिनेता विजय को फिर किया तलब

नई दिल्ली। करूर भगदड़ मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम के प्रमुख विजय को एक बार फिर पूछताछ के लिए तलब किया है। एजेंसी ने उन्हें नया नोटिस जारी कर 10 मार्च को पेश होने के लिए कहा है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक यह पूछताछ करूर में 27 सितंबर 2025 को हुई भगदड़ की घटना से जुड़ी है। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद से ही इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच सीबीआई को सौंपी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसी इससे पहले भी फिल्म अभिनेता विजय से दो बार पूछताछ कर चुकी है। पहली बार उनसे 12 जनवरी को और दूसरी बार 19 जनवरी को इस मामले में पूछताछ की थी। अब मामले से जुड़े कुछ अतिरिक्त तथ्यों और सबूतों को लेकर एजेंसी उनसे फिर पूछताछ करना चाहती है। जांच अधिकारियों के मुताबिक करूर में आयोजित एक बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में अचानक भारी भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई थी। मौके पर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था पर्याप्त नहीं होने के कारण स्थिति तेजी से बिगड़ गई। इस घटना में बड़ी संख्या में लोग दब गए, जिससे कई लोगों की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि कार्यक्रम के आयोजन, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए जिम्मेदार लोगों की भूमिका क्या थी और कहीं लापरवाही या नियमों के उल्लंघन के कारण यह हादसा तो नहीं हुआ।

पूर्व सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस एन वी रमन्ना का बयान

केंद्र संवैधानिक अदालतों में महिला जजों की नियुक्ति करने को लेकर मजबूत इरादा नहीं दिखाता

नई दिल्ली। पूर्व सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस एन वी रमन्ना ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट परिसर में आयोजित 'इंडियन विमेन इन लॉ' की पहली नेशनल कॉन्फ्रेंस में लैंगिक समानता पर महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार में संवैधानिक अदालतों में महिला जजों की नियुक्ति सुनिश्चित करने का मजबूत इरादा नहीं दिखता, जबकि ट्रायल कोर्ट स्तर पर महिला जजों का प्रतिनिधित्व लगभग 40 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। रमन्ना ने बताया कि उनके कार्यकाल (अप्रैल 2021ङ्कअगस्त 2022) में तीन महिला जस्टिस हिमा कोहली, बेला एम त्रिवेदी और बी वी नागरत्ना ने शपथ ली, जिसने इतिहास रचा। इसके बाद से सुप्रीम कोर्ट में किसी और महिला जज की नियुक्ति नहीं हुई। उन्होंने यह भी कहा कि जस्टिस बी वी नागरत्ना अगले साल 24 सितंबर को देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनेंगी और उनके बाद पी एस नरसिम्हा चीफ जस्टिस होंगे। रमन्ना ने उम्मीद जताई कि इनके कार्यकाल में सुप्रीम कोर्ट में कम से कम 7ङ्क8 महिला जजों की नियुक्ति हो सकेगी। पूर्व सीजेआई ने स्पष्ट किया कि एक के बाद एक कानून मंत्रियों ने हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से महिला वकीलों और ज्यूडिशियल अफसरों के नामों की सिफारिश करने का अनुरोध किया, लेकिन सरकार ने इस दिशा में गंभीर कदम नहीं उठाए। उन्होंने कहा कि यह लापरवाही वाला रवैया लैंगिक समानता को बनाए रखने में बड़ी बाधा है। रमन्ना के अनुसार, अदालतों में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए न केवल सरकारी इरादों में सुधार जरूरी है, बल्कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और सक्रिय प्रयास भी आवश्यक हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को दिया पॉलिसी बनाने का निर्देश

एसिड अटैक पीड़ितों को मिले नौकरी या गुजारा भत्ता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एसिड अटैक पीड़ितों के पुनर्वास को लेकर केंद्र और राज्यों को अहम निर्देश दिए हैं। अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे तेजाब हमले के पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने के लिए स्पष्ट नीति तैयार करें। अगर किसी कारणवश उन्हें सरकारी रोजगार देना संभव नहीं है, तो उनके लिए जीवन निर्वाह भत्ता या गुजारा भत्ता देने की योजना बनाई जाए। यह निर्देश मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान दिए। पीठ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह भी पूछा कि सरकारी विभागों और एजेंसियों में नौकरियों के माध्यम से एसिड अटैक पीड़ितों के पुनर्वास के लिए अब तक कोई ठोस योजना क्यों नहीं बनाई गई। अदालत ने सरकारों से इस संबंध में जवाब दाखिल करने को कहा है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि किसी राज्य को एसिड अटैक पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने में लॉजिस्टिक समस्याएं आती हैं, तो कम से कम उनके लिए निर्वाह भत्ता देने की नीति तो बनाई ही जा सकती है, ताकि पीड़ितों को आर्थिक सहारा मिल सके। मामले की सुनवाई के दौरान पीड़िता शाहीन मलिक ने अदालत से अनुरोध किया कि वह अपनी पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा के माध्यम से कराना चाहती हैं।

अदालत ने सिद्धार्थ लूथरा से इस मामले को निऱ्शुल्क आधार पर लेने का आग्रह किया, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। पीड़िता ने इस संवेदनशील मामले में समयबद्ध सुनवाई की भी मांग की। अदालत को बताया गया कि एसिड अटैक पीड़िताओं को बैंक खाता खोलने, आधार कार्ड बनवाने, संपत्ति की रजिस्ट्री कराने या मोबाइल सिम कार्ड लेने जैसी प्रक्रियाओं में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। डिजिटल केवाईसी प्रक्रिया में पलकें झपकाने या उंगलियों के निशान देने जैसी बायोमेट्रिक प्रक्रियाएं कई बार उनके लिए संभव नहीं होतीं। इस पर पीड़िताओं ने अदालत से अनुरोध किया कि केंद्र सरकार को निर्देश दिए जाएं कि डिजिटल केवाईसी के लिए समावेशी और वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जाए। अदालत ने कहा कि सरकार का जवाब आने के बाद मामले की आगे सुनवाई की जाएगी।

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 09 मार्च को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

अब तक 2251 बालिकाओं का हुआ एचपीवी टीकाकरण, बालाघाट प्रदेश में प्रथम स्थान पर

बैठक में सर्वप्रथम 14 वर्ष की बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बालाघाट जिले में 14 वर्ष आयु की 15 हजार 541 बालिकाओं को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। 08 मार्च तक 2251 बालिकाओं का टीकाकरण किया जा चुका है और लगभग 15 प्रतिशत उपलब्धि के साथ बालाघाट जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। समीक्षा के दौरान पाया गया कि विकासखंड कटंगी में 7.4 प्रतिशत, लालबर्रा में 08 प्रतिशत बालिकाओं को टीका लगाया गया है, जबकि लामता में बहुत कम संख्या में टीका लगाया गया है।

कलेक्टर श्री मीना ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की और कटंगी, लालबर्रा व लामता के खण्ड चिकित्सा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने एचपीवी टीकाकरण का लक्ष्य 20 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने छात्रावास अधीक्षिका, विद्यालयों के प्राचार्य एवं महिला बाल विकास परियोजना अधिकारियों को समन्वय बनाकर 14 वर्ष आयु की सभी बालिकाओं का टीकाकरण शीघ्रता से कराने के निर्देश दिये। समीक्षा के दौरान कटंगी के बीएमओ द्वारा बताया गया कि एचपीवी टीकाकरण के प्रति भ्रामक जानकारी होने के कारण अभिभावक टीका लगाने में संकोच कर रहे है। इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि जिले में पालकों एवं अभिभावकों को इस टीके के प्रति जागरूक किया जा रहा है और बताया जा रहा है कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए यह एक महत्वपूर्ण टीका है और इसका कोई दुष्प्रभाव शरीर पर नही होता है। जिले में अब तक 2251 बालिकाओं को टीका लगाया जा चुका है और किसी भी बालिका में इसका दुष्प्रभाव नजर नही आया है।

सडक दुर्घटना में घायल व्यक्ति को पीएम राहत योजना का लाभ दिलाने के निर्देश

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि सडक दुर्घटनाओं में घायलों की जीवन रक्षा के लिए शुरू की गई पीएम राहत योजना के प्रकरण शीघ्रता से तैयार करें। इस योजना में सडक दुर्घटना में घायल के उपचार के लिए पहले सात दिनों तक 01 लाख 50 हजार रुपए का खर्च शासन द्वारा वहन किया जाना है। इस योजना का लाभ जिले में होने वाली सडक दुर्घटनाओं के घायलों को अनिवार्य रूप से दिलाया जाए। जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया गया कि यात्री बसो में निर्धारित राशि से अधिक किराया न लिया जाए इसके लिए ऑनलाईन बूकिंग एवं टिकट बिक्री पर कडी निगरानी रखे। जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि नवेगांव एवं कोथुरना के हायर सेकेण्डरी स्कूलों में बालिका शौचालय का कार्य शीघ्र पूर्ण करें।

आगामी माह में आयोजित होगा बैगा महोत्सव

बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निर्देशित किया गया कि आगामी माह में आयोजित होने वाले बैगा महोत्सव में बैगा जनजाति की संस्कृति एवं परम्पराओं के संरक्षण को लेकर कार्यक्रमों के आयोजन की रूपरेखा तैयार करें। बैगा महोत्सव में विशाल स्वास्थ्य शिविर, पारंपरिक खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कौशल उन्नयन प्रशिक्षण, आधार अपडेशन कैम्प, कोदो कुटकी मिलेट का प्रदर्शन आदि भी शामिल किया जाना है। उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया गया कि जिले के प्रत्येक विकासखंड में जैविक उत्पाद विक्रय केंद्र शीघ्र प्रारंभ करें।

बैठक में जिला श्रम पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि श्रमयोगी मानधन योजना में पंजीयन का लक्ष्य शीघ्रता से पूर्ण करें। इसके लिए सभी जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायो के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से समन्वय कर लक्ष्य पूर्ण करने कहा गया। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को लोक कल्याण सरोवर योजना के अंतर्गत सडक निर्माण करने वाले ठेकेदारों से तालाब निर्माण कराने के निर्देश दिये गए। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को वन एवं राजस्व विभाग से समन्वय कर वनग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढाने के निर्देश दिये गए। जिला आपूर्ति अधिकारी को प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन वितरण का लक्ष्य पूर्ण करने एवं गैस कनेक्शन शीघ्रता से वितरण करने के निर्देश दिये गए।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश

बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों को समय सीमा में अटेंड नही करने वाले अधिकारियों का एक दिन का वेतन काटा जाएगा। इसमें जिला शहरी विकास अभिकरण एवं जनजातीय कार्य विभाग के नोडल अधिकारी का आधे दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गए। लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के अंतर्गत समय सीमा में आवेदक को सेवा प्रदाय नही करने वाले अधिकारियों पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिये गए। जिले के सभी नगरीय निकायों में स्वच्छता सर्वेक्षण प्रभावी रूप से करने के निर्देश दिये गए। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों को भी अपने परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिये गए।

कायदी में 7 अप्रैल से संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम पंचायत कायदी स्थित श्रीराम मंदिर प्रांगण में स्वर्गीय डॉ. प्रमोद सिंह बाटे एवं स्वर्गीय कुलदीप सिंह चंदेल की स्मृति में संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन 7 अप्रैल 2026 से 13 अप्रैल 2026 तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित होगा। समापन के अवसर पर 14 अप्रैल को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा।

भागवत कथा समिति के अध्यक्ष दिनेश पंडेले ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीराम मंदिर कायदी में प्रतिवर्ष संगीतमय महापुराण का आयोजन किया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का वाचन पूज्य साध्वी भारती किशोरी जी (वृंदावन, उत्तरप्रदेश) के सान्निध्य में किया जाएगा, जिनके मधुर एवं संगीतमय प्रवचनों से श्रद्धालु लाभान्वित होंगे।

आयोजन के प्रथम दिवस 7 अप्रैल को भव्य कलश यात्रा, देवी पूजन तथा भागवत महात्म्य के साथ कथा का शुभारंभ होगा। इसके पश्चात 8 अप्रैल को धुंधकारी उद्धार, राजा परीक्षित जन्म एवं शुकदेव जी के आगमन का प्रसंग सुनाया जाएगा। 9 अप्रैल को कपिल अवतार एवं अजामिल प्रसंग की कथा होगी।

10 अप्रैल को भक्त प्रह्लाद चरित्र, ध्रुव चरित्र तथा वामन अवतार की कथा का वर्णन किया जाएगा। 11 अप्रैल को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, नंदोत्सव एवं ब्रज महोत्सव मनाया जाएगा। 12 अप्रैल को माखन चोरी, गोवर्धन पूजा तथा महारास की दिव्य कथा सुनाई जाएगी। 13 अप्रैल को रुक्मिणी मंगल एवं गोपिका-उद्धव प्रसंग के साथ कथा का समापन होगा।

इसके उपरांत 14 अप्रैल को सुबह 10 बजे हवन की पूर्णाहुति की जाएगी तथा दोपहर 2 बजे से महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा।

भागवत कथा समिति ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुजनों से इस पुण्य अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण करने एवं धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विभिन्न शासकीय कार्यालयों से रिटायर हुए कर्मचारियों के हक अधिकारों की रक्षा करने ,उन्हें न्याय दिलाने और उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ देकर उनका जीवन आसान बनाने के प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विभिन्न योजनाए बनाई गई है।लेकिन विभिन्न शासकिय कार्यालयों से रिटायर हुए ऐसे कई पेंशनर्स है। जो आज भी अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर पिछले कई वर्षों से सरकार की दहलीज पर आवेदन निवेदन कर रहे हैं। लेकिन अब तक उनकी लंबित मांगे पूरी नहीं की गई है। जिसको लेकर रिटायर्ड कर्मचारी काफी परेशान है।जिनकी सुनवाई ना तो जनप्रतिधि कर रहे है, और ना उनकी सुनवाई सरकार द्वारा की जा रही है। अपनी कुछ इस तरह ही नाराजगी जताते हुए सोमवार को नगर के महाराष्ट्र मंडल कार्यालय स्थित जिजाऊ माता हाल में पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक आयोजित की गई। सोमवार 9 मार्च को आयोजित इस बैठक में संगठन के जिला पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया तथा पेंशनभोगियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों, समस्याओं और लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही भविष्य में संगठन की गतिविधियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई।बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों ने पेंशन से संबंधित प्रक्रियाओं में आने वाली दिक्कतों, सुविधाओं की कमी तथा अन्य प्रशासनिक समस्याओं को भी साझा किए। संगठन के पदाधिकारियों ने इन मुद्दों को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर समाधान कराने का आश्वासन दिया।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पेंशनभोगियों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संगठन आगे भी सक्रिय रूप से प्रयास करता रहेगा। इसके साथ ही आगामी कार्यक्रमों और गतिविधियों को लेकर भी चर्चा की गई, ताकि पेंशनर्स एसोसिएशन को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

महज 2 मांगे की गई है पूरी- मोहारे

आयोजित बैठक को लेकर की गई चर्चा के दौरान पेंशनर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष ए.एल. मोहारे ने बताया कि संगठन द्वारा नियमित रूप से मासिक बैठक आयोजित की जाती है, ताकि पेंशनभोगियों की समस्याओं पर विचार कर उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें। उन्होंने बताया कि हाल ही में सरकार द्वारा संगठन की दो प्रमुख मांगों को स्वीकार किया गया है, जिसके लिए पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया गया है।उन्होंने कहा कि यद्यपि कुछ मांगों पर सरकार ने सकारात्मक निर्णय लिया है, फिर भी पेंशनभोगियों से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दे अभी भी लंबित हैं। इन मांगों के निराकरण के लिए संगठन लगातार प्रयास कर रहा है और उम्मीद है कि सरकार जल्द ही इन पर भी उचित निर्णय लेगी।बैठक में इन लंबित मांगों को लेकर आगे की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया है। इसके अलावा नए सदस्यों को संगठन में शामिल कर उनके भी मुद्दों को मांग पत्र में लिया गया है।

पीजी कॉलेज बालाघाट में साइबर सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और बाल विवाह निषेध पर दिया गया जागरूकता का संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 9 मार्च को भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अंतर्गत राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं बाल विवाह निषेध के समापन अवसर पर संयुक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर धोखाधड़ी से बचाव, बाल विवाह निषेध के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता फैलाना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे एवं आमंत्रित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में साइबर सेल बालाघाट की अधिकारी श्रीमती चांदनी सांडिल्य ने साइबर क्राइम से होने वाली घटनाओं और उनसे बचाव के तरीकों की विस्तार से जानकारी दी। वहीं विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित साइबर क्राइम सेल बालाघाट की अधिकारी श्रीमती मेघा तिवारी ने ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए विभिन्न टोल-फ्री नंबर, एप्स और वेबसाइट के माध्यम से अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही सृष्टि सोनटके ने फर्जी वेबसाइट और संदिग्ध एप्लिकेशन से बचाव के उपायों की जानकारी साझा की।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. योगेश विजयवार ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए ओजस्वी कविता के माध्यम से सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। जन परिषद बालाघाट के प्रतिनिधियों ने भी महिलाओं की निर्णय क्षमता, सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण पर अपने विचार गीत के माध्यम से प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा आरोही ने महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने साइबर सुरक्षा, महिला समानता और बाल विवाह रोकथाम के उपायों पर अपने विचार रखे तथा सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के समापन पर महिला प्राध्यापकों और अतिथियों को पौधे और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक हिन्दी डॉ. संतोष कुमार लिल्हारे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन श्रीमती चित्रमाला भीमटे द्वारा किया गया।

इस अवसर पर आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव, भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. कंचन मसराम, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, डॉ. अनिल कुमार पंचारिया, डॉ. मिथिलेश्वरी घोरमारे, डॉ. रचना कोरी, डॉ. आशा गोहे, डॉ. प्रशांत डहाटे, डॉ. नाजली कुरैशी, श्रीमती योगिता पटले, श्रीमती सविता गेड़ाम, डॉ. ताराचंद बड़घैया सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एचपीवी टीकाकरण में बालाघाट जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। बालाघाट जिला इस अभियान के अंतर्गत 14 वर्ष की बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण में प्रदेश के सभी जिलों में प्रथम स्थान पर है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप ने बताया कि बालाघाट जिले में 15 हजार 541 बालिकाओं को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। 28 फरवरी से बालाघाट जिले में यह अभियान प्रारंभ किया गया है। 08 मार्च तक 14.48 प्रतिशत बालिकाओं का टीकाकरण कर बालाघाट जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। खरगोन जिला 12.65 प्रतिशत टीकाकरण के साथ दूसरे स्थान पर है और मुरैना जिला 10.12 प्रतिशत टीकाकरण के साथ तीसरे स्थान पर है।

आवश्यकता है
• मैनेजर - 01 पद
• साफ-सफाई कर्मचारी- 02 पद
PART TIME & FULL TIME
Day Shift & Night Shift
पता :- होटल गौरव मेन रोड
काली पुतली चौक के पास बालाघाट
Mo.9425138713, 8819924499

रामनवमी व हनुमान जयंती के पावन पर्व पर कायदी में होगा भव्य धार्मिक आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम पंचायत कायदी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आस्था, भक्ति और श्रद्धा का भव्य संगम देखने को मिलेगा। रामनवमी और हनुमान जयंती के पावन पर्व के उपलक्ष्य में संगीतमय श्रीरामकथा एवं श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ सप्ताह का आयोजन 27 मार्च से 2 अप्रैल तक किया जा रहा है। यह आयोजन ग्राम पंचायत कायदी के हनुमान मंदिर एवं दुर्गा मंदिर प्रांगण, बाजार चौक में संपन्न होगा।

आयोजक समिति के अध्यक्ष एवं सरपंच प्रतिनिधि जितेन्द्र नगरगढे ने बताया कि भगवान श्रीराम एवं संकटमोचन हनुमान जी की असीम कृपा से विश्व शांति और विश्व कल्याण की मंगल कामना के साथ इस भव्य धार्मिक आयोजन का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर वृंदावन धाम से पधारे प.पू. संत श्री राधिका शरण जी महाराज, बरसाना धाम (मथुरा) से प.पू. संत राधा किशोरी जी एवं प.पू. सुश्री श्यामा किशोरी जी के सान्निध्य में संगीतमय श्रीरामकथा एवं श्रीमद् भागवत महापुराण की अमृतमयी कथा का वाचन होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 27 मार्च को शाम 4 बजे से भव्य शोभायात्रा के साथ किया जाएगा, जिसमें ग्राम के श्रद्धालुजन एवं भक्तगण बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इसके पश्चात प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक संगीतमय श्रीरामकथा एवं श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा सप्ताह के दौरान श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, भक्ति, धर्म और श्रीमद् भागवत महापुराण के दिव्य प्रसंगों का रसास्वादन कराया जाएगा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर 2 अप्रैल को कथा पूर्णाहुति के साथ विशाल महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजक गायत्री परिवार, समस्त महिला मंडल ग्राम पंचायत कायदी, संरक्षक श्रीमती रेखा जितेन्द्र नगरगढे (सरपंच) तथा समस्त ग्रामवासियों ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

कार्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर

विकासखंड किरनापुर तहसील किरनापुर जिला बालाघाट (म. प्र.)

क्र. /34/गु. नी./ग्रा. प./2026 — दिनांक 09/03/2026

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत किरनापुर अंतर्गत लगने वाली दैनिक गुजरी बाजार की नीलामी वर्ष 2026-27 (दिनांक 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027) हेतु दिनांक 16/03/2026, दिन सोमवार को दोपहर 12 बजे से ग्राम पंचायत भवन किरनापुर मे नीलामी आयोजित की गई है। अपरिहार्य कारणों से उक्त नियत तिथि को नीलामी नही होने की दशा मे क्रमशः आगामी दिनांक 23/03/2026 व 30/03/2026 दिन सोमवार को नीलामी संबंधी कार्यवाही सम्पन्न की जावेगी। इच्छुक बोलीदार को अमानत राशि दस हजार रूपए जमा करना अनिवार्य होगा। वही नीलामी की शर्तें ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

नरेन्द्र डहरवाल सचिव — **रोशनी उपाध्याय** उपसरपंच — **धर्मकला भाई जे.पी.रामटेके** सरपंच

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत किरनापुर

कार्यालय ग्राम पंचायत नाहरवानी

जनपद पंचायत बालाघाट जिला बालाघाट (म. प्र.)

क्र. /236/2026/नाहरवानी — दिनांक 07/03/2026

निविदा

ग्राम पंचायत नाहरवानी के द्वारा करवाये जाने वाले विधायक निधि, स्वच्छ भारत अभियान, वीबी जी राम जी, मनरेगा, 15वा वित्त, 5वा वित्त आदि योजनाओं से करवाये जाने वाले कार्यो ग्राम पंचायत भवन निर्माण, अटल सेवा सदन निर्माण, परकोलेशन टैंक निर्माण, सीसी. सड़क निर्माण निर्माण, आर.सी.सी. नाली निर्माण, ओपन जिम, इत्यादी के लिये सामग्री जैसे विद्युत पोल वायरिंग, बल्ब और अन्य सामग्री सहित, एवं रेत, ईट, रेलिंग, दरवाजा खिड़की, पल्ले, फर्नीचर व्यवस्था, गिट्टी 20 और 40 एमएम, सीमेंट, लोहा (8,10,12,16 एमएम), बिरलावाईट, पेंट, विद्युत फिटिंग सामग्री, सेनेटरी सामग्री, टाईल्स, टैंकर परिवहन, जे.सीबी वर्क, खराड़ी, कम्प्यूटर रिपेयरिंगग, स्टेशनरी, फोटोकापी, नल-जल योजना रिपेयरिंग सामग्री, परिवहन, जलपान प्रबंध, फलेक्स, डेकोरेशन कार्य इत्यादी के लिये निविदा दिनांक 07.03.2026 से 15.03.2026 तक कार्यालयिन समय में कार्यालय ग्राम पंचायत नाहरवानी में आमंत्रित की जाती है। विस्तृत नियम और शर्ते प्राक्कलन और प्रारूप ग्राम प्रचायत के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

आशिष मड़ावी सरपंच — **श्रीमती दुर्गावती लिल्हारे** उपसरपंच — **किशोर दिन्नेवार** सचिव

संजय बावनकर- ग्राम रोजगार सहायक

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत नाहरवानी

Happy Birthday to you...
आनंदी
तुम जियो हजारों साल,
साल के दिन हो पचास हजार

जन्मदिन की
हार्दिक बधाईयां
श्रीमती नेहा-आकाश शनिचरे (मम्मी-पापा)
श्रीमती लीला - गेंदलाल शनिचरे (दादी-दादा)
आशीष शनिचरे (चाचा) मोहगांव (ध.)

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
मंगलवार 10 मार्च 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति का धरना प्रदर्शन आज

अंबेडकर चौक में धरना देकर,निकाली जाएगी रैली, सौंपा जाऐगा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिहार राज्य के बोधगया स्थित महाबोधि महाविहार को मुक्त करने, बीटी एक्ट 1949 अधिनियम को रद्द करने और बोधगया की ऐतिहासिक विश्व धरोहर को बौद्धो के सुपुर्द करने सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बालाघाट सहित सम्पूर्ण देश में बौद्ध अनुयायियों के विभिन्न संगठनों द्वारा आए दिनों धरना, प्रदर्शन, व आंदोलन किए जा रहे हैं ।वही आए दिनों ज्ञापन के माध्यम से उनकी मांगो को पूरा करने की गुहार लगाई जा रही है ।बावजूद इसके भी अब तक बौद्ध अनुयायियों की एक भी मांग पूरी नहीं हो पाई है ।जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति द्वारा 10 मार्च दिन मंगलवार को नगर में धरना प्रदर्शन कर, रैली निकालने और रैली के माध्यम से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सैकड़ो बौद्ध अनुयायियों के साथ कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया है ।जिसकी तमाम जानकारी सोमवार 9 मार्च को त्रिरत्न बौद्ध विहार कोसमी में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति पदाधिकारियो द्वारा दी गई। इस दौरान पूज्य भदन्त धम्म शिखर महाथोरो, एलडी मेश्राम ,संतोष मेश्राम ,रवि पटले, सुरेश चौरे, केएल डोंगरे, के एल तिरपुड़े, महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति अध्यक्ष विकास खांडेकर, उपाध्यक्ष शोभना ताई मेश्राम, सरोज ताई खांडेकर, वंदना ताई रंगारे, और मंजू ताई बारमाटे सहित इस आंदोलन को समर्थन देने वाले संगठन ऑल इंडिया बुद्धिस्ट फोरम, कोसमी बहुजन संघ, कोसमी संघ रक्षक संघ कोसमी, ऑल इंडिया समता सैनिक दल और बालाघाट जिला बौद्ध के संघ के अन्य पदाधिकारी सदस्य भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अंबेडकर चौक में माल्यार्पण कर, शुरू होगा धरना प्रदर्शन

आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए पदाधिकारियो द्वारा बताया गया कि महाबोधि महाविहार को मुक्त करने की मांग को लेकर नगर में धरना प्रदर्शन, भव्य रैली, व ज्ञापन सौपने का फैसला लिया गया है ।जिसके अनुसार महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति के बैनर तले मंगलवार की सुबह 10 बजे अंबेडकर चौक पहुंचकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयघोष किया जाएगा, इसके उपरांत बाजू सड़क में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया जाएगा ।वही नगर में महाबोधि महाविहार मुक्ति समिति द्वारा एक रैली निकाली जाएगी। जिसमें जिले भर के बौद्ध अनुयायियों के पहुंचने की उम्मीद है। इसके उपरांत कलेक्टर कार्यालय जाकर एक ज्ञापन सौपा जाएगा जिसमें उनकी समस्त मांगो को पूरा किए जाने की गुहार लगाई जाएगी।

इन मांगों को पूरा करने की गुहार

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति के बैनर तले 10 मार्च मंगलवार को आयोजित इस धरना प्रदर्शन ,रैली व ज्ञापन के माध्यम से महाबोधि महाविहार को गैर बौद्धो के कब्जे से मुक्त करने, बीटी एक्ट 1949 को रद्द कर महाविहार का प्रबंधन रद्द करने, महाविहार का प्रबधन बौद्धो के हाथों में सौंपे जाने, महाबोधि आंदोलन के दौरान गिरफ्तार कर, जेल भेजे गए भदंत व अन्य को रिहा करने, अन्य अनुयायियों पर लगाए गए फर्जी मुकदमों को वापस लेने, बिहार सरकार का इस मामले में हस्तक्षेप समाप्त करने, बौद्धो को स्वतंत्र रूप से अपने धर्म का पालन करने में बाधा उत्पन्न न करने और बिहार राज्य सरकार एवं गयाजी पुलिस द्वारा लगाए गए झूठे मुकदमों को तत्काल हटाए जाने सहित अन्य मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई जाएगी।

हमारा हक हमे लौटाया जाए-धम्मशिखर

आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए त्रिरत्न बौद्ध विहार कोसमी पूज्य भदन्त धम्मशिखर और महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति उपाध्यक्ष शोभना मेंश्राम ने बोधगया मंदिर के संचालन के लिए बने, 1949 बौद्ध विहार मंदिर अधिनियम को, असंवैधानिक काला कानुन बताते हुए मंदिर को महंतो के कब्जे से मुक्त करने की केन्द्र और बिहार सरकार से मांग की। उन्होंने बताया कि जिस तरह से मुसलमानों के मक्का मदिना, ईसाईयों के येरूशलम में पवित्र धार्मिक स्थल, उनके आधिपत्य में है, उसी प्रकार महाबोधी महाविहार को महंतो के कब्जे से मुक्त कर उसे बौद्धो के हाथो में सौंपा जाए। उन्होंने कहा कि यह उनका हक है जिसे लौटाया जाना चाहिए उसी के लिए पिछले कुछ वर्षों से लगातार धरना प्रदर्शन आंदोलन व ज्ञापन चल रहे हैं। बोधगया में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन चल रहा है। उसी को लेकर 10 मार्च को नगर के अंबेडकर चौक में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन कर रैली के माध्यम से ज्ञापन सौपा जाएगा ।उन्होंने समस्त अंबेडकरवादियों ,बौद्ध अनुयायियों, उपासक, उपासिकाओ सहित सजातीय बंधुओ से आयोजित उक्त धरना प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

नगर की बड़ी समस्या बना विरांगना रानी अवंती बाई चौक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के बस स्टैंड के समीप स्थित विरांगना रानी अवंती बाई चौक इन दिनों शहर की प्रमुख यातायात समस्याओं में से एक बन गया है। वर्षों से इस चौक पर यातायात व्यवस्था बदहाल बनी हुई है ।जिससे प्रतिदिन सैकड़ों वाहन चालक और राहगीर परेशान हो रहे हैं। चौक का आकार छोटा और मार्ग संकरे होने के कारण यहां आए दिन जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है ।दरअसल यह चौक शहर का सबसे व्यस्त यातायात केंद्र माना जाता है। जहां से एक साथ सात प्रमुख मार्ग निकलते हैं। इनमें समनापुर रोड, बैहर रोड, गुजरी रोड, काली पुतली चौक रोड, बस स्टैंड पहुंच मार्ग, जिला अस्पताल मार्ग तथा बूढ़ी बालाघाट आईटीआई रोड शामिल हैं। इन सभी मार्गों से दिनभर वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। जिससे चौक पर यातायात का दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है ।शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। इस दौरान बाजार क्षेत्र में भीड़ बढ़ने के साथ-साथ चारों दिशाओं से वाहन एक साथ चौक पर पहुंचने लगते हैं। परिणामस्वरूप चौक पर कई बार जाम जैसी स्थिति बन जाती है और वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। ऐसे समय में मौके पर तैनात यातायात पुलिस को भी वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है ।यातायात के इस दबाव का खामियाजा केवल वाहन चालकों को ही नहीं बल्कि पैदल चलने वाले राहगीरों को भी भुगतना पड़ता है। सड़क पार करने के लिए लोगों को काफी देर तक वाहनों के रुकने का इंतजार करना पड़ता है ।जिससे कई बार दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। वर्षों से यह समस्या बनी हुई है। लेकिन अब तक इसके स्थायी समाधान की दिशा में ठोस पहल नहीं हो पाई है। चौक से निकलने वाले सातों मार्ग वर्तमान में संकरे हैं। जिसके कारण यातायात का दबाव संभालना मुश्किल हो जाता है। नगरवासियों का मानना है कि जब तक इस चौक और इससे जुड़े प्रमुख मार्गों का चौड़ीकरण नहीं किया जाता। तब तक इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। ऐसे में प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि शहर की इस गंभीर यातायात समस्या को प्राथमिकता देते हुए चौक एवं संबंधित मार्गों के चौड़ीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। ताकि आम नागरिकों, राहगीरों और वाहन चालकों को रोजाना होने वाली इस परेशानी से राहत मिल सके।

बाघ के हमले में एक व्यक्ति की मौत, एक व्यक्ति गंभीर

जिले के चांगोटोला और ग्रामीण थाना नवेगांव में हुई घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के अलग-अलग क्षेत्र में जहां बाघ के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई तो वहीं बाघ के हमले में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया यह घटना जिले के चांगोटोला थाना और ग्रामीण थाना क्षेत्र में हुई। बाघ के हमले में मृतक झंकार सिंह सैयाम 55 वर्ष ग्राम मोहगांव थानां चांगोटोला और घायल भंडारी पांचे 62 वर्ष ग्राम बोरी ग्रामीण थाना नवेगांव बालाघाट निवासी है।

लकड़ी लाने जंगल गया वृद्ध पर बाघ ने किया हमला, मौत

वन विकास निगम लामता रेंज अतंर्गत पाद्ररीगंज सर्किल के दक्षिण मोहगांव बिट में वन्य प्राणी बाघ के हमले से एक वृद्ध की मौत हो गई। मृतक वृद्ध इनकार सिंह सैयाम उम्र 55 वर्ष मोहगांव निवासी बताया गया हैं। वन विभाग का अमला मौके पर पहुंच कर शव बरामद कर शव का पीएम के लिए लामता भिजवा दिया गया है। जिसका पोस्टमार्टम 10 मार्च को किया जाएगा।

प्राप्त जानकारी अनुसार 9 मार्च को दोपहर 12ः00 बजे करीब इनकार सिंह अपने भतिजे के साथ लकड़ी लाने साईकिल से जंगल की ओर निकले थे। दोनो ग्राम मलधर जो वन ग्राम विस्थापित हो गया हैं। उस जंगल की ओर चले गए थे। जहां लकड़ी काटने के दौरान हिंसक वन्य प्राणी बाघ ने झंकार सिह पर हमला कर दिया ।इनकार सिंह बाघ का शिकार बन गया था। झंकार सिह पर बाघ का हमला करते देखे उनका भतिजा जंगल से भाग गया और दोपहर करीब 3.30 बजे करीब घर गांव पहुंचा और उसने गांव में घटना की जानकारी दी ।ग्रामीणों ने वन विभाग और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन अमला और चांगोटोला पुलिस मौके पर पहुंचे और शव बरामद किए। शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम पीएम के लिए लामता अस्पताल भिजवा दिया गया है। झंकार सिह के शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम 10 मार्च को किया जाएगा।

बाघ की हमले में वृद्ध की मौत हुई- आर के सोलंकी संभागीय प्रबंधक वन विकास निगम

आर के सोलंकी संभागीय प्रबंधक वन विकास निगम बालाघाट ने बताया कि मोहगांव निवासी एक व्यक्ति अपने भतिजे के साथ दक्षिण मोहगांव बिट के कक्ष क्रमांक 1154 में बाघ ने वृद्ध पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी मिलते ही मौके पर वन अमला मौजूद हैं, पुलिस और वन अमला के द्वारा पंचनामा की कार्यवाही के पश्चात पीएम के लिए लामता अस्पताल में रखा जायेगा। 10 मार्च पोस्टमार्डम किया जायेगा। 20 हजार रूपए की तात्कालिन आर्थिक सहायता राशि दी गई हैं, रिपोर्ट तैयार कर कार्यवाही की जायेगी।

बालाघाट वन परिक्षेत्र के ग्राम बोरी में तेंदुए का हमला

वन परिक्षेत्र बालाघाट के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोरी में सोमवार की सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई ।जहां खेत में कृषि कार्य कर रहे एक किसान पर वन्य प्राणी तेंदुए ने हमला कर दिया। इस हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल किसान भंडारी पिता तेजू लाल पांचे 62 वर्ष है ।जिसे जिला अस्पताल प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बोरी निवासी कृषक भंडारी पांचे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 9 मार्च को सुबह 8ः30 बजे भंडारी पांचे अपने खेत में कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान खेत से लगे जंगल की ओर से आए एक तेंदुए ने अचानक उन पर हमला कर दिया। तेंदुए ने किसान के पेट पर गंभीर वार किया और शरीर के अन्य हिस्सों पर भी पंजों से हमला कर दिया ।जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए ।भंडारी पांचे की चीख-पुकार सुनकर पास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को आता देख तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। इसके बाद घायल किसान भंडारी पांचे को तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया ।जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किये। किसान भंडारी पांचे की हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

ग्रामीणों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से इसी क्षेत्र में तेंदुए की गतिविधियां बढ़ गई थीं और वह कई मवेशियों पर भी हमला कर चुका है। जिससे गांव में पहले से ही दहशत का माहौल बना हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी भी जिला अस्पताल पहुंच गए और मामले की जानकारी ली ।ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि तेंदुए को जल्द से जल्द पकड़कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाए ताकि गांव में दोबारा ऐसी घटना न हो और लोगों में फैला भय समाप्त हो सके। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले ने किसान भंडारी पांचे के पड़ोसी ओमकार पांचे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना ग्रामीण भिजवा दी है।

गलत इंजेक्शन लगाने से युवक गया कोमा मे,भारत मुक्ति मोर्चा ने सौपा ज्ञापन

सरदार पटेल मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पीटल व चिकित्सक के खिलाफ कार्यवाही की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले दिनों नगर के वार्ड नंबर 33 गायखुरी स्थित सरदार पटेल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पीटल में एक चिंतनीय मामला सामने आया था ।जहां युवक की तबीयत खराब होने पर उसे उक्त अस्पताल में भर्ती करने पर,उपचार के दौरान युवक कोमा में चला गया था ।इस मामले को लेकर भारत मुक्ति मोर्चा पदाधिकारियो ने महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के नाम जिला कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है ।जिसमें उन्होंने सरदार पटेल मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पीटल के चिकित्सक पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए, गलत इंजेक्शन लगाने से युवक के कोमा में जाने की शिकायत की है। वही इस मामले में भारत मुक्ति मोर्चा पदाधिकारियो द्वारा संबंधित अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है ।वही युवक के उपचार से संबंधित खर्च उठाने सहित अन्य मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई है।

नागपुर में जिंदगी और मौत से लड़ रहा विवेक

भारत मुक्ति मोर्चा के पदाधिकारियो ने बताया कि 11 फरवरी 2026 की रात विवेक तिरपुड़े, पिता आर.सी. तिरपुड़े, की तबीयत अचानक खराब होने पर उन्हें सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बालाघाट में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान वहां पदस्थ एक महिला डॉक्टर सृष्टि जैन द्वारा बोहेशी के नाम पर कथित रूप से गलत इंजेक्शन लगा दिया गया, जिससे उनकी हालत और गंभीर हो गई ।उस इंजेक्शन के बाद विवेक की तबीयत तेजी से बिगड़ी और वे कोमा में चले गए। वर्तमान में उनका उपचार नागपुर (महाराष्ट्र) के एक निजी अस्पताल में चल रहा है ।परिजनो ने इसकी शिकायत पुलिस थाना में दी गई थी लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है ।युवक अभी भी कोमा में है जो नागपुर में जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रहा है।

कार्यवाही नही हुई तो करेंगे धरना प्रदर्शन- ठवकर

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान भारत मुक्ति मोर्चा बालाघाट जिला प्रभारी रामदास ठवकर ने बताया कि इस पूरी घटना के लिए सरदार पटेल मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पीटल व महिला चिकित्सक सृष्टि जैन जिम्मेदार है महिला चिकित्सक द्वारा गलत इंजेक्शन लगाने के चलते युवक कोमा में चल गया और आज जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है वह अब भी कोमा से बाहर नहीं आ पाया है ।हमारी मांग है कि ऐसी चिकित्सक पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही ऐसे चिकित्सक को दंडित किया जाना चाहिए ।ताकि ऐसी घटना किसी और के साथ ना हो सके। यदि ऐसा नहीं किया जाता और हमारी मांग पूरी नहीं होती तो फिर आगामी समय में इस मामले को लेकर भारत मुक्ति मोर्चा के बैनर तले नगर में धरना प्रदर्शन किया जाएगा ।जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

हाथी प्लान बंजारी के जंगल में 12वीं के छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना अंतर्गत चांगोटोला रोड पर स्थित हाथीप्लान बंजारी के जंगल में एक युवक की फांसी लगाने से मौत हो गई।। मृतक युवक गोपी किशन पिता स्वर्गीय मुन्नालाल सराटे 19 वर्ष वार्ड नंबर 10 लामता निवासी है। इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाई अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। लामता पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपी किशन कक्षा बारहवीं का छात्र था। जिसके परिवार में मां के अलावा बड़ा भाई वीरेंद्र सराटे है जो प्राइवेट जॉब करते हैं। जिनके पिता की दो महीने पहले ही निधन हुआ है। बताया गया है कि 7 मार्च को ही गोपी किशन ने 12वीं अंतिम पेपर दिया था और घर में ही रहता था। 9 मार्च को सुबह 9ः00 बजे गोपी किशन लकड़ी लाने के लिए चांगोटोला रोड पर स्थित हाथी प्लान बंजारी का जंगल तरफ गया था। किंतु दोपहर तक गोपी किशन घर नहीं लौटा ।परिजनों को चिंता होने पर बड़ा भाई वीरेंद्र सराठे उसे ढूंढने के लिए हाथीप्लान बंजारी के जंगल तरफ गया था ।जिसने अपने भाई गोपी किशन को घोटिया के पेड़ में फांसी पर लटके हुए देखा और उसने पेड़ से उतार कर डायल 112 को जानकारी दी। सूचना मिलते ही तुरंत डायल 112 मौके पर पहुंची और गोपी किशन को लामता के सरकारी अस्पताल लाये। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिए। लामता पुलिस ने मृतक युवक गोपी किशन का शव पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। सहायक उप निरीक्षक ईगलसिह मरकाम द्वारा मर्ग जांच की जा रही है।

वर्ल्ड कप में भारत की जीत का बालाघाट के युवाओ ने मनाया जश्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रविवार 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 वर्ल्ड कप का फाईनल मैच खेला गया ।जिसमे अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए,भारतीय टीम ने यह फायनल मैच, 96 रनों से जीतकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया ।जिसका पूरे देश सहित बालाघाट के युवाओ ने भी जमकर जश्न मनाया ।इस दौरान युवाओ ने ढोल नगाड़े की थाप पर जमकर ठुमके लगाए तो वही देश भक्ती गीतो पर प्रशंसक झूमते गाते नाचते दिखाई दिए ।जहा जश्न का माहौल देर रात तक नगर में दिखाई दिया।

रंगपंचमी पर दिखा दीपावली का माहौल

रविवार को टी-20, वर्ल्ड कप का फायनल मैच, अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 255 रनो का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जिसके जवाब में खेलने उतरी न्यूजीलैंड की पूरी टीम 159 रन पर आल आउट हो गई और भारतीय टीम ने फायनल मैच 96 रनों से जीतकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया। यह भारत की टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत थी। इस मैच में भारत ने ना केवल मैच में जीत को रिपिट किया बल्कि शानदार डिफिट भी किया। जिससे भारतीय टीम ने देश के 140 करोड़ देशवासियों को होली की रंगपंचमी पर दीपावली बनाने का मौका दिया।

चक दे इंडिया और भारत माता की जय का किया गया उद्घोष

टी-20 के फायनल मैच में कीवियो पर भारत की जीत का जश्न पूरे देश के साथ ही बालाघाट में भी देखा गया। यहां क्रिकेट प्रेमियों ने भारतीय टीम के टी-20 वर्ल्ड कप में जीत का जश्न ढोल और चक दे इंडिया के गीत पर नाचकर मनाया। भारतीय टीम की जीत पर जिले में जश्न का माहौल ना केवल ढोल की आवाज पर क्रिकेट प्रशंसकों ने नाचकर मनाया बल्कि जीत पर जमकर आतिशबाजी भी की। वहीं भारत माता की जय का उद्घोष करते हुए युवाओं ने जमकर जश्न मनाया।

बड़ी एलडीईडी स्क्रीन में देखा गया फाईनल मैच

टी-20 वर्ल्ड कप फाईनल का मैच देखने के लिए जिला मुख्यालय के काली पुतली चौक, उत्कृष्ट विद्यालय मैदान, झांसी रानी चौक सहित अन्य चौराहो पर बड़ी एलडीईडी स्क्रीन की व्यवस्था की गई थी ।जहा शाम होते ही भारत-न्यूजीलैंड के लाईव मैच देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जहां पहुंचकर क्रिकेट प्रेमियों ने फायनल मैच का भरपूर आनंद लिया।

भारतीय टीम की जीत के लिए की गई थी प्रार्थना

आपको बताए कि जिले में रविवार को फायनल क्रिकेट मैच में भारतीय टीम जीत की प्रार्थना शुरू हो गई थी। जिला किक्रेट एशोसिएशन ने फायनल मैच में भारतीय टीम की जीत के लिए पूजन और प्रार्थना की थी। एशोसिएशन की उम्मीद भी भारतीय जीत में खरी उतरी। इस मैच में लगातार टूर्नामेंट में कम स्कोर पर आउट हो रहे अभिषेक शर्मा ने ना केवल विस्फोटक पारी खेली बल्कि संजू सैमसन और ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी भी की। गेंदबाजी में भी बुमराह और अक्षर पटेल के साथ अन्य गेंदबाजो ने भारतीय टीम की जीत को मुक्कमल कर देशवासियो को होली की रंगपंचमी पर जीत का तोहफा दिया ।उधर इस जीत पर युवाओं द्वारा देर रात तक जश्न मनाया गया। इस पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम देखने को मिले।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को अधिकारों एवं कर्तव्यों की दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च, दिन रविवार को किरनापुर में माता जीजाबाई महिला मंडल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना था ।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र की अनेक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं ।कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, गीत-संगीत तथा प्रेरणादायक विचारों के माध्यम से महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित महिलाओं ने संकल्प लिया कि वे समाज में महिलाओं के सम्मान, समानता और सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास करती रहेंगी। इस कार्यक्रम में मंडल संयोजक माधुरी बोहरे , मीना बहेकार , अलका गिरिया , बिन्देश्वरी हुकरे , कविता हुकरे, नीलम भूते , रंजू राकड़े , भारती जांगडे , सुनीता क्षीरसागर एवं अन्य महिलाएं उपस्थित रहे।

आस-पास की खबरें

संत श्री लहरी पावन संस्थान बेलगांव में मनाया जायेगा लहरी बाबा का स्मृति दिवस समारोह आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 3 किमी. दूर ग्राम पंचायत बेलगांव स्थित श्री लहरी पावन संस्थान (मंदिर) परिसर में 10 मार्च को मानव कल्याणार्थ अवतरित परम पू'यनीय परमहंस, निष्काम, कर्मयोगी, संत शिरोमणि सदगुरू श्री जैरामदास उर्फ लहरी बाबा का स्मृति दिवस समारोह

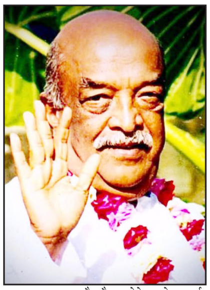

श्रध्दापूर्वक व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। मानव कल्याण के मार्गदर्शक और निष्काम कर्मयोगी के रूप में पूज्यनीय लहरी बाबा के इस पावन उत्सव की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। तत्संबंध में जानकारी देते हुये ग्राम पंचायत बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर ने बताया कि मानव कल्याणार्थ अवतरित परम पूयनीय परमहंस, निष्काम, कर्मयोगी, संत शिरोमणि सदगुरू श्री जैरामदास उर्फ लहरी बाबा का यह संदेश था कि मानवता से ही देश को बचाया जा सकता है और उन्होने अपने सम्पूर्ण जीवनकाल में मानव कल्याण के अनेक कार्य किये है उन्ही की स्मृति में 10 मार्च को मानव कल्याणार्थ अवतरित परम पूजयनीय परमहंस, निष्काम, कर्मयोगी, संत शिरोमणि सद्गुरू श्री जैरामदास उर्फ लहरी बाबा का स्मृति दिवस समारोह (पुण्य स्मरण दिवस) हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा और यह कार्यक्रम परम पूज्यनीय डॉ. खिलेश्वरनाथ उर्फ तुकडया बाबा लहरी आश्रम कामठा की पावन उपस्थिति में संपन्न होगा। जिसमें दोपहर 3 बजे पं. पूज्यनीय बाबाजी का आगमन, दोपहर 3.30 बजे से महामृत्युंजय यज्ञ, भजन प्रवचन, सत्संग एवं महाप्रसादी का वितरण कर कार्यक्रम संपन्न होगा।

पांढरवानी पंचायत में मवेशी एवं बैठकी बाजार की नीलामी आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा के सभाकक्ष में 10 मार्च को दोपहर 12 बजे से मवेशी ए वं बैठकी बाजार नीलामी की जायेगी। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि पांढरवानी पंचायत अंतर्गत बैठकी एवं मवेशी बाजार की नीलामी वर्ष 2026-27 (1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक) एक वर्ष के लिए पंचायत राज अधिनियम (फीस संग्रहण

का पट्टा) 1995 नियम एवं नीलामी शर्तो के अध्याधीन रहते हुए 10 मार्च को पंचायत भवन में नीलामी की प्रक्रिया संपन्न करवाई जायेगी। श्री खान ने बताया कि इस दिन मवेशी एवं बैठकी साप्ताहिक बाजार की नीलामी अपरिहाय कारणों से उक्त तिथि पर नीलामी नही होने पर 11 मार्च को एवं इस तिथि में भी नीलामी नही होने पर 12 मार्च निर्धारित समय पर नीलामी की जावेगी। इस अवसर पर श्री खान ने बताया कि भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 के तहत स्टाम्प डयूटी (मुद्रांक शुल्क) नीलामी की राशि पर नियमानुसार देय होगा और सफल बोलीदार की वसूली ठेका दिनांक के बाद से लागू होगी।

बालाघाट-सिवनी हाईवे की हालत बदहाल, हो रहे हादसे, जिम्मेदार मौन

स्वीकृत होने के बाद भी फोरलेन का काम नही हुआ शुरू, हादसों को न्यौता दे रहे गड्ढे

राहगीर एवं ग्रामीणों ने गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य या फिर नवीन सड़क का जल्द निर्माण करवाने की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से होकर गुजरने वाला बालाघाट-सिवनी मुख्य मार्ग वर्तमान में अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। एक वर्ष पूर्व इस मार्ग को फोरलेन बनाने हेतु शासन द्वारा करोड़ों रूपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। लेकिन धरातल पर काम शुरू न होने से जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं सड़क पर जगह-जगह उखड़े डामर और गहरे गड्डों के कारण यह मार्ग अब सफर नहीं बल्कि मुसीबत बन गया है। यानि की सड़क में जगह जगह से डामर उखड़ जाने के साथ ही गड्डे बन जाने के कारण आने-जाने वालों का बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं आये दिन दुर्घटनाएं भी हो रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे राहगीरों व क्षेत्रीयजनों को इस मार्ग से आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं वर्तमान में वैवाहिक सीजन होने के कारण सड़क पर यातायात का दबाव काफी बढ़ गया है। रात के समय विपरीत दिशा से आने वाले वाहनों की लाइट के कारण सड़क के बीच के गड्डे दिखाई नहीं देते, जिससे आये दिन दुपहिया और चौपहिया वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे राहगीरों एवं ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। राहगीर एवं ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन से फोरलेन सड़क निर्माण कार्य में देरी होने के कारण सड़क में बने गड्डों का गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

प्रशासन किसी बड़े हादसे का कर रहा इंतजार

आपकों बता दें कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग एक व्यस्तम मार्ग है और इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों ओवरलोड वाहन, बस, चौपहिया, दुपहिया एवं साईकिल से लोग आना-जाना करते है परन्तु हाईवे मार्ग का खस्ताहाल होने के कारण आवागमन करने वाले राहगीर व ग्रामीणों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जबकि यह मार्ग बालाघाट से सिवनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, नागपुर, भोपाल, गोंदिया सहित अन्य बड़े शहरों की ओर जाता है। साथ ही इस मार्ग से ओवरलोड़ वाहन, बस, दुपहिया वाहन गुजरने के साथ ही लोग बस, चौपहिया वाहन, कार से आवागमन करते है। वहीं बालाघाट से सिवनी फोरलेन सड़क के निर्माण के लिए सरकार के द्वारा करोड़ों रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस परियोजना के तहत 85 किमी लंबी सड़क का निर्माण किया जाना है। लेकिन अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। ऐसे में जनता यह समझ नहीं पा रही कि आखिर इतनी राशि स्वीकृत होने के बावजूद कार्य में देरी क्यों हो रही है और सड़क की दुर्दशा हर दिन खस्ताहाल होते जा रही है और लोगों को आवागमन करने में भी बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदार कोई ध्यान नही दे रहे है, जिससे ऐसा लगता है कि शासन-प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे है। तब जाकर वे जागेगें और गड्डों का मरम्मत कार्य करवायेगें।

रात में नहीं दिखाई पड़ते गड्ढे - भाऊराम

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पूर्व अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग की हालत इतनी खराब है कि जगह-जगह गहरे गड्डे बन गये हैं, जो रात के समय दिखाई नहीं देते, जिससे आये दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है। साथ ही यह भी बताया कि वर्तमान में शादी समारोह का दौर चल रहा है, लोग इस मार्ग से बहुतायत संख्या में आवागमन कर रहे हैं और मार्ग खराब होने के कारण

उन्हें दुर्घटना का सामना करना पड़ रहा है एवं रात के अंधेरे में गड्डे दिखाई नहीं पड़ते हैं जिससे दुर्घटना घटित हो रही। श्री गाड़ेश्वर ने बताया कि समाचार पत्रों एवं जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जानकारी प्राप्त हो रही है कि इस मार्ग के नवीन निर्माण की स्वीकृति शासन स्तर से मिल गई है परंतु अब तक किसी तरह का कोई निर्माण कर प्रारंभ नहीं हो पाया है, शासन-प्रशासन से मांग है कि इस मार्ग का शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ करवायें।

कागजों में मिली नवीन सड़क की स्वीकृति - सतानंद

राहगीर सतानंद दमाहे ने बताया कि सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि आये दिन इस मार्ग पर दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं। जबकि यह मार्ग न केवल व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि लालबर्रा पढ़ाई करने आने वाले छात्र-छात्राओं के लिए भी मुख्य रास्ता है। जो हर वक्त जान हथेली पर रखकर यहाँ से गुजरने को मजबूर हैं और सबसे अधिक भयावह स्थिति लालबर्रा में मजार के पास, पेट्रोल पंप के सामने, पावर हाउस क्षेत्र, सिहोरा, कंजई और नेवरगांव ला, मिरेगांव, डोंकरबंदी जैसे क्षेत्रों में है जहां पर हर 100 से 200 मीटर की दूरी पर सड़क पूरी तरह से उखड़ चुकी है। श्री

दमाहे ने बताया कि अखबारों में खबर आती है कि सड़क स्वीकृत हो गई है, लेकिन धरातल पर कोई काम शुरू नहीं हो पाया है जिससे यह नेताओं के द्वारा जनता को दिया जाने वाला लॉलीपॉप साबित हो रहा है। सड़क की बदहाली का असर इंदौर और भोपाल जाने वाली लंबी दूरी की बसों और यात्री वाहनों पर भी पड़ रहा है, जिससे यात्रियों का सफर असुरक्षित और कष्टकारी हो गया है। आगे बताया कि केवल आश्वासनों से जनता को संतुष्ट करने का प्रयास न किया जाये, बल्कि वर्तमान एस्टीमेट और दरों के आधार पर इस हाईवे का निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से शुरू किया जाये ताकि क्षेत्रवासियों को इस नारकीय स्थिति से मुक्ति मिल सके और भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

दादिया में पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत ददिया में गत दिवस से जारी पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का गत दिवस समारोहपूर्वक समापन किया गया। इस पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में दो दर्जन से अधिक टीमों ने शामिल होकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और ददिया और चिल्लौद के मध्य फाइनल मैच खेला गया। फाइनल मैच सरपंच श्रीमती रिषी पंछी भलावी व जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मनीराम भोयर सहित अन्य गणमान्य प्रतिनिधियों की प्रमुख उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों के हस्ते टास किया गया और 12-12 ओवर का मैच खिलाया गया। जिसमें ददिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 134 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। वहीं दुसरी पारी खेलने उतरी चिल्लौद की टीम ने 12 ओवर में 127 रन में ही सिमट गई। इस तरह से ददिया की टीम ने 7 रन से फाइनल मैंच का खिताब जीत लिया। जिसके बाद अतिथियों के हस्ते ददिया की टीम को प्रथम पुरस्कार 31,111 रूपये एवं चिल्लौद की टीम को द्वितीय पुरस्कार 15,015 रूपये, शिल्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं इस फाइनल मैंच में चिल्लौद टीम की ओर से 76 रनों की पारी आर्यन ने खेली और मैन आफ द मैच का खिताब अपने नाम किया। पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों ने कहा कि इस पंचायत स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन करने के लिए क्लब के समस्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी और खिलाडियों से कहा कि खेल को खेल की भावना से खेले। साथ ही यह भी कहा कि इस तरह के आयोजन होने से ग्रामीण स्तर के प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर के साथ ही एक अच्छा मंच मिलता है और खेल खेलने से शरीर का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है इसलिए सभी को कोई न कोई खेल खेलते रहना चाहिए। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गत 22 फरवरी से ददिया में पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता जारी था और रोजाना मैच भी खेले गये। जिसमें ददिया एवं चिल्लौद के मध्य फाइनल मैच खेला गया और ददिया की टीम ने फाइनल मैंच का खिताब जीता है। आगे बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य था कि ग्रामीण खिलाड़ियों को अ%छा मंच प्रदान करना ताकि वे अपने आगे आकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके और आगामी समय में और भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष जितेन्द्र आश्वले, उपाध्यक्ष रेखेन्द्र बोपचे, सचिव लोकेश कड़ोकर, कोषाध्यक्ष सोहेन्द्र मोहबे, संरक्षक लकेश पंचेश्वर, विशाल क्षीरसागर, गुंजन बोपचे, नितेश ढबाले, सदस्य बंटी आश्वले, हेमराज भोयर, लक्ष्मण सपाटे, मेशुप्रसाद बोपचे, बंटी भोयर, राजेश बोपचे, लकेश बिसेन, रजत बोपचे, गणेश आश्वले, नरेन्द्र भोयर, हितेश बोपचे, मनोज बोपचे, देवराज कड़ोकर, दिनेश बिसेन, लीलाधर बोपचे, शिवकुमार ठाकरे, लितेश बोपचे, प्रमोद बोपचे, कृष्णकुमार धार्मिक, आनंद आश्वले, देवेन्द्र बोपचे, राकेश मोहबे, शिवम दुबे, विशाल बोपचे, गोलू भोयर, विजय मड़ावी, दीपक मोहबे, महेन्द्र बोपचे, नवीन रहांगडाले, डालीराम कारे, मनीष ठाकरे, नवीन जोन, प्रकाश लानगे, राकेश भोयर, शुभम दुबे, खिलेन्द्र बोपचे, तरूण कोहरे, आनंद बोपचे, पुरूषोत्तम ढबाले, आशीष बिसेन, विवेक बोपचे, हितेश भोयर, आनंद बोपचे, रूपेन्द्र कड़ोकर,अतुल सपाटे, अतुल ठाकरे, जितेन्द्र धार्मिक, मोहित भोयर, संजय मडावी, दिनेश कडोकर, विनय भोयर, निश्चय मात्रे, प्रदीप भुसारी, पंकज बाहेश्वर, संदीप कटंगकार सहित अन्य सदस्यों व ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

टी-20 वर्ल्ड कप, टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत पर झूमा शांति नगर

युवाओं ने जमकर आतिशबाजी कर इंडिया टीम की जीत का मनाया जश्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप के रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत की शानदार जीत के बाद पूरे देश के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी भारी उत्साह देखा गया। नगर मुख्यालय के शांति नगर क्षेत्र में खेल प्रेमियों ने न केवल इस मैच का लुत्फ उठाया, बल्कि टीम इंडिया के विश्व विजेता बनने पर जमकर आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया। रविवार को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गये इस हाई-वोल्टेज (फाइनल मैच के) मुकाबले को देखने के लिए नगर मुख्यालय की पांढरवानी पंचायत के शांति नगर में खेल-प्रेमियों के द्वारा विशेष इंतजाम किये गये थे यानि की मुख्य चौक पर बड़ा प्रोजेक्टर लगाया गया था। जहां शाम से ही क्रिकेट प्रशंसकों का हुजूम उमड़ पड़ा। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, दर्शकों का उत्साह भी चरम पर पहुंचता गया। हर चौके, छक्के और न्यूजीलैंड के विकेट गिरने पर प्रशंसकों ने तालियों और सीटियों से पूरे परिसर को गुंजमान्य कर दिया।

भारत का विशाल स्कोर और न्यूजीलैंड की पस्त बल्लेबाजी

रविवार की रात में संपन्न हुई आईआईसी टी-20 मैच के विश्लेषण पर नजर डालें तो फाइनल में टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारतीय बल्लेबाजों ने तूफानी प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 255 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों की धारदार गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी। न्यूजीलैंड टीम संघर्ष करते हुए मात्र 159 रनों पर ऑल आउट हो गई। भारत ने इस मुकाबले को एकतरफा अंदाज में जीतकर वर्ल्ड कप की ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि न्यूजीलैंड को उपविजेता के खिताब से ही संतोष करना पड़ा। जैसे ही भारत ने अंतिम विकेट लेकर जीत दर्ज की जिसके बाद शांति नगर लालबर्रा का माहौल उत्सव में बदल गया और जीत की खुशी में युवाओं एवं बच्चों ने जमकर आतिशबाजी कर जीत का इजहार किया। साथ ही खेल-प्रेमियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। वहीं देर रात तक चले इस जश्न में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक, युवा और बच्चे उपस्थित रहे। उपस्थित खेल प्रेमियों का कहना था कि टीम इंडिया के इस प्रदर्शन ने हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।

नई शिक्षा नीति में प्री-प्राइमरी में प्रवेश का किया गया प्रविधान

भोपाल। एजेंसी। मप्र सरकार सत्र 2026-27 में प्रदेश के लगभग 4500 प्राथमिक विद्यालयों में बाल वाटिका (प्री-प्राइमरी कक्षाएं) शुरू करने जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन से छह वर्ष के बच्चों को औपचारिक स्कूली शिक्षा से पहले खेल-खेल में सीखने का माहौल प्रदान करना है। इन वाटिकाओं में बच्चों के लिए रंग-बिरंगे क्लासरूम, खिलौने और विशेष रूप से तैयार किया गया पाठ्यक्रम होगा। दरअसल, नई शिक्षा नीति में पहली कक्षा में प्रवेश से पहले प्री-प्राइमरी में प्रवेश का प्रविधान किया गया है। अभी तक करीब दो हजार स्कूलों में यह व्यवस्था की गई थी। प्रवेश के लिए तीन से साढ़े चार वर्ष की आयु निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मप्र के स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सरकारी स्कूलों में अधिक से अधिक संख्या में बाल वाटिकाएं शुरू करने का सुझाव दिया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में तीन से छह वर्ष के बच्चों को औपचारिक स्कूली शिक्षा से पहले खेल-खेल में सीखने का माहौल देने का प्रविधान है। इसके तहत किंडरगार्टन की तर्ज पर प्री-प्राइमरी बालवाटिका कक्षाएं शुरू की जा रही हैं। सरकार ने इसे चरणबद्ध ढंग से लागू करने का निर्णय लिया था। अब राज्य शिक्षा केंद्र ने प्रवेश संबंधी दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। नए प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु की गणना संबंधित सत्र की 31 जुलाई तथा पहली कक्षा के लिए 30 सितंबर से की जाएगी। प्राथमिक शिक्षकों को छोटे बच्चों को खेल-खेल में आधुनिक तरीकों से पढ़ाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके लिए अतिथि शिक्षकों की भी भर्ती की जाएगी। निजी स्कूलों में नर्सरी और केजी की महंगी फीस के कारण बच्चे गुणवत्तापूर्ण शुरुआती शिक्षा से वंचित रह जाते थे। बाल वाटिकाएं इस अंतर को खत्म करेंगी। इस योजना से न केवल सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ेगी, बल्कि बीच में पढ़ाई छोडने् वाले बच्चों की संख्या में भी कमी आने की उम्मीद है।

बाल वाटिकाओं को बनाया जाएगा आकर्षक

अब तक सरकारी स्कूलों में सीधे पहली कक्षा से पढ़ाई शुरू होती थी, जिससे निजी स्कूलों की तुलना में सरकारी स्कूल के बच्चे पिछड़ जाते थे। अब बाल वाटिकाओं के माध्यम से तीन से छह वर्ष तक के बच्चों को स्कूलों से जोड़ा जाएगा। इन वाटिकाओं में बच्चों के बैठने के लिए आकर्षक फर्नीचर, खिलौने और रंगीन दीवारें होंगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि इन स्कूलों का चयन उन परिसरों में किया गया है, जहां पहले से प्रायमरी स्कूल संचालित हैं, ताकि बच्चों को एक ही परिसर में निरंतरता मिल सके। राज्य शिक्षा केंद्र के अपर संचालक डॉ. अरुण सिंह का कहना है कि आगामी सत्र से प्रदेश के 4500 सरकारी स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाएं शुरू की जाएंगी। इन कक्षाओं में बच्चों का सर्वांगीण विकास होगा। इन कक्षाओं में पढ़ाई का बोझ नहीं होगा। बच्चों को एनसीईआरटी द्वारा तैयार विशेष पाठ्यक्रम 'विद्या प्रवेश' के माध्यम से पढ़ाया जाएगा। एलईडी स्मार्ट टेलीविजन लगाए जा रहे हैं, जिनके जरिए हिंदी और अंग्रेजी वर्णमाला, गिनती तथा पूर्व-प्राथमिक गतिविधियां विजुअल टूल्स से सिखाई जाएंगी।

वन्य प्राणी नीलगाय के पांच शिकारी गिरफ्तार ,एक फरार

टेकाड़ीटोला के तालाब में मिली नीलगाय ,विभाग की जांच जारी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी वन विभाग अंतर्गत ग्राम पंचायत टेकाड़ी में वन्य प्राणी नीलगाय के शिकार की घटना प्रकाश में आयी है। इसमें विभाग के द्वारा टेकाड़ीटोला के तालाब से वन्य प्राणी नीलगाय का शव बरामद कर पांच शिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है वहीं एक शिकारी फरार चल रहा है। घटना में वन विभाग के द्वारा वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 यथा संशोधित वन्य जीव संरक्षण संशोधन अधिनियम 2022 की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही हैं। वहीं 9 मार्च को सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

नीलगाय का करेंट बिछाकर किया गया शिकार

होली पर्व को लेकर दक्षिण सामान्य वन परिक्षेत्र कार्यालय अमला वन क्षेत्र में बहुत ज्यादा सक्रिय था। जहां वन विभाग के द्वारा लगातार गस्ती एवं ग्रामीणों को वन क्षेत्र में नहीं जाने वन्य प्राणियों को नुकसान ना पहचाने के लिए माइक के माध्यम से जागरूक किया जा रहा था। इसी दौरान 8 मार्च की सुबह गस्ती के दौरान वन विभाग कार्यालय को सूचना मिली कि ग्राम टेकाड़ी के निजी तालाब में एक वन्य प्राणी नीलगाय मृत अवस्था में पड़ी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी छत्रपाल सिंह जादौन के निर्देश पर परिक्षेत्र सहायक अशोक कुमार भालाधरे वन हमले के साथ मौके पर पहुंचे। जहां देखा गया कि टेकाड़ी के टेकाड़ीटोला में निजी तालाब था जो कुछ किसानों की भूमि पर बना हुआ था। जिसमें तुलाराम वरकड़े के हिस्से वाली तालाब की भूमि पर मादा नीलगाय मृत पड़ी हुई थी। जिसकी अनुमानित उम्र करीब ढाई वर्ष थी वन्य प्राणी के शरीर में कुल्हाड़ी एवं विद्युत करेंट के घाव थे। जिस पर वन विभाग को शिकार की पुष्टि हो गई विभाग के द्वारा तालाब सहित आसपास के क्षेत्र में बारीकी से निरीक्षण किया गया। जहां सुखचंद मर्सकोले के खेत के पास से गुजरने वाली 11 केवी विद्युत लाइन के माध्यम से करीब 150 मीटर तक जीआई तार पड़ा हुआ था। यह तार करेंट बिछाकर शिकार के लिए उपयोग किया गया था। जिसके बाद समस्त जानकारी वन अमले के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। जिनके मार्गदर्शन में डॉग स्कॉट की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की डॉग मौके की गंध का पीछा करते हुए टेकाड़ी ग्राम में पहुंचा। जहाँ वह राज पिता मानसिंह कंगाली उम्र 20 वर्ष के घर में घुस गया विभाग के द्वारा उक्त व्यक्ति को शिकार के संदेह पर अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई। जिसके द्वारा उसके साथ अन्य पांच व्यक्तियों के शिकार में शामिल होने की जानकारी दी गई। जिस पर वन अमले के द्वारा सभी को गिरफ्तार कर परिक्षेत्र कार्यालय लाकर उनसे विस्तृत पूछताछ की गई। इस दौरान 6 में से 5 ही आरोपी गिरफ्तार हो पाए एक आरोपी फरार हो गया था। जिसमें विभाग के द्वारा सभी आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर गिरफ्तार पांच आरोपियों को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

यह आरोपियों पर इन धाराओं में हुआ अपराध दर्ज

वन विभाग के द्वारा डॉग स्कॉर्ट की मदद से नीलगाय के शिकार के आरोपी राज पिता मानसिंह कंगाली उम्र 20 वर्ष ग्राम टेकाडी निवासी को अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई। जिसके द्वारा सुभान्शु पिता रतिराम भलावी उम्र 25 वर्ष ग्राम भजियापार, धर्मेन्द्र पिता अशोक उईके उम्र 32 वर्ष भजियापार, राजेन्द्र पिता भीकचंद मडावी उम्र 34 वर्ष, सुरेश पिता शेरसिंह पन्द्रे उम्र 30 वर्ष, कमल पिता केशवराय उइके तीनो टेकाडी निवासी के द्वारा शिकार किए जाने की बात कही गई। वन विभाग ने राज कंगाली सहित अन्य चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जिसमें कमल पिता केशवराय उइके टेकाडी निवासी घटना की जानकारी लगते ही फरार हैं। इसमें फरार व्यक्ति की सरगर्मी से पतासाजी की जा रही है। विभाग के द्वारा सभी आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 यथा संशोधित वन्य जीव संरक्षण संशोधन अधिनियम 2022 की धारा 2 की 16 ख ,धारा 9,39,50,51,52,57 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया है।

वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है-अशोक भालाधरे

परिक्षेत्र सहायक अशोक भालाधरे ने बताया कि हमारे द्वारा वन क्षेत्र में लगातार निगरानी गस्ती के माध्यम से करते हुए लोगों को मुनादी के माध्यम से जागरूक करने का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान 8 मार्च की सुबह नीलगाय के शिकार की सूचना मिली मौके पर जाकर देखें तो तुलाराम वरकड़े की जमीन जो तालाब में है उसे पर नीलगाय मृत पड़ी थी। नीलगाय के घाव से करेंट से शिकार करने का संदेह होने पर जांच की गई तो पास ही में की तार प्राप्त हुआ। शिकार के लिए यह तार बिछाया गया होगा जिसमें नीलगाय फंसने से उसकी मौत हो गई। मामले में डॉग स्कॉर्ट के माध्यम से जांच करवारकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है एक फरार है। सभी के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया हैं।

इनका रहा सराहनीय योगदान

इस कार्यवाही में रेंजर छत्रपाल सिंह जादौन ,डिप्टी रेंजर अशोक कुमार भालाधारे ,वनरक्षक भवानी बिसेन, आलोक पटले ,दीपेंद्र परमार, लोकेश टेंभरे ,मोहित सोनी ,रत्नदीप बोरकर ,साधुराम पारधी ,सुनील मरावी, अशोक परते ,जगदीश बांगडे ,लक्ष्मीकांत डेकाटे ,हितेश चचाने सहित अन्य सुरक्षा श्रमिक और बाघ मित्र का सराहनीय योगदान रहा।

आरटीई के तहत निजी स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश प्रक्रिया शुरू

13 से 28 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन, 2 अप्रैल को लॉटरी से होगा स्कूल आवंटन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए जिले में गैर-अनुदान प्राप्त मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस योजना के माध्यम से कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों को निजी स्कूलों में नि:शुल्क शिक्षा का अवसर प्रदान किया जाएगा।

जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन ने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत अभिभावक अपने ग्राम, वार्ड, पड़ोस अथवा विस्तारित पड़ोस के निजी स्कूलों में उपलब्ध सीटों के आधार पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन करते समय अभिभावकों को न्यूनतम 3 और अधिकतम 10 स्कूलों का चयन करना होगा। इसके लिए बच्चे की समग्र आईडी दर्ज कर आधार के माध्यम से सत्यापन कराना अनिवार्य रहेगा। ऑनलाइन आवेदन के बाद अभिभावकों को निर्धारित सत्यापन केंद्र, यानी शासकीय जनशिक्षा केंद्र में जाकर अपने आवेदन का मूल दस्तावेजों के साथ सत्यापन कराना होगा। दस्तावेजों के सत्यापन के पश्चात पात्र आवेदकों को ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से निजी विद्यालय आवंटित किए जाएंगे। जिला शिक्षा केंद्र द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार 9 मार्च 2026 से आरटीई पोर्टल पर निजी स्कूलों और उपलब्ध सीटों का प्रदर्शन शुरू हो गया है। ऑनलाइन आवेदन और त्रुटि सुधार की प्रक्रिया 13 मार्च से 28 मार्च 2026 तक चलेगी, जबकि दस्तावेजों का सत्यापन 14 मार्च से 30 मार्च 2026 तक किया जाएगा। पात्र विद्यार्थियों को 2 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से स्कूल आवंटित किए जाएंगे। इसके बाद चयनित विद्यार्थियों का प्रवेश संबंधित स्कूलों में 3 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 के बीच कराया जाएगा। श्री जीपी बर्मन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर अपने बच्चों को इस योजना का लाभ दिलाएं। प्रवेश से संबंधित पात्रता, आवश्यक दस्तावेज और अन्य विस्तृत जानकारी आरटीई पोर्टल के साथ-साथ जिला शिक्षा केंद्र, बीआरसी कार्यालय एवं जनशिक्षा केंद्रों के सूचना पटल पर भी उपलब्ध कराई गई है।

हल्बा कोष्टि समाज का होली मिलन समारोह संपन्न

विभिन्न खेल प्रतियोगिता एवं बुजुर्गों का सम्मान हुआ आयोजित

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर के श्री राम मंदिर में हल्बा कोष्टि समाज संगठन के तत्वाधान में होली मिलन समारोह एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुरुषोत्तम ड़ेकाटे के मुख्य आतिथ्य ,राजेंद्र कोहाड़ ,शिवा लिमजे ,विजय नंदनवार, मदनलाल धार्मिक ,प्रमोद डेकाटे, श्रीमती पुष्पा डेकाटे ,श्रीमती छाया कुंभारे ,श्रीमती अर्पण कुंभारे ,श्रीमती राजश्री गोन्नाडे ,श्रीमती मीणा नंदनवार ,श्रीमती वैशाली पात्रे, शिवशंकर पराते ,साबू हेडाऊ सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। इस दौरान उपस्थित जनों के द्वारा समाज की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए समाज की उन्नति और सामाजिक साथियों की प्रगति के विषय पर विचार विमर्श कर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। तत्पश्चात दो नाट्यमंचन किए गए जिसमें पहला नाटक नशा मुक्ति अभियान को लेकर हुआ जिसमें समाज के लोगों को नशे से दूर रहने और नशे को त्यागने के लिए जागरूक किया गया। वहीं दूसरा नाटक महिला दिवस पर आधारित भ्रूण हत्या को लेकर किया गया जिसमें गर्भ में पल रही बालिकायें का गर्भपात की जगह बालिकाओं को जन्म देने और उनके पालन पोषण करने के साथ बालक और बालिकाओं में कोई अंतर नहीं है इस विषय पर लोगों को जागरूक किया गया। तत्पश्चात ब'चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य, गीत एवं महिलाओं की कुर्सी दौड़, गीत की धुन पहचानो प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें बालक बालिकाओं के द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। वहीं अंत में समाज के वरिष्ठ बुजुर्गों में 10 महिला और 20 पुरुषों का शाल श्रीफल से सम्मान कर विभिन्न प्रतियोगिता में मनमोहक प्रस्तुति देने वाले बालक बालिकाओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद आर्केस्ट्रा का प्रारंभ हुआ जिसमें देर रात तक सामाजिक बंधुओं के द्वारा मनमोहक गीतों का आनंद लिया गया। इसी के साथ एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं भी दी जाती रही। इस अवसर पर किशोर डेकाटे ,आशुतोष कोहाड ,सुदेश धार्मिक ,प्रणय धार्मिक ,समृद्ध कुंभारे ,संजय नंदनवार ,खेमेन्द्र धार्मिक, सोनू धार्मिक ,मनीष नंदनवार ,अनूप बोकडे, शुभम पौनिकर ,गुंजन नीनावे ,गोपाल नंदनवार ,तुकाराम लिमजे सहित स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

पराली की आग पहुंची आरा मील दमकल ने पाया काबू

लकड़ी सहित लट्ठे में लगी आग बड़ी दुर्घटना टली

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वारासिवनी खंडवा मार्ग पर उच्च स्तरीय पुल के पहले टर्निंग पर स्थित पारवे आरा मिल में 9 मार्च की दोपहर करीब 1.30 बजे आगजनी की घटना घटित हो गई। यह आराम मिल परेश पारवे की है जिसमें किसान के द्वारा खेतों में लगाई गई आग से आगजनी होना बताया जा रहा है। हालांकि समय रहते दमकल वाहन के द्वारा आग पर काबू पा लिया गया मौके पर बड़ी आगजनी होने से बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी कटंगी मार्ग से एक मार्ग खंडवा के लिए निकलता है। जिस पर उ'च स्तरीय पुल का निर्माण हाल ही में किया गया है उक्त पुल के पहले कुछ आरा मिल बनी हुई है जहां पर लकड़ी चिराई का कार्य किया जाता है। वहीं आसपास कृषि क्षेत्र लगा हुआ है जहां परेश पारवे की आरा मिल के पास में भी खेत लगा हुआ है। जहां पर किसानो के द्वारा फसल कटाई करने के बाद नई फसल लगाने की तैयारी करने के लिए पूरे खेत में पैरा बिछाकर फसल की लगी हुई खूंटी को जलाने का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान यह आग खेत में दहकते हुए आरा मिल तक पहुंच गई जिसमें मिल की बाउंड्री वॉल जो लकड़ी की बनी थी वह जलकर राख हो गई तो वहीं आरा मिल में रखी लकड़ी एवं लट्ठे सहित लकड़ी के भूसे ने भी आग पकड़ ली। जो तेजी से जलने लगे यह देखने के बाद उपस्थित लोगों में हाहाकार मच गया और उपस्थित साधनों से आग को रोकने का कार्य किया जाता रहा। तो वहीं तत्काल नगर पालिका परिषद वारासिवनी के दमकल विभाग को इसकी सूचना दी गई। जिस पर फायर ब्रिगेड तत्काल मौके पर पहुंची जहां दमकल कर्मचारियों के द्वारा कड़ी मशक्कत कर पानी के छिड़काव के माध्यम से आग को बुझाने का कार्य किया गया। जिसमें कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया। ज्ञात हो की उक्त स्थान पर आसपास में और भी आरा मिल स्थित है यदि इस आगजनी पर समय रहते ध्यान नहीं दिया जाता तो एक बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी। परंतु उपस्थित जनों और दमकल की सहायता से बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शी फिरोज खान ने बताया कि मैं कमरे में आराम कर रहा था तभी हमारे कर्मचारियों ने बताया कि सामने आग लगी है। मैं बाहर निकल कर देखा और जितना मेरे से बन सका दो बाल्टी पानी लेकर गया और आग बुझाने का प्रयास किया। मौके पर आरा मिल मालिक पारवे के द्वारा दमकल को सूचना दी गई। यहां आरा मिल के पास में खेत मौजूद है जहां पर आग लगाई जाती है। यह अभी पूरे एरिया में फैली इससे एक बड़ा नुकसान हो सकता था परंतु हुआ नहीं।

प्राथमिक और माध्यमिक कक्षा की वार्षिक परीक्षा प्रारंभ

चार कक्षा के 4876 परीक्षार्थियों ने हल किया पेपर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं की स्थानीय वार्षिक परीक्षा 9 मार्च से प्रारंभ की गई। इसमें कक्षा तीसरी ,चौथी, छठवीं और सातवीं के लिए परीक्षा केंद्र संबंधित स्कूल को ही बनाया गया। जहां विद्यार्थियों के द्वारा परीक्षा के निर्धारित समय पर उपस्थित होकर प्रश्न पत्र हल किया गया। इस दौरान सभी विद्यार्थियों के द्वारा प्रथम भाषा का प्रश्न पत्र हल किया गया। जिसमें हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों ने हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी का पेपर दिया। इस परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला जो अपना पेड़ पेन और पानी बोतल लेकर परिजनों के साथ या स्वयं स्कूल पहुंचे। जहां उन्होंने सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक पेपर हल किया। इसमें कक्षा तीसरी के कुल दर्ज परीक्षार्थी 1049,कक्षा चौथी के कुल दर्ज परीक्षार्थी 1036, कक्षा छठवीं के कुल दर्ज परीक्षार्थी 1303 एवं कक्षा सातवीं के कुल दर्ज परीक्षार्थी 1488 यानी कुल दर्ज 4876 परीक्षार्थियों के द्वारा शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में उपस्थित होकर पेपर हल किया गया। यह परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न की गई जिसमें उड़न दस्ते के रूप में जन शिक्षा केंद्र प्रभारी एवं जन शिक्षकों के द्वारा परीक्षा केन्द्रो का निरीक्षण कर व्यवस्था एवं परीक्षा के संचालन का जायजा लिया गया।

इन प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों की स्थानीय परीक्षा के साथ उक्त विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कार्य भी प्रारंभ किया गया। ताकि परीक्षा के उपरांत स्थानीय स्तर पर जल्द परीक्षा परिणाम दिए जा सके। बीआरसी सत्येंद्र शरणागत ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं के बाद कक्षा 9वीं और 11 वीं की बोर्ड पैटर्न में परीक्षा प्रारंभ की गई थी। इसी कड़ी में अब स्थानीय कक्षाओं में कक्षा तीसरी, चौथी ,छठवीं एवं सातवीं की परीक्षा प्रारंभ कर दी गई है। जिसमें परीक्षा केंद्र उनके स्कूल को ही बनाया गया है जहां विद्यार्थियों के द्वारा आसानी से उपस्थित होकर उत्साह के साथ पेपर हल किया जा रहा है। इस दौरान इन चारों कक्षाओं में करीब 4876 परीक्षार्थी दर्ज है और संभवत सभी के द्वारा परीक्षा केन्द्रो में उपस्थित होकर पेपर हल किया गया है। परीक्षा का पहला दिन था तो प्रथम भाषा का पेपर सभी विद्यार्थियों ने हल किया है। इसी के साथ उनके उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन भी प्रारंभ किया जा रहा है यह परीक्षा सभी केन्द्रो में शांतिपूर्वक संपन्न की गई है।

14 दिन से लापता व्यक्ति का फांसी पर लटका मिला शव

पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा कार्यवाही कर जांच की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा में उस समय सनसनी फैल गयी जब कोस्ते नाले के पास पेड़ में फांसी पर लटका अज्ञात शव देखा गया। इस शव को पुलिस ने बरामद कर इसकी शिनाख्त 14 दिनों से लापता व्यक्ति मनीराम सहारे के रूप में की गयी जिसकी थाने में गुम कायमी दर्ज हैं। उक्त शव बहुत ज्यादा डीकंपोज हो चुका था पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्यवाही कर शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। वहीं मामले में मर्ग क्रमांक 15/26 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत प्रकरण तैयार कर जांच प्रारंभ कर दी है।

यह है मामला

वर्तमान में खेती किसानी का कार्य चल रहा है किसानों का खेत बाड़ी आना जाना लगा हुआ है। ऐसे ही कोस्ते नाला के समीप खेतों की तरफ ग्राम के किसान गए हुए थे। जहां उन्होंने देखा कि रमेश पटेल के खेत के पास पेड़ पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव फांसी पर लटका हुआ हैं। यह देख कर घटना की सूचना ग्राम में दी गई जिसकी सूचना से ग्राम लोगों में सनसनी फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। जिसकी जानकारी वारासिवनी पुलिस को लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पेड़ पर लटके शव को नीचे उतर कर उसकी शिनाख्त प्रारंभ की गई। जिसमें उपस्थित लोगों से पूछताछ की जाती रही परंतु कोई उसे पहचान नहीं पाया क्योंकि उक्त शव बहुत 'यादा खराब डी कम्पोज हो गया था जो करीब 12 दिन पुराना बताया जा रहा है। ऐसे में फांसी पर शव मिलने की सूचना पर सुनील पिता रामलाल एसने उम्र 35 वर्ष निवासी वार्ड नं.7 पटेलटोला सिकन्द्रा भी मौके पर पहुंचे जिन्होंने परिजनों की उपस्थिति में अज्ञात शव की शिनाख्त अपने मामा मनीराम पिता स्व. जेतराम सहारे उम्र 55 वर्ष निवासी वार्ड नं.7 पटेलटोला सिकन्द्रा के रूप में की। जिसके बाद परिजनों की उपस्थिति में पुलिस के द्वारा आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर मौका निरीक्षण कर शव को सुरक्षित सिविल अस्पताल परिसर स्थित शव विच्छेदन गृह में लाया गया। जहां पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं पुलिस के द्वारा घटना में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। वहीं इस घटना में मौत का कारण जांच एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही स्पष्ट होने की बात कहीं जा रही है।

23 फरवरी से लापता था मेरा मामा जो फांसी पर लटका मिला-सुनील एसने

प्रार्थी सुनील एसने ने पुलिस को बताया कि मैं ग्राम सिकन्द्रा पटेलटोला रहता हूँ एंव मजदूरी का काम करता हूँ। मृतक मनीराम सहारे मेरे मामा है यह मजदूरी हमाली का काम करते थे जो 23 फरवरी की सुबह करीबन 5 बजे से घर से लापता थे। यह अपने साथ अपना मोबाईल फोन भी लेकर गये थे जो लापता होने के बाद से बंद हो गया था। उनकी गुम होने की सूचना हमने थाना वारासिवनी को दिये थे जिनकी हम लगातार तलाश कर रहे थे। 8 मार्च को हमे सूचना मिली की हमारे गांव के कोस्ते नाला के पास एक आदमी का शव पेड़ पर लटका हुआ है। तब हम आकर देखे तो पेड़ पर लटका हुआ आदमी मेरा मामा मनीराम सहारे है जो अपनी किसी व्यक्तिगत परेशानी के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या किया होगा।

एक संवैधानिक चिंता

भारतीय स्वतंत्रता के अब तक के इतिहास में संभवत: यह पहला अवसर है, जब किसी राज्य के संवैधानिक शीर्ष पदाधिकारियों ने राष्ट्र प्रमुख अर्थात् महामहिम राष्ट्रपति जी के 'प्रोटोकॉल' की अनदेखी की हो? यह हुआ है उस राज्य में जहां की मुख्यमंत्री अपने आपको सभी संवैधानिक मर्यादाओं और कानूनों से ऊपर मानती है, यह राज्य पश्चिम बंगाल और उसकी मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी है, जिन्होंने पिछले दिनों महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की संवैधानिक बैइज्जती की और अपने राज्य में उन्हें वह कानूनी सम्मान नही दिया जो राष्ट्रपति को गरिमा के अनुकूल जरूरी था और तभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी को कहना पड़ा कि "ममता सरकार ने सारी हदें पार कर दी और राष्ट्रपति को यह कहाकर अपने आपकों संतुष्ट करना पड़ा कि वे बंगाल की बेटी है और वह राज्य उनका 'घर' है।"

पिछले दिनों राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल के अधिकारिक सरकारी दौरे पर थी और वहां उन्हें कई कार्यक्रमों में भाग लेना था, लेकिन वही न सिर्फ वक्त पर कार्यक्रम स्थल बदले गए, बल्कि मुख्यमंत्री व उनके मंत्री मंडल के सदस्यों ने भी राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की पूरी उपेक्षा की और उनमें शामिल नश्ही हुए, यही नही राष्ट्रपति के कलकत्ता पहुंचने पर मुख्यमंत्री द्वारा उनकी अगवानी भी नही की गई। अब तक के स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहली बार हुआ है और जब ममता सरकार की इस उपेक्षा से राष्ट्रपति दु:खी हुई, तो ममता ने उनके दु:ख को 'राजनीति' की संज्ञा दे दी। यह व्यवहार किसी भी प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर विराजित राजनेता के लिए पूरी तरह अशोभनीय व राजनीति के नाम पर कलंक ही कहा जायेगा और प्रधानमंत्री को यह कहना पड़ा कि अब तक के भारतीय इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मूजी पिछले दिनों पश्चिम बंगाल के दौरे पर थी और वहां की स्थिति का आंकलन कर वे काफी दु:खी भी हुई। पश्चिम बंगाल सरकार ने सिर्फ उनके कार्यक्रमों की उपेक्षा की, बल्कि एनवक्त पर कार्यक्रम स्थल भी बदले गए, जिसके प्रति राष्ट्रपति ने नाराजी भी व्यक्त की।

दरअसल राष्ट्रपति जी नौवें अन्तर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में भाग लेने के लिए कोलकाता गई थी, मूल रूप से यह कार्यक्रम सिलीगुड़ी में प्रस्तावित था, लेकिन सुरक्षा कारणों का हवाला देकर प्रशासन ने इसे बागडोगरा एयरपोर्ट के पास गोपालपुर में स्थानांतरित कर दिया, राष्ट्रपति जब कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची तो वहां काफी सीमित संख्या में लोग उपस्थित थे, न वहां मुख्यमंत्री थी और न ही उनके मंत्रीमंडल का कोई सदस्य, सिलीगुडी के मेयर ने राष्ट्रपति का कोई स्वागत किया, इससे राष्ट्रपति ने अपने आपको काफी अपमानित महसूस किया और इसी मुड में राष्ट्रपति ने आदिवासियों से जुड़े कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें राष्ट्रपति को यह कहना पड़ा कि- "पश्चिम बंगाल सरकार नही चाहती कि आदिवासियों का भला हो।"

वास्तव में ममता जी के इस तरह के कथन से यह स्पष्ट हो रहा था कि वे राष्ट्रपति के भाषण में राजनीति खोज रही है, तभी ममता ने यह भी कहा दिया कि- "राष्ट्रपति पहले भाजपा शासित राज्यों की हालत देखें, फिर पश्चिम बंगाल पर टिप्पणी करें"।

इस प्रकार कुल मिलाकर महामहिम राष्ट्रपति जी का पश्चिम बंगाल का दौरा राजनीति में खोकर

राजनीतिक घृणा की अति और देश की प्रतिष्ठा

लोकतंत्र में असहमति और आलोचना को एक स्वस्थ परंपरा माना जाता है। सत्ता में बैठी सरकार, उसके निर्णयों और उसके नेतृत्व पर सवाल उठाना नागरिकों का अधिकार भी है और लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण भी। लेकिन जब आलोचना की सीमाएँ टूटकर व्यक्तिगत कटाक्ष, उपहास और अपमान तक पहुँच जाती हैं, तब यह केवल राजनीतिक असहमति नहीं रह जाती, बल्कि एक ऐसी मानसिकता का रूप ले लेती है जो लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करती है।

हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में वैचारिक मतभेदों की जगह कटुता और घृणा ने तेजी से स्थान बना लिया है। किसी भी घटना, उपलब्धि या राष्ट्रीय आयोजन को देखने से पहले उसे राजनीतिक चश्मे से परखने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि कई बार देश से जुड़ी उपलब्धियों या आयोजनों को भी कुछ लोग केवल इसलिए तिरस्कार की दृष्टि से देखने लगते हैं क्योंकि उनका संबंध उस नेतृत्व या सरकार से जोड़ दिया जाता है जिससे वे वैचारिक रूप से असहमत होते हैं।

खेल के मैदान को सामान्यत: राजनीति से अलग माना जाता है। खेल में प्रतिस्पर्धा होती है, हार-जीत होती है, लेकिन अंतत: खेल भावना ही सर्वोपरि रहती है। किंतु जब खेल के मंच को भी राजनीतिक कटाक्ष और व्यक्तिगत टिप्पणियों का माध्यम बना दिया जाए, तो यह खेल की गरिमा और राष्ट्रीय भावना दोनों को आहत करता है। क्रिकेट जैसे खेल, जो भारत में करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा है, उसे भी जब राजनीतिक तंज का विषय बना दिया जाता है तो यह प्रवृत्ति चिंताजनक प्रतीत होती है।

विडंबना यह है कि जिस स्टेडियम के नाम को लेकर कुछ लोगों ने व्यंग्य और कटाक्ष का सहारा लिया, उसी मैदान पर भारत ने विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। यह घटना केवल खेल की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक रूप से भी बहुत कुछ कहती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि क्षणिक राजनीतिक टिप्पणियाँ और नकारात्मक बयानबाजी अंतत: वास्तविक उपलब्धियों के सामने टिक नहीं पातीं।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में यह स्वाभाविक है कि सभी लोग एक ही राजनीतिक विचारधारा से सहमत नहीं होंगे। कोई भी नेता या सरकार आलोचना से परे नहीं हो सकती। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि आलोचना तथ्यों, तर्कों और मर्यादा के आधार पर हो। जब आलोचना का स्वरूप गिरकर केवल व्यंग्य, अपमान और उपहास तक सीमित हो जाता है, तब वह लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को कम कर देता है।

सोशल मीडिया के विस्तार ने इस समस्या को और भी जटिल बना दिया है। आज हर व्यक्ति के पास अपनी राय व्यक्त करने का मंच है। यह लोकतांत्रिक दृष्टि से सकारात्मक भी है, क्योंकि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नया विस्तार मिला है। लेकिन इसके साथ ही यह भी देखने में आता है कि कई बार बिना तथ्य जाँचे, बिना गंभीरता से सोचे लोग ऐसी टिप्पणियाँ कर देते हैं जो अनावश्यक विवाद और कटुता को जन्म देती हैं। कई बार लोग केवल किसी समूह विशेष को खुश करने या भीड़ का हिस्सा बनने के लिए ऐसी भाषा का प्रयोग करने लगते हैं जो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कही जा सकती।

राजनीतिक संवाद में भाषा की मर्यादा का विशेष महत्व होता है। शब्द केवल विचार व्यक्त नहीं करते, बल्कि समाज के वातावरण को भी प्रभावित करते हैं। जब सार्वजनिक जीवन में प्रयुक्त भाषा लगातार कठोर और अपमानजनक होती जाती है, तो उसका प्रभाव समाज के सामान्य व्यवहार पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे असहमति को दुश्मनी और आलोचना को अपमान समझने की प्रवृत्ति बढ़ने लगती है।

भारतीय राजनीतिक परंपरा में व्यंग्य और कटाक्ष की अपनी एक जगह रही है, लेकिन इसके साथ एक प्रकार का संतुलन और मर्यादा भी दिखाई देती थी। आज स्थिति कई बार ऐसी दिखाई देती है जहाँ शब्दों की तीव्रता और भाषा की कठोरता संवाद की संभावनाओं को ही समाप्त कर देती है। इससे समाज में अनावश्यक तनाव और विभाजन की स्थिति पैदा होती है।

इस संदर्भ में यह समझना भी आवश्यक है कि किसी भी लोकतंत्र में स्वस्थ आलोचना अनिवार्य होती है। यदि सरकार या नेतृत्व से कोई भूल होती है तो उसकी आलोचना होना स्वाभाविक है। मीडिया, बुद्धिजीवी और आम नागरिकों का यह दायित्व है कि वे सत्ता से सवाल पूछें। लेकिन आलोचना का उद्देश्य सुधार होना चाहिए, न कि केवल अपमान या उपहास।

आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह स्वस्थ आलोचना और अनावश्यक घृणा के बीच अंतर को

समझे। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की स्वाभाविक विशेषता हैं, लेकिन यदि ये मतभेद सामाजिक विभाजन का कारण बनने लगें तो यह स्थिति चिंता का विषय बन जाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम असहमति को सम्मानजनक संवाद के रूप में स्वीकार करें, न कि उसे व्यक्तिगत आक्रमण का माध्यम बना दें।

समाज के जागरूक वर्ग—जैसे लेखक, पत्रकार, शिक्षाविद और बुद्धिजीवी—इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सार्वजनिक विमर्श का स्तर गिरने न पाए। तर्क, तथ्य और मर्यादा के साथ अपनी बात रखने की परंपरा को मजबूत करना ही लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा योगदान हो सकता है।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि राजनीतिक सत्ता स्थायी नहीं होती। समय के साथ सरकारें बदलती रहती हैं, नेता आते-जाते रहते हैं और परिस्थितियाँ भी बदलती रहती हैं। लेकिन राष्ट्र की प्रतिष्ठा और उसकी गरिमा स्थायी होती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक विवाद या असहमति में हमें इस मूल तथ्य को नहीं भूलना चाहिए कि अंतत: हम सभी एक ही देश के नागरिक हैं और उसकी प्रतिष्ठा हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम राजनीतिक बहसों को अधिक परिपक्व और जिम्मेदार बनाएं। असहमति को शत्रुता में बदलने के बजाय उसे विचारों के स्वस्थ आदान-प्रदान का माध्यम बनाएं। आलोचना करें, लेकिन तर्क और तथ्य के आधार पर करें। व्यंग्य करें, लेकिन उसकी मर्यादा बनाए रखें। और सबसे महत्वपूर्ण यह कि किसी भी परिस्थिति में देश की प्रतिष्ठा और गरिमा को सर्वोपरि रखें।

लोकतंत्र की असली ताकत केवल चुनावों में नहीं, बल्कि उस संवाद में होती है जो समाज के भीतर निरंतर चलता रहता है। यदि यह संवाद संयमित, तर्कपूर्ण और सम्मानजनक होगा तो लोकतंत्र मजबूत होगा। लेकिन यदि यह संवाद घृणा, उपहास और कटुता से भर जाएगा, तो लोकतंत्र की जड़ें कमजोर पड़ने लगेंगी।

अंतत: यह स्मरण रखना होगा कि राजनीतिक टिप्पणियाँ क्षणिक होती हैं, लेकिन राष्ट्र की उपलब्धियाँ इतिहास बन जाती हैं। जिस मैदान को लेकर कभी तंज कसे गए थे, उसी मैदान पर जब भारत विश्व विजेता बनकर खड़ा होता है, तो वह केवल एक खेल की जीत नहीं होती—वह यह भी संदेश देती है कि नकारात्मकता और कटाक्ष से ऊपर उठकर ही देश की असली पहचान बनती है।

सत्ता बदलती रहती है, राजनीतिक समीकरण बदलते रहते हैं, लेकिन देश की प्रतिष्ठा हमेशा सर्वोपरि रहती है। यही कारण है कि हर नागरिक का यह दायित्व है कि वह अपने शब्दों और विचारों के माध्यम से उस गरिमा को बनाए रखने में योगदान दे। जब हम यह समझने लगेंगे कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर राष्ट्रहित है, तभी लोकतंत्र की वास्तविक भावना सुरक्षित रह सकेगी।

- डॉ. प्रियंका सौरभ

पुण्यतिथि10 मार्च 26 पर विशेष

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले की महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में भूमिका

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले एक जानी-मानी भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और कवि थीं, जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में महिलाओं की शिक्षा और उन्हें मज़बूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय की कुछ पढ़ी-लिखी महिलाओं में गिनी जाने वाली सावित्रीबाई को अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ पुणे के भिड़े वाडा में पहला लड़कियों का स्कूल खोलने का क्रेडिट दिया जाता है। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ाने और उनकी आज़ादी के लिए बहुत कोशिश की, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ़ कैंपेन चलाया और विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की। महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन की एक जानी-मानी हस्ती, उन्हें बी. आर. अंबेडकर और अन्नाभाऊ साठे जैसे लोगों के साथ दलित मांग जाति का आइकॉन माना जाता है। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ़ कैंपेन चलाया और जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को खत्म करने में एक्टिव रूप से काम किया। सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को ब्रिटिश इंडिया के नायगांव (अभी सतारा ज़िले में) में एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवेशे पाटिल था और उनकी सबसे बड़ी बेटी लक्ष्मी थीं। उन दिनों लड़कियों की शादी जल्दी कर दी जाती थी, इसलिए आम रीति-रिवाजों के हिसाब से, 9 साल की सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 साल के ज्योतिराव फुले से कर दी गई। ज्योतिराव आगे चलकर एक विचारक, लेखक, सोशल एक्टिविस्ट और जाति-विरोधी समाज सुधारक बने। उन्हें महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन के जाने-माने लोगों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की पढ़ाई शादी के बाद शुरू हुई। उनके पति ने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया, जब उन्होंने उनकी सीखने और खुद को शिक्षित करने की इच्छा देखी। उन्होंने एक नॉर्मल स्कूल से तीसरे और चौथे साल की परीक्षा पास की और पढ़ाने का शौक रखने लगीं। उन्होंने अहमदनगर में सुश्री फरार इंस्टीट्यूशन से ट्रेनिंग ली। ज्योतिराव सावित्रीबाई के सभी सामाजिक कामों में मज़बूती से उनके साथ खड़े रहे। पुणे (उस समय पूना) में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी स्कूल ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने 1848 में शुरू किया था, जब सावित्रीबाई अभी टीनएज में थीं। हालाँकि इस कदम के लिए उन्हें परिवार और समाज दोनों से अलग-थलग कर दिया गया था, लेकिन इस पक्के इरादे वाले जोड़े को उनके एक दोस्त उस्मान शेख और उनकी बहन फातिमा शेख ने पनाह दी, जिन्होंने फुले जोड़े को स्कूल शुरू करने के लिए अपनी जगह भी दी। सावित्रीबाई स्कूल की पहली टीचर बनीं। ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाद में मांग और महार जातियों के बच्चों के लिए स्कूल शुरू किए, जिन्हें अछूत माना जाता था। 1852 में तीन फुले स्कूल चल रहे थे। उस साल 16 नवंबर को, ब्रिटिश सरकार ने फुले परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि सावित्रीबाई को बेस्ट टीचर चुना गया। उस साल उन्होंने महिलाओं में उनके अधिकारों, सम्मान और दूसरे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से महिला सेवा मंडल भी शुरू किया। वह विधवाओं के सिर मुंडवाने के मौजूदा रिवाज का विरोध करने के लिए मुंबई और पुणे में नाइयों की हड़ताल कराने में सफल रहीं। फुले दंपत्ति द्वारा चलाए जा रहे तीनों स्कूल 1858 तक बंद हो गए। इसके कई कारण थे, जिनमें 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद प्राइवेट यूरोपियन डोनेशन का सूख जाना, करिकुलम पर मतभेद के कारण स्कूल मैनेजमेंट कमेटी से ज्योतिराव का इस्तीफा और सरकार से सपोर्ट वापस लेना शामिल था। हालात से हारे बिना ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने फातिमा शेख के साथ मिलकर दबे-कुचले समुदायों के लोगों को भी पढ़ाने का जिम्मा उठाया। इतने सालों में, सावित्रीबाई ने 18 स्कूल खोले और अलग-अलग जातियों के बच्चों को पढ़ाया। सावित्रीबाई और फातिमा शेख ने महिलाओं के साथ-साथ दबी-कुचली जातियों के दूसरे लोगों को भी पढ़ाना शुरू किया। यह बात कई लोगों को अच्छी नहीं लगी, खासकर पुणे की ऊंची जाति के लोगों को, जो दलितों की पढ़ाई के खिलाफ थे। सावित्रीबाई और फातिमा शेख को वहां के लोगों ने धमकाया और उन्हें समाज में परेशान और बेइज्जत भी किया गया। जब सावित्रीबाई स्कूल की तरफ जाती थीं, तो उन पर गोबर, कीचड़ और पत्थर फेंके जाते थे। हालांकि, ऐसे ज़ुल्म भी पक्के इरादे वाली सावित्रीबाई को उनके मकसद से रोक नहीं पाए और वह दो साड़ियां साथ रखती थीं। सावित्रीबाई और फातिमा शेख के साथ बाद में सगुना बाई भी जुड़ गईं, जो आखिरकार एजुकेशन मूवमेंट में एक लीडर बन गईं। इस बीच, 1855 में फुले दंपत्ति ने किसानों और मजदूरों के लिए एक नाइट स्कूल भी खोला ताकि वे दिन में काम कर सकें और रात में स्कूल जा सकें। स्कूल छोड़ने वालों की संख्या को रोकने के लिए, सावित्रीबाई ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए स्टाइपेंड देने की प्रैक्टिस शुरू की। वह जिन छोटी लड़कियों को पढ़ाती थीं, उनके लिए वह एक प्रेरणा बनी रहीं। उन्होंने उन्हें लिखने और पेंटिंग जैसी एक्टिविटीज़ करने के लिए हिम्मत दी। सावित्रीबाई की एक स्टूडेंट मुक्ता साल्वे का लिखा एक निबंध उस समय दलित फेमिनिज़्म और लिटरेचर का चेहरा बन गया। उन्होंने पेरेंट्स को शिक्षा के महत्व के बारे में अवेयर करने के लिए रेगुलर इंटरवल पर पेरेंट-टीचर मीटिंग कीं ताकि वे अपने बच्चों को रेगुलर स्कूल भेजें। 1863 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने भी शुरू किया 'बालहत्या रोकथाम गृह' नाम का एक केयर सेंटर, शायद भारत में बना पहला शिशु हत्या रोकथाम गृह था। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि गर्भवती ब्राह्मण विधवाएं और रेप पीड़ित अपने बच्चों को सुरक्षित जगह पर जन्म दे सकें, जिससे विधवाओं की हत्या को रोका जा सके और शिशु हत्या की दर भी कम हो सके। 1874 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई, जो वैसे नि:संतान थे, ने काशीबाई नाम की एक ब्राह्मण विधवा से एक बच्चा गोद लिया, जिससे समाज के प्रगतिशील लोगों को एक मज़बूत संदेश मिला। गोद लिया हुआ बेटा, यशवंतराव, बड़ा होकर डॉक्टर बना। ज्योतिराव ने विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की, वहीं सावित्रीबाई ने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ़ बहुत मेहनत की। ये दो सबसे सेंसिटिव सामाजिक मुद्दे थे जो धीरे-धीरे महिलाओं के वजूद को कमज़ोर कर रहे थे। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ा-लिखाकर और उन्हें मज़बूत बनाकर मुख्यधारा में लाने की भी कोशिश की और उनकी दोबारा शादी की भी वकालत की। इन कोशिशों का रूढ़ीवादी ऊँची जाति के समाज ने कड़ा विरोध भी किया।उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर छुआछूत और जाति व्यवस्था को खत्म करने, निचली जातियों के लोगों के लिए बराबर अधिकार दिलाने और हिंदू पारिवारिक जीवन में सुधार लाने की कोशिशों में साथ दिया। इस जोड़े ने अपने घर में अछूतों के लिए एक कुआँ खोला, उस ज़माने में जब अछूत की परछाई भी अपवित्र मानी जाती थी और लोग प्यासे अछूतों को पानी देने से भी हिचकिचाते थे। वह ज्योतिराव द्वारा 24 सितंबर, 1873 को पुणे में शुरू किए गए 'सत्यशोधक समाज' नाम के एक सोशल रिफॉर्म सोसाइटी से भी जुड़ी थीं। समाज का मकसद, जिसमें मुस्लिम, गैर-ब्राह्मण, ब्राह्मण और सरकारी अधिकारी मेंबर के तौर पर शामिल थे, महिलाओं, शूद्रों, दलितों और दूसरे कमज़ोर लोगों को ज़ुल्म और शोषण से आज़ाद कराना था। इस जोड़े ने समाज में बिना किसी पुजारी या दहेज के कम खर्च में शादियां कीं। ऐसी शादियों में दूल्हा और दुल्हन दोनों ने शादी की कसमें खाईं। सावित्रीबाई ने इसके महिला सेक्शन की हेड के तौर पर काम किया और 28 नवंबर, 1890 को अपने पति की मौत के बाद, वह समाज की चेयरपर्सन बन गईं। सावित्रीबाई ने अपनी आखिरी सांस तक समाज के ज़रिए अपने पति के काम को आगे बढ़ाया। 1876 से शुरू हुए अकाल के दौरान उन्होंने और उनके पति ने बिना डरे काम किया। उन्होंने न सिर्फ़ अलग-अलग इलाकों में मुफ़्त खाना बांटा, बल्कि महाराष्ट्र में 52 मुफ़्त फ़ूड हॉस्टल भी शुरू किए।

भारत की औद्योगिक सुरक्षा का सशक्त प्रहरी सीआईएसएफ

भारत के विकास की गति केवल आर्थिक योजनाओं और औद्योगिक विस्तार से तय नहीं होती बल्कि उन संस्थानों की सुरक्षा से भी तय होती है जो देश की आर्थिक शक्ति के आधार हैं। किसी भी राष्ट्र की प्रगति तभी स्थायी और सुरक्षित हो सकती है जब उसके महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान पूरी तरह सुरक्षित हों। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की स्थापना की गई। यह बल आज देश की औद्योगिक संरचना की सुरक्षा का सबसे मजबूत आधार बन चुका है और राष्ट्रीय विकास को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सीआईएसएफ का स्थापना दिवस प्रतिवर्ष 10 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन उन हजारों जवानों के साहस अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को सम्मान देने का अवसर है जो देश के महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2025 में 56वाँ स्थापना दिवस तमिलनाडु के थक्कोलम में आयोजित किया गया जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सीआईएसएफ की स्थापना 10 मार्च 1969 को संसद द्वारा पारित कानून के अंतर्गत की गई थी। उस समय देश में सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की आवश्यकता तेजी से महसूस की जा रही थी। प्रारंभ में इस बल में केवल तीन बटालियन और लगभग 2800 कर्मी थे। उस समय इसकी भूमिका सीमित थी लेकिन इसका उद्देश्य स्पष्ट था कि देश की औद्योगिक और रणनीतिक संपत्तियों को सुरक्षित रखा जाए।

समय के साथ भारत के औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ और उसके साथ ही सीआईएसएफ की जिम्मेदारियाँ भी बढ़ती चली गईं। आज यह बल लगभग दो लाख कर्मियों की शक्ति के साथ देश के सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा संगठनों में शामिल हो चुका है। यह बल देश के 70 से अधिक हवाई अड्डों और सैकड़ों महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात है। इसकी कार्यक्षमता और अनुशासन के कारण इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र का एक मजबूत स्तंभ माना जाता है।

सीआईएसएफ की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना है। भारत के पेट्रोलियम संयंत्र इस्पात उद्योग कोयला खदान और ऊर्जा केंद्र देश की आर्थिक रीढ़ हैं। इन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इन पर किसी भी प्रकार का खतरा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। सीआईएसएफ के प्रशिक्षित जवान इन क्षेत्रों में चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संभावित खतरे को रोकने का कार्य करते हैं। यह बल देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों की सुरक्षा भी करता है। ऐसे संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा और वैज्ञानिक प्रगति के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। सीआईएसएफ आधुनिक निगरानी प्रणाली तकनीकी उपकरणों और विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से इन संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। हवाई अड्डों की सुरक्षा में भी सीआईएसएफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विमानन क्षेत्र में सुरक्षा सबसे संवेदनशील विषयों मंष से एक है क्योंकि यह सीधे लाखों यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा होता है। सीआईएसएफ के जवान यात्रियों की जांच सामान की स्कैनिंग और परिसर की निगरानी जैसे कार्यों को अत्यंत सावधानी और अनुशासन के साथ निभाते हैं। इसी प्रकार मेट्रो रेल नेटवर्क की सुरक्षा भी सीआईएसएफ की जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत के कई महानगरों में लाखों लोग प्रतिदिन मेट्रो

सेवाओं का उपयोग करते हैं। ऐसी स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। सीआईएसएफ के जवान मेट्रो स्टेशनों और ट्रेनों में सतर्कता के साथ सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करते हैं।

सीआईएसएफ केवल औद्योगिक और परिवहन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि यह देश की सांस्कृतिक धरोहरों और महत्वपूर्ण सरकारी भवनों की सुरक्षा भी करता है। विश्व प्रसिद्ध स्मारक ताजमहल सहित कई ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा में भी सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह बल पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ साथ राष्ट्रीय धरोहरों की रक्षा का कार्य भी करता है।

समय के साथ बदलती सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए सीआईएसएफ ने स्वयं को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाया है। ड्रोन निगरानी डिजिटल सुरक्षा प्रणाली और आधुनिक हथियारों के उपयोग के माध्यम से यह बल अपनी क्षमता को लगातार बढ़ा रहा है। सुरक्षा के क्षेत्र में नई तकनीकों को अपनाने के कारण यह बल आधुनिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बन रहा है।

सरकार ने सीआईएसएफ को हाइब्रिड मॉडल के माध्यम से और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया है। इस मॉडल के अंतर्गत अब निजी औद्योगिक संस्थानों को भी सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे देश के औद्योगिक ढांचे की सुरक्षा और अधिक व्यापक और मजबूत हो सकेगी। सीआईएसएफ के जवानों का प्रशिक्षण भी अत्यंत कठोर और व्यवस्थित होता है। भर्ती प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता को विशेष महत्व दिया जाता है ताकि जवान हर परिस्थिति में सक्षम और सक्रिय रह सकें। नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास के माध्यम से उन्हें आधुनिक सुरक्षा तकनीकों और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार किया जाता है।

देश की आंतरिक सुरक्षा में भी सीआईएसएफ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के साथ समन्वय कर इसने कई अभियानों में सहयोग दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में इस बल की सक्रिय भूमिका ने इसे एक विश्वसनीय सुरक्षा संस्था के रूप में स्थापित किया है।

सीआईएसएफ का आदर्श वाक्य संरक्षण और सुरक्षा है। यह केवल एक नारा नहीं बल्कि बल के प्रत्येक जवान की कार्य भावना का प्रतीक है। सीआईएसएफ के जवान हर परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। उनके साहस अनुशासन और समर्पण के कारण ही देश की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियाँ सुरक्षित रह पाती हैं। भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए औद्योगिक विकास और आर्थिक विस्तार अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में देश के औद्योगिक और रणनीतिक संस्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाला एक मजबूत सुरक्षा बल भी उतना ही आवश्यक है। सीआईएसएफ इस दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह बल न केवल औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है बल्कि राष्ट्रीय विकास को सुरक्षित बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अंतत: यह कहा जा सकता है कि सीआईएसएफ भारत की औद्योगिक सुरक्षा का एक मजबूत स्तंभ है। स्थापना के समय सीमित संसाधनों से शुरू हुआ यह बल आज देश की सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। अनुशासन साहस और समर्पण की भावना से प्रेरित इसके जवान राष्ट्र की सेवा में निरंतर कार्य कर रहे हैं और भारत के विकास को सुरक्षित और स्थिर बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

-कांतिलाल मांडोत

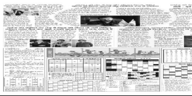

पश्चिम एशिया में युद्ध का असर, कच्चा तेल 114 डॉलर प्रति बैरल के पार

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में भारी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। तेल की सप्लाई और शिपिंग प्रभावित होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत साढ़े तीन साल बाद पहली बार 114 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई। युद्ध के कारण सप्लाई को लेकर बढ़ती अनिश्चितता ने बाजारों में चिंता बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड आयल की कीमत शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज में कारोबार शुरू होने के बाद 107.97 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। वहीं अमेरिकी कच्चा तेल वेस्ट टेक्सेज इंटरमीडियट (डब्ल्यूटीआई) करीब 106.22 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता देखा गया, जो शुक्रवार के बंद भाव 90.90 डॉलर की तुलना में लगभग 16.9 प्रतिशत ज्यादा है। पिछले एक सप्ताह में ही अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत लगभग 36 प्रतिशत और ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत करीब 28 प्रतिशत बढ़ चुकी है। तेल बाजार में उछाल का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता सैन्य तनाव है। खासतौर पर स्ट्रेट आफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से सप्लाई पर दबाव बढ़ गया है। यह समुद्री मार्ग दुनिया की कुल तेल सप्लाई का लगभग 20 प्रतिशत संभालता है और हर दिन करीब 1.5 करोड़ बैरल तेल इसी रास्ते से भेजा जाता है। इरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे के कारण तेल टैंकरों की आवाजाही लगभग रुक गई है। इस रास्ते से सउदी अरबिया, कुबैत, इराक, कतर, बहरीन और यूनाइटेड अरब अमीरात जैसे देशों का तेल और गैस निर्यात होता है। निर्यात में रुकावट के कारण कुछ देशों ने उत्पादन भी कम कर दिया है क्योंकि उनके भंडारण टैंक तेजी से भर रहे हैं। ईरान प्रतिदिन लगभग 16 लाख बैरल तेल निर्यात करता है, जिसमें से अधिकांश चीन को जाता है। यदि यह सप्लाई बाधित होती है तो चीन को अन्य देशों से तेल खरीदना पड़ सकता है, जिससे वैश्विक बाजार में कीमतों पर और दबाव बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तनाव लंबे समय तक बना रहा तो महंगे तेल के कारण दुनिया भर में महंगाई बढ़ सकती है और आर्थिक गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है।

एयर इंडिया बढ़ा रही यूरोप और अमेरिका के लिए अतिरिक्त उड़ानें

नई दिल्ली। एजेंसी। टाटा समूह की एयर इंडिया ने 10 से 18 मार्च के बीच यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने की घोषणा की है। इसमें न्यूयॉर्क (जेएफके), लंदन हीथ्रो, फ्रैंकफर्ट, पैरिस, एम्स्टर्डम और ज्यूरिख शामिल हैं। साथ ही माले और कोलंबो के लिए नई सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। इन उड़ानों से नौ मार्गों पर कुल 17,660 सीटें जुड़ेंगी। इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। कई एयरलाइनों को अपनी उड़ानें रद्द करनी पड़ीं या वैकल्पिक मार्गों से उड़ानें चलानी पड़ीं। एयर इंडिया ने वैकल्पिक और सुरक्षित मार्ग अपनाकर यूरोप और अमेरिका के लिए अपनी सेवाएं जारी रखी हैं। यूरोपीय उड़ानों के लिए बोइंग 787-8 और न्यूयॉर्क की उड़ानों के लिए बोइंग 777-300 ईआर का उपयोग किया जाएगा। इंडिगो ने भी मुंबई-लंदन मार्ग फिर से शुरू किया है, जिसमें नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिया गया बोइंग 787-9 इस्तेमाल हुआ। विमान अफ्रीका और लाल सागर मार्ग से यूरोप पहुंचता है, जिससे उड़ान लगभग 10 घंटे 30 मिनट लंबी हो गई। भारतीय एयरलाइनों के लिए पाकिस्तान-अफगानिस्तान कॉरिडोर बंद है। इसलिए वे सीमित विकल्पों में वैकल्पिक मार्ग अपनाने को मजबूर हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी उड़ानों से ईंधन लागत और संचालन जटिलताएं बढ़ रही हैं।

रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर, पहली बार 92.33 पर आया

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रुपया आज 9 मार्च को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 46 पैसे गिरकर 92.33 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालात के बीच ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी तेजी और डॉलर के मजबूत होने की वजह से रुपए में यह बड़ी गिरावट आई है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि जब तक युद्ध शांत नहीं होता, रुपए पर दबाव बना रह सकता है। इस साल रुपए में अब तक 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। इससे चलते यह 2026 में दुनिया के इमर्जिंग मार्केट्स की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली करेंसी में से एक बन गई है।

रुपया 92.19 पर खुला, लेकिन ट्रेडिंग शुरू होते ही गिरा

रिजर्व बैंक ने पिछले गुरुवार की तरह ही सोमवार को भी बाजार खुलने से पहले हस्तक्षेप किया। इससे रुपया 92.19 के स्तर पर खुला, जो बाजार की उम्मीदों से थोड़ा बेहतर था। लेकिन, जैसे ही ट्रेडिंग शुरू हुई, निवेशकों और तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की खरीदारी तेज हो गई। एक बैंक के करेंसी ट्रेडर ने कहा कि आरबीआई यह मैसेज दे रहा है कि वह बाजार पर नजर रखे हुए है, लेकिन तेल की मौजूदा स्थिति को देखते हुए डॉलर-रुपए के जोड़े को नीचे धकेलना फिलहाल मुश्किल है।

विदेशी निवेशकों के लिए सेफ हेवन बना डॉलर

दुनियाभर के बाजारों में मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण अनिश्चितता का माहौल है। ऐसे में निवेशक जोखिम लेने के बजाय अपना पैसा सुरक्षित माने जाने वाले अमेरिकी डॉलर में लगा रहे हैं। बोफा ग्लोबल रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर यह युद्ध लंबा खिंचता है, तो उन देशों की करेंसी पर सबसे ज्यादा दबाव पड़ेगा, जो तेल आयात पर निर्भर हैं। इसमें भारत और फिलीपींस सबसे ज्यादा संवेदनशील हैं।

अरबों डॉलर का भारतीय माल रास्ते में अटका, 45,000 कंटेनर फंसे

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशियाई संघर्ष के कारण भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की कंपनियों के मुताबिक, लगभग 40,000-45,000 कंटेनर फिलहाल मार्ग में फंसे हैं या अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों पर अटके हुए हैं। इनमें से करीब 80 प्रतिशत समुद्री मार्ग में हैं। इन कंटेनरों में कुल 1ङ्क1.5 अरब डॉलर मूल्य का माल शामिल है, जिसमें बासमती चावल लगभग 4 लाख टन शामिल हैं। शिपिंग कंपनियों ने युद्ध जोखिम अधिभार, आपातकालीन लागत वसूली शुल्क और पीक सीजन शुल्क जैसे अतिरिक्त शुल्क लागू किए हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बढ़ने से भी बाजार टूटा है क्योंकि निवेशकों में भय का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,352.74 अंक करीब 1.71 फीसदी नीचे आकर 77,566.16 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 422.40 अंक फिसलकर 24,028.05 पर बंद हुआ। हालांकि बाजार में निचले स्तरों पर खरीददारी से कुछ रिकवरी हुई। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में गिरावट से शुरुआत हुई। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी

आई, जिसका सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा। बाजार खुलते ही निवेशकों में सतर्कता का माहौल बन गया और भारी बिकवाली देखने को मिली। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स करीब 2,347 अंकों की गिरावट के साथ लगभग 76,571 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी 50 भी लगभग 713 अंकों की गिरावट के साथ 23,736 के आसपास ट्रेड करता दिखा। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आए। गिरावट के बीच सबसे ज्यादा नुकसान इंटरग्लोब एविएशन के शेयर में दर्ज किया गया, जिसमें करीब 7.5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। इसके अलावा टाटा स्टील, लार्सन एंड टर्बो, स्टेट बैंक आफ इंडिया और मारुति सुजुकी के शेयरों में भी तेज गिरावट रही। वहीं एशियन पेंट, अडाणी पोर्ट एंड स्पेशल इकानामी जोन, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंड लिमिटेड और बजाज फाइनेंस भी नुकसान में कारोबार करते दिखे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो लगभग सभी सेक्टर दबाव में रहे। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में देखने को मिली, जो करीब 5.5 फीसदी तक फिसल गया। इसके बाद निफ्टी आटो इंडेक्स में लगभग 4.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वहीं पिछले शुक्रवार शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई।

एआई एजेंट बन सकते हैं सबसे बड़ा साइबर खतरा- साइबर सुरक्षा फर्म

नई दिल्ली। एजेंसी। साइबर सुरक्षा फर्म जीस्केलर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कहा कि देश को स्वदेशी एआई (सॉवरिन एआई) के विकास में लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एआई तकनीक में पाँच साल पीछे रहें, तो यह देश के लिए नुकसानदेह होगा। तीन साल की देरी भी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने जैसा है। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा में तकनीकी समय की देरी सबसे महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पिछड़ी तकनीक के कारण हैकर्स और खतरनाक एजेंट नेटवर्क में आसानी से प्रवेश कर सकते हैं। जय चौधरी ने साइबर खतरों को दो श्रेणियों में बाँटा। पहला, हैकर समूह जो जल्दी पैसा कमाने के लिए हमले करते हैं। दूसरा, देश-स्तरीय एजेंट जो आईपी चोरी और युद्धकालीन फायदे के लिए नेटवर्क में बैकडोर और स्पाइवेयर एम्बेड करते हैं। उन्होंने बताया कि इंटरनेट पर हर खुला पॉइंट अटैक सरफेस बन जाता है। पहले हैकरों को हफ्तों लगते थे, अब एआइ 30 सेकंड में पूरी जानकारी जुटा सकता है। सिलिकन वैली में कार्यालय खोलने से पहले जीस्केलर ने बेंगलुरु में अपना ऑफिस खोला। भारत में कंपनी के लगभग 40 फीसदी कर्मचारी काम करते हैं, जिनमें बेंगलुरु, चंडीगढ़, पुणे और हैदराबाद शामिल हैं। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और ट्रेनिंग टीम का लगभग आधा हिस्सा भारत में है, जो अमेरिका के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा केंद्र बनाता है। जय चौधरी ने सॉवरिन एआई और उन्नत तकनीक के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। उनका कहना है कि भारत को न केवल एआई विकसित करना चाहिए, बल्कि सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए तत्पर भी रहना चाहिए।

मध्य-पूर्व तनाव से कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली। एजेंसी। मध्य-पूर्व में बढ़ते सैन्य तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता के बीच देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े सूत्रों के अनुसार मौजूदा हालात को देखते हुए देश की प्रमुख गैस कंपनियां घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने की दिशा में कदम उठा रही हैं। बताया जा रहा है कि कई स्थानों पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई में कमी देखने को मिल रही है। विशेष रूप से 5, 19 और 425 किलोग्राम वाले जंबो कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने की चर्चा है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठान और औद्योगिक इकाइयों की चिंता बढ़ गई है।

गैस कंपनियों के प्लांट्स पर सिलेंडर भरवाने के लिए वाहनों की लंबी कतारें लगने की जानकारी भी सामने आ रही है। डीलरों का कहना है कि उन्हें सीमित कोटा ही उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके कारण सप्लाई व्यवस्था पर दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से संकेत दिए गए हैं कि घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं की आपूर्ति को हर हाल में सुचारू बनाए रखने के लिए कुछ नए नियम और शर्तें लागू की जा सकती हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक हालात लंबे समय तक तनावपूर्ण बने रहते हैं तो इसका असर व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। ऐसे में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों पर भी दबाव बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि सरकार और ऊर्जा कंपनियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित रखने के प्रयास जारी हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन प्रेम जीवन जी रहे लोगों के लिए काफी अच्छा रहने वाला है। आपके और आपके साथी के बीच समझ और भरोसा पहले से ज्यादा मजबूत होगा, जिससे रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। आप दोनों एक-दूसरे के साथ अच्छा समय बिताएंगे और आपकी बॉन्डिंग भी मजबूत होगी। हालांकि व्यापार से जुड़े लोगों को आज थोड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, जिससे मन में थोड़ी चिंता भी रह सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए खुशियों और संतोष से भरा रहने वाला है। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए आज कोई अच्छी डील फाइनल हो सकती है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपने जो मेहनत की है, उसका अच्छा परिणाम भी आज देखने को मिलेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आप किसी नए घर की खरीदारी करने का विचार बना सकते हैं या इस दिशा में कोई कदम उठा सकते हैं।

मिथुन- आज आप अपने काम और प्रतिभा से कार्यक्षेत्र में लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। आपकी रचनात्मक सोच और नए विचारों की वजह से लोग आपकी सराहना करेंगे। कला और रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी प्रतिभा में भी निखार आएगा। घर के वातावरण की बात करें तो आज किसी अतिथि के आने से घर में खुशी और रौनक बनी रहेगी।

कर्क- आज आपके मन में कुछ उलझनें बनी रह सकती हैं, जिसके कारण आप थोड़ा परेशान महसूस कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में कोई भी निर्णय लेने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार करना जरूरी होगा। परिवार में यदि किसी बात को लेकर विवाद की स्थिति बनती है, तो वह आपकी चिंताओं को बढ़ा सकती है, इसलिए शांत रहकर स्थिति संभालने की कोशिश करें।

सिंह- आज का दिन आपके लिए ऊर्जा और उत्साह से भरा रहने वाला है। नौकरीपेशा लोगों को अपने अच्छे कामों के लिए प्रोत्साहन और सराहना मिल सकती है। निवेश के मामले में भी आज का दिन अनुकूल माना जा रहा है, इसलिए यदि आप शेयर मार्केट या किसी अन्य क्षेत्र में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो वह आपके लिए लाभकारी हो सकता है।

कन्या- आज का दिन आपको समझदारी और सावधानी के साथ आगे बढ़ने की सलाह देता है। यदि आप किसी के साथ साझेदारी में काम करने की सोच रहे हैं, तो पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें। लंबे समय से रुका हुआ कोई काम आज पूरा हो सकता है, जिससे आपके मन को संतोष मिलेगा। स्वास्थ्य के मामले में थोड़ी सतर्कता बरतना जरूरी होगा, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही परेशानी का कारण बन सकती है।

तुला- आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता काफी मजबूत रहेगी और आप सही समय पर सही फैसला लेने में सफल रहेंगे। आप अपनी आय को बढ़ाने के नए अवसरों पर भी ध्यान देंगे और भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाएंगे। हालांकि धन से जुड़ा कोई मामला आपकी चिंता बढ़ा सकता है। संभव है कि आपकी कोई पुरानी गलती भी आज सामने आ जाए, जिससे आपको थोड़ी असहजता महसूस हो।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि लेकर आने वाला है। परिवार में किसी धार्मिक कार्यक्रम या पूजा-पाठ का आयोजन हो सकता है, जिससे घर का वातावरण सकारात्मक और शांत रहेगा। हालांकि काम की अधिकता के कारण आपको थकान भी महसूस हो सकती है। कभी-कभी आपका मनमौजी स्वभाव भी आपको छोटी-मोटी परेशानियों में डाल सकता है, इसलिए थोड़ा संयम बनाए रखना बेहतर रहेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। आप अपने कामों को लेकर काफी प्रेरित और सक्रिय महसूस करेंगे। प्रेम संबंधों में भी एक नई शुरुआत हो सकती है, जो आपके जीवन में खुशी और सकारात्मकता लेकर आएगी। हालांकि स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है, इसलिए अपने शरीर का ध्यान रखना जरूरी होगा।

मकर- आज का दिन आपको जिम्मेदारी के साथ अपने कामों को निभाने की प्रेरणा देता है। यदि आपको कोई पुरानी बीमारी परेशान कर रही थी, तो उसे ठीक करने के लिए आपको गंभीरता से प्रयास करने होंगे। पारिवारिक जीवन में भी आपसी तालमेल बनाए रखना जरूरी रहेगा, तभी घर का वातावरण शांत और सुखद बना रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सामाजिक क्षेत्र में नाम और सम्मान कमाने का अवसर लेकर आएगा। आप समाज से जुड़े कार्यों में सक्रिय रहेंगे और लोगों के बीच आपकी पहचान मजबूत होगी। आर्थिक स्थिति भी पहले से बेहतर बनी रहेगी। यदि प्रेम संबंधों में कुछ समय से कटुता चल रही थी, तो आज उसमें सुधार देखने को मिल सकता है।

मीन- आज का दिन स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है और आप खुद को पहले से अधिक ऊर्जावान महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ आपका भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा और आप दोनों एक-दूसरे की भावनाओं को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। आप दोनों एक-दूसरे की कमियों को स्वीकार करते हुए अपने रिश्ते को और मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

शब्दजाल - 8193

म	अ	बे	ता	ब	ब	आ	खू	ग	ल	मु
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	न	ज	कां	ल
चु	मे	ष	दु	दी	छ	मि	ब	ब	वृ	जि
म	नौ	ब	न	नि	वा	स	हा	ल	ष	म
र्द	आ	मी	ल	म	या	न	गं	न	खु	च
य	ल	न	च	रा	क	ली	गा	ण	द	र
द	स	नी	ग	मे	न	र	में	बा	ग	स
क	सू	ऊ	ई	द	ली	क	फ	चो	र्ज	क
रा	म	र्य	ला	रा	म	की	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	वं	लि	जी	कुं	शा	म	प	द
आ	ई	ना	र्क	शी	क	र्त	य	दी	त	म

शब्दजाल में अमृता सिंह की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

बेताब, दुनिया, सनी, मर्द, खुदगर्ज, मुलजिम, खून बहा गंगा में, चमेली की शादी, सूर्यवंशी, आईना

शब्दजाल - 8192 का हल

ब्रा	य	न	ला	रा	द	जै	क्स	का	लि	स
दा	वि	ल	ग	व	रा	हु	ल	द्र	वि	ड़
गि	म	हे	ला	ज	य	व	र्ध	ने	क	क
री	इं	र	स	चि	न	तें	दु	ल	क	र
मै	खु	ज	कु	लू	लं	का	यु	ग	व	ए
थ्यू	द	ल	मा	य	ख	पू	व	हि	र	ड
हे	लो	म	र	म	प	र	रा	र	र	म
ड	र्ज	ल्जा	सं	धा	उ	क	ज	लो	श	गि
न	बा	म	ग	ब्रा	ह	ल	सिं	श	प	ल
तें	दु	आ	का	व	जी	र्त	ह	बें	हा	क्रि
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	क	प	स्ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.32 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	08.02 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.42 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.41 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.54 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.10 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.22 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.33 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.47 ब.से
राहुकाल		धनु	01.03 बजे से
3.00 से 4.30		मकर	03.09 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.55 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 69 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण
तिथि सप्तमी 01.55 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 19.05 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 08.21 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 12.41 बजे तदनन्तर बव 01.55 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 11'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872644
जूलियन दिन 2461109.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 20
विशेष शीतला सप्तमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: मन के हारे हार

कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ जो आगे चलकर 'गौतम बुद्ध' हुए और जिन्होंने 'बौद्ध धर्म' की स्थापना की, गृह त्यागकर निकले, तो बोध की खोज में काफी भटके। आखिर उनकी हिम्मत टूटने लगी। उनके मन में यह विचार बार-बार उठने लगा कि क्यों न वापस राजमहल चला जाए और अंत में एक दिन वे कपिलवस्तु की ओर लौट ही पड़े। चलते-चलते राह में उन्हें प्यास लगी। सामने ही एक झील थी। वे उसके किनारे गए, तभी उनकी दृष्टि एक गिलहरी पर पड़ी। गिलहरी कोई-दुर्लभ जीव नहीं किंतु उस गिलहरी की चेष्टाओं ने सिद्धार्थ का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। बात यह थी कि वह गिलहरी बार-बार पानी के पास जाती, अपनी पूँछ उसमें डुबोती और उसे निकालकर रेत पर झटक देती। सिद्धार्थ से न रहा गया। वे पूछ ही बैठे, 'नन्ही गिलहरी, यह क्या कर रही हो तुम?' 'इस झील को सुखा रही हूँ,' उसने उत्तर दिया। 'यह काम तो तुमसे कभी न हो पाएगा,' सिद्धार्थ बोले, 'भले ही तुम हजार बरस जियो और करोड़ों-अरबों बार अपनी पूँछ पानी में डुबाकर झटको किंतु झील को सुखाना तुम्हारे बस की बात नहीं।' 'तुम्हीं ऐसा मानो, मैं नहीं मानती। मैं तो यह जानती हूँ कि मन में जिस कार्य-को करने का निश्चय किया, उस पर अटल रहने से वह हो ही जाता है। मैं तो अपना काम करती रहूँगी।' और वह अपनी पूँछ डुबोने झील की ओर चल पड़ी। गिलहरी की बात सिद्धार्थ के हृदय में गड़ गई। उन्हें अपने मन की निर्बलता महसूस हुई। वे वापस लौटे और फिर तप में रत हो गए।

फिल्म वर्ग पहेली- 7137

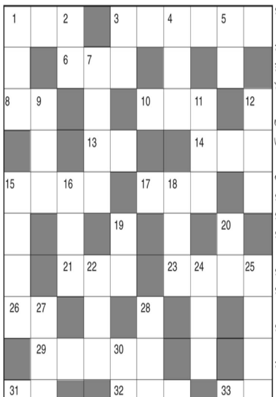

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नांडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7136

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7446

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7445 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली - 8661

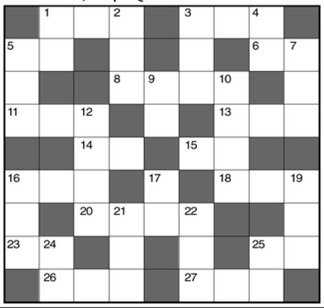

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान, तरुण-3
5. आकाश, व्योम-2
6. परत, अस्तर-2
8. गर्जना, दहाड़ना-4
11. मदद, आराम-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. ओस, रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना, जिव्हा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरुरत, आवश्यकता-3
4. ऋतु, मौसम-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कंठ, गला-3
9. रीती, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खदान, माईन-2
19. तरंग, हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. राय, वोट-2
25. उत्साह, ललक-2

शब्द पहेली -8660 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

नीमटोला नहर से थानेगांव मार्ग का गुणवत्ताहीन निर्माण

बनने के साथ उखड़ने लगा मार्ग - अधिकारी कुंभकरणीय नींद में

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्य तो संचालित है लेकिन क्या यह निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता से किये जा रहे है। वर्तमान में यह एक बड़ा प्रश्न चिन्ह है क्योंकि जिस विभाग के अन्तर्गत निर्माण कार्य संचालित है उनके अधिकारी शायद कुंभकरणीय नींद में है जिसके चलते ठेकेदारों के द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्य गुणवत्ता हिन श्रेणी में दिखाई दे रहे है। ऐसा ही एक मार्ग लांजी मुख्यालय के अन्तर्गत निर्माणाधीन है जो कि नगर के वार्ड क्रमांक 14 नीमटोला से समीपस्थ ग्राम पंचायत थानेगांव तक निर्माण किया जा रहा है। ग्राम थानेगांव वासियो के लिये यह एक बहुप्रतिक्षित मार्ग था जिससे ग्राम पंचायत पंहुचने में आसानी होती है महज 2 किमी से कम की दुरी तय कर थानेगांव वासी अपने ग्राम पंहुच सकते है। इसकी आवश्यकता को देखते हुये जल्द से जल्द इस मार्ग का निर्माण कार्य करवाया जाना आवश्यकता था। बडी देरी के पश्चात मार्ग प्रारंभ तो हो चुका है लेकिन स्थानीय सरपंच प्रतिनिधि एवं ग्रामीणो के द्वारा लगातार मार्ग के गुणवत्ता हिन निर्माण कार्य की बात कही जा रही है।

मार्ग निर्माण के लिये लगाया गया सूचना बोर्ड में आधी अधूरी जानकारी, लागत गायब

उक्त मार्ग के निर्माण कार्य के लिये निविदाकार के द्वारा जो सूचना बोर्ड लगाया गया है वह भी आधा अधूरा है। मध्यप्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग अंकित इस बोर्ड में कार्य का नीमटोला नहर से थानेगांव मार्ग, मार्ग की लंबाई 1.80 किमी, लागत राशि के रिक्त है मतलब किस लागत से निर्माण कार्य किया जा रहा है यह निविदाकार के द्वारा या विभाग के द्वारा अंकित नही किया गया है। ठेकेदार का नाम मेसर्स टीबी एस इंफ्रास्ट्रक्चर गोंदिया, कार्यप्रारंभ करने के तिथी अंकित नही है, कार्य कब प्रारंभ हुआ यह शायद ठेकेदार और विभाग को नही पता होगा। अनुबंधानुसार कार्य पूर्ण करने की तिथी भी अंकित नही है यह भी नही पता कि कार्य कब पूर्ण होगा। परफार्मेंस गारंटी की अवधि 5 वर्ष है। कार्यपालन यंत्री एवं अनुविभागीय अधिकारी तथा उपयंत्री का नाम बोर्ड में अंकित है। बोर्ड में अतिआवश्यक था कार्य की लागत, कार्य प्रारंभ दिनांक एवं पूर्णता दिनांक तथा किस डिजाईन, मटेरियल आदि का उपयोग कर इस मार्ग का निर्माण कार्य किया जाना है लेकिन ऐसा कुछ भी बोर्ड में अंकित नही दिखाई दिया जिससे साथ प्रतित होता है कि विभाग के अधिकारी कर्मचारी कितने लापरवाह है जो कि निविदाकारो से पूरी तहर से अंकित सूचना बोर्ड भी नही लगवा पा रहे है।

मार्ग पर पानी की तराई ना के बराबर, मटेरियल पर भी संदेह

स्थानीय ग्रामीण जनो ने बताया कि सीमेंट से निर्मित कार्यो में पानी की तराई भरपूर मात्रा में होनी चाहिये लेकिन उक्त मार्ग पर ऐसा कुछ नजर नही आ रहा है नाम मात्र के लिये पानी की तराई देखी जा सकती है। सीमेन्ट, रेत गिट्टी भी गुणवत्ताहिन उपयोग में लाई गई जिसके चलते सड? बनते से ही उखडना प्रारभ हो गई है। सरपंच प्रतिनिधि सहित स्थानीय ग्रामीणो ने कहा कि करोड़ों रूपये की लागत से बनने वाला यह मार्ग पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्मित होना चाहिये। लेकिन ऐसा होता प्रतित नही हो रहा है इस पूरे मार्ग की जांच जाकर नियमानुसार कार्यवाही किया जाना चाहिये।

हितग्राहियों को मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह के तारीखों का इंतजार - दिनेश लाड़े

पद्मेश न्यूज। लांजी। इन दिनों शादी विवाह का समय प्रारंभ हो चुका है। क्षेत्र में अनेकों ऐसे गरीब परिवार है जो कि पूर्ण रूप से सक्षम नही हो पाते जो कि धूमधाम से शादी विवाह कर सके। जिनको हमेशा से मध्यप्रदेश शासन की योजनान्तर्गत मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना का इंतजार करते है ताकि वे इस योजना का लाभ प्राप्त कर सके। विगत वर्ष की बात की जाये तो लांजी किरनापुर क्षेत्र में लगभग 400 से अधिक जोड़ो का विवाह संपन्न कराया गया था। ठीक इसी प्रकार वर्तमान में भी सैकड़ो जोड़े है जो कि बाट जोह रहे मुख्यमंत्री कन्या विवाह के तारीख की घोषणा का, ताकि उस अनुसार वे अपने स्तर पर आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर सके। इस विषय जनपद पंचायत लांजी के सभापति दिनेश लाड़े ने कहा कि यह आवश्यक है कि जल्द से जल्द मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह की तारीखों की घोषणा की जाये ताकि उस अनुसार पंचायत प्रतिनिधि, कर्मी तथा जिन जोड़ो को उक्त विवाह समारोह में हितग्राहिता करनी है वे अपने अनुसार तैयारिया पूर्ण करे। बतादे कि इस योजना में दो अमूलचूल परिवर्तन किये गये है जिनमे वधु का गरीबी रेखा में होना आवश्यक है तथा प्रत्येक शादी विवाह के आयोजन में 200 जोड़े ही नियत किये गये है। इससे अधिक जोड़ो का विवाह संपन्न नही कराया जायेगा। वहीं आपने यह भी कहा जनपद पंचायत लांजी के द्वारा समय रहते निर्णय ले लिया जाता तो इस तरह तारीखो लेकर असमंजसता बनी नही रहती। ऐसा प्रतित होता है कि जनपद पंचायत की उदासिनता दंश नव युगल जोड़े झेलने को मजबूर है। इस विषय पर अतिशिघ्र संज्ञान लेकर शिघ्रता से शिघ्र मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का आयोजन किया जाना चाहिये।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी की मासिक बैठक सम्पन्न

नवीन कार्यकारिणी की हुई घोषणा

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी की मासिक बैठक 9 मार्च को मां गायत्री शक्तिपीठ लांजी के सभागार में पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सर्वप्रथम मां गायत्री की पूजा अर्चना कर बैठक प्रारंभ की गई। इसके उपरांत अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे के द्वारा नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें उपाध्यक्ष श्रीराम सोनवाने, बी के पारधी, टी डी लिल्हारे, बी आर नाईक, एन डी बावनथड़े, सहसराम हरिनखेड़े, सदाराम धारणे, श्रीमती गयाबाई रणदिवे। संयोजक सुनील दत्त खरगाल, मुख्य सचिव आई एस चौहान, सह सचिव एन आर दहिकर, कार्यालयीन सचिव उमंग प्रसाद कबीरे, कोषाध्यक्ष एन एल बसेना, सहकोषाध्यक्ष लखनलाल मुछावड़, मिडिया प्रभारी सी एल मस्करे, संगठन मंत्री कन्हैयालाल बनोठे, सुखचंद लिल्हारे, गजलाल दमाहे, हृदयराम रहांगडाले, बी आर ढोक, सितुलाल टेंभरे, इठोबा ब्रम्हपुरे, प्रचार सचिव डी आर सोनवाने, बलवंत बल्ले, टी एल कटरे, जे एल चौधरी, लालाराम नंदनवार, तेजलाल लिल्हारे, गोरेलाल जांभुरे, बी आर सोनवाने को शामिल किया गया है। बैठक में कार्यकारिणी की घोषणा के उपरांत सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई।

सभी सेक्टरों में आयोजित होगा होली मिलन

बैठक में आगामी दिनों में सभी सेक्टरों में होली मिलन समारोह आयोजित किए जाने पर चर्चा की गई एवं तिथि निर्धारित की गई। जिसमें 11 मार्च को बहेला सेक्टर के ग्राम चिचोली में, 13 मार्च को भानेगांव सेक्टर में, 15 मार्च को देवलगांव सेक्टर में, 17 मार्च को कारंजा सेक्टर में व 18 मार्च को लांजी मुख्यालय में होली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। बैठक में नवीन सदस्य प्रेमलाल दशहरे व नर्मदाप्रसाद मस्करे का श्रीफल भेंट देकर स्वागत किया गया। बैठक के अंत में पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के उपाध्यक्ष युवराज दहीकर की गत दिनों मृत्यु पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। बैठक में भारी संख्या में पेंशनर्स साथी उपस्थित थे।

म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ की बैठक 15 को

पद्मेश न्यूज। लांजी। म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी की आवश्यक बैठक 15 मार्च को पुर्वाटोला मार्ग स्थित पुराना रेंज आफिस में आयोजित की गई है। बैठक में वन अधिकारी कर्मचारी, दैनिक वेतनभोगी, सुरक्षा श्रमिकों, फायरवाचरों, सेवा निवृत्त समस्त अधिकारी, कर्मचारी, मजदूर आदि की समस्याओं का निराकरण हेतु चर्चा की जाएगी। म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी के अध्यक्ष देवेन्द्र पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामप्रसाद चोरवाड़े, सी एल दमाहे, बाबूलाल पारधी, शोभाराम, गंगाधर तरोने, नाथूराम सोनवाने, बुधराम नारनौरे आदि ने सभी समस्त सेवा निवृत्त कर्मचारियों को बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बगदेही में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर लांजी क्षेत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था मेधालिपि 24 फाउंडेशन 80त्न और 12 में रजिस्टर्ड स्वयंसेवी संस्था के बैनर तले नक्सल उन्मूलन हेतु मध्यप्रदेश सरकार द्वारा नगर पंचायत लांजी के समीप स्थापित गाँव बगदेही में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मेधालिपि 24 फाउंडेशन के अध्यक्ष गुलाबचंद बड़घैया ने जानकारी में बताया कि लांजी क्षेत्र प्रसिद्ध क्षय रोग विशेषज्ञ रहे डॉ. आर.डी. पशीने की बेटी डॉ. नम्रता पशीने (एम.बी.बी.एस.) जो 25 वर्षों से अपने पिताजी की सेवा के संकल्प को पूरा करने के लिए लांजी जैसे पिछड़े क्षेत्र में सरकारी नौकरी को छोड़कर पीड़ित मानवता की सेवा को समर्पित हैं, ने बैगा जनजाति के आदिवासी महिलाओं का शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में जो दृश्य देखे गए उसे सोशल मीडिया पर लिखना ठीक नहीं। पर वहां की महिलाओं ने बताया कि चार पांच बच्चे हो गए हैं किन्तु उनकी नसबंदी लांजी के सिविल अस्पताल में भी नहीं होती, जिस पर मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट से इस संबंध में बातचीत की तो उन्होंने बताया कि बैगा जनजातीय समाज में नसबंदी के लिए हमें भी कलेक्टर महोदय/एस.डी.एम. साहब से अनुमति लेनी होती हैं। शिविर में उपस्थित डॉ. नम्रता पशीने द्वारा भी महिलाओं के स्वास्थ्य को देखते हुए नसबंदी हेतु प्रशासन को अनुरोध कर सूचित भी किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में बैगा जनजातीय समाज की महिलाओं तथा बेटियों ने भाग लिया उन्हे व्यक्तिगत स्वास्थ्य, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और प्राथमिक जीवन रक्षक दवाइयां तथा ग्लूकोज बिस्किट का वितरण भी किया गया। इस शिविर में भारतमाता पब्लिक स्कूल, लांजी की मातृशक्तियों ने भी डॉक्टर नम्रता पशीने का सहयोग किया।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 199 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न

तिरोडी में हिन्दू, बौद्ध और आदिवासी रीति से हुए विवाह,नवविवाहित जोड़ों को मिलेगा 55 हजार रुपए का लाभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत कटंगी के ग्राम तिरोडी में सोमवार 9 मार्च 2026 को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 199 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। विवाह कार्यक्रम में जोड़ों का विवाह हिन्दू, बौद्ध तथा आदिवासी रीति-रिवाजों के अनुसार विधि-विधानपूर्वक सम्पन्न कराया गया।

सामूहिक विवाह में शामिल जोड़ों में अन्य पिछड़ा वर्ग के 146, अनुसूचित जाति के 28 तथा अनुसूचित जनजाति के 25 जोड़े शामिल रहे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन की इस महत्वाकांक्षी जनहितैषी योजना के तहत नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान करने के लिए क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

योजना के अंतर्गत प्रत्येक वधु को 49 हजार रुपए की राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान की जाएगी, वहीं सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन करने वाली संस्था को प्रति जोड़ा 6 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। इस प्रकार मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत विवाह करने वाले प्रत्येक वर-वधु के लिए कुल 55 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी, जिला पंचायत बालाघाट के अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार, जनपद पंचायत कटंगी की अध्यक्ष कविता अरविंद देशमुख, जिला पंचायत बालाघाट की सभापति केशर बिसेन और रविकांता बोरकर, जनपद पंचायत कटंगी के उपाध्यक्ष भानुसिंह पटले, जिला पंचायत सदस्य प्रियंका परते सहित जनपद पंचायत के सभापति-सदस्य एवं क्षेत्र के अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

संपूर्ण वैवाहिक कार्यक्रम अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कैलाशचंद्र ठाकुर और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विवेक शर्मा के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के संचालन एवं व्यवस्थाओं में जनपद पंचायत कटंगी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गायत्री कुमार सारथी, नायब तहसीलदार पी.एल. सांडिया, थाना प्रभारी कटंगी एवं तिरोडी, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी हितेश पिपलेवार, सरपंच फैजिया खान तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग दिया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक भी उपस्थित रहे और नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं दीं।

जिला पंचायत की सामान्य सभा एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठकों की तिथि में संशोधन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा की बैठकों की तिथि में संशोधन किया गया है। जिसके अनुसार जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 11 मार्च को दोपहर 01 बजे से जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई है। पूर्व में यह बैठक 10 मार्च को होने वाली थी। इसी प्रकार जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक की तिथि में संशोधन कर 12 मार्च किया गया है। 12 मार्च को जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत कार्यालय सभाकक्ष में प्रारंभ होगी। पूर्व में यह बैठक 11 मार्च को आयोजित की गई थी। इन बैठकों का एजेण्डा पूर्ववत रहेगा। जिले में केंद्र स्तरीय अधिकारियों के दल का भ्रमण होने के कारण इन बैठकों की तिथियों में संशोधन किया गया है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

चुनाव के पहले हर जनपद में तीन करोड़ के काम

जहां 100 लोग रह रहे, वहां मिलेंगी रोड़, एक विधानसभा में बनेंगी छह करोड़ की सडकें

भोपाल। अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव के पहले राज्य सरकार ने छोटी आबादी वाले मजरे टोलों तक सडक़ बनाने का प्लान तैयार किया है। दिसम्बर 2027 में होने वाले पंचायत चुनाव के पहले जून 2027 तक प्लान के आधार पर गांवों में सडक़ों का जाल बिछाकर सम्पूर्ण ग्राम विकास की अवधारणा को मूर्त रूप देना का काम होगा। यह काम ग्राम पंचायतों से कराया जाएगा और हर जनपद में कम से कम तीन करोड़ के काम कराए जाएंगे। चूंकि एक विधानसभा में कम से कम दो जनपद क्षेत्र होते हैं, इसलिए एक विधानसभा में छह करोड़ तक के सिर्फ सडक़ों के काम कराए जाएंगे।

मोहन यादव सरकार ने सुगम संपर्कता परियोजना के नाम पर एक्शन प्लान तैयार कर कलेक्टरों, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत और अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक महात्मा गांधी नरेगा को इसके एग्जीक्यूशन की जिम्मेदारी भी सौंप दी है। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल ने इसकी जानकारी देते हुए कहा है कि सुगम संपर्कता परियोजना प्रारंभ हो गई है। इस परियोजना से एक गांव से दूसरे गांव को जोडने वाली सडक़

बनेगी। हर जनपद में तीन करोड़ तक के काम होंगे। सिपरी सॉफ्टवेयर से कार्यों का चयन होगा व डीपीआर बनेगी। गुणवत्तापूर्ण कार्यों के लिए ड्रोन तकनीक से कार्यों की निगरानी कराई जाएगी।

31 मार्च तक जिलों से मांगे प्रस्ताव

परिषद ने अलग-अलग कार्यों के लिए मार्च 2026 तक की समय-सीमा तय की है। 31 मार्च 2026 तक सभी प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए कहा गया है। निर्देशों में कहा गया है कि नई सडक़ का चिन्हांकन सब इंजीनियर द्वारा ट्रांजिट वॉक कर किया जाएगा। मोबाइल एप से सर्वे के दौरान यह तय किया जाएगा कि सर्वे पैदल चलकर ही किया गया है। इसके बाद प्रस्ताव सहायक यंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा जाएगा। इसमें प्रस्तावित सडक़ में शासकीय भूमि, निजी भूमि, वन भूमि की जानकारी भी अलग से देना होगी। सभी सडक़ों में सुगम जल निकासी के लिए एक बैलेंसिंग कलवर्ट लिया जाएगा। हर एक किमी में चार स्थानों पर ड्रेन पाइप लिए जाएंगे और इस जल निकासी का उपयोग किसानों द्वारा खेती के लिए किया जा सकेगा। इसमें कहा गया है कि मनरेगा के अंतर्गत पुराने कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी तथा आगामी आदेश तक 'सुगम संपर्क परियोजना' के अतिरिक्त अन्य कार्य स्वीकृत नहीं किए जाएंगे।

सरकारी नौकरी से हटेगी 2 बच्चों की पाबंदी वाली शर्त

- जीएडी के प्रस्ताव पर जल्द कैबिनेट से लगेगी मुहर

भोपाल। मप्र में 25 साल बाद सरकारी नौकरी के लिए 2 बच्चों वाली अनिवार्य शर्त हटने जा रही है। इसको लेकर सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर लिया है। जल्द ही प्रस्ताव कैबिनेट में आएगा। उसके बाद मप्र सिविल सेवा नियम 1961 में संशोधन कर जोड़ी गई दो बच्चों की बाध्यता वाली शर्त को हटा दिया जाएगा। हालांकि अभी भी सरकारी कर्मचारियों के लिए 2 बच्चों की बाध्यता है, लेकिन ऐसे मामलों की शिकायतों पर अब सरकारी विभागों में कार्रवाई होना लगभग बंद हो चुका है। मप्र में 26 जनवरी 2001 में सरकारी नौकरी के लिए 2 बच्चों की बाध्यता लागू की थी। इसके बाद शासकीय सेवक के 2 से अधिक जीवित बच्चे होने की स्थिति में कई लोगों की नौकरी भी जा चुकी है। अब सरकार इसमें बदलाव करने जा रही है। इसको लेकर शीर्ष स्तर पर सहमति बन चुकी है। अंतिम निर्णय कैबिनेट से होगा। 2 बच्चों की बाध्यता वाली शर्त हटने के बाद 3 जीवित बच्चे होने पर भी किसी की नौकरी नहीं जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार शर्त हटने के साथ ही तीसरी संतान से जुड़े जितने भी शासन स्तर या न्यायालयों में लंबित हैं, वे स्वत- समाप्त हो जाएंगे। बताया गया कि इसके लिए विभाग ने विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया है। हालांकि 2001 के बाद जिन लोगों की नौकरी तीसरी संतान की वजह से जा चुकी है, उन्हें सेवा में वापस लिया जाएगा या नहीं। इसका अंतिम निर्णय कैबिनेट से होगा। हालांकि प्रस्ताव में सेवा वापसी का कोई प्रावधान नहीं है।

9 साल पहले हटा चुका है छत्तीसगढ़

अविभाजित मप्र में दो बच्चों की बाध्यता वाल नियम बन चुका था, ऐसे में 1 नवंबर 2000 को बंटवारे के बाद छत्तीसगढ़ में भी दो बच्चों की बाध्यता वाला नियम लागू किया गया था। हालांकि छत्तीसगढ़ ने 9 साल पहले 14 जुलाई 2017 को यह पाबंदी हटा दी थी। अब वहां तीन बच्चों पर भी नौकरी में लोग काम कर रहे हैं। इसी तरह राजस्थान भी 11 मई 2016 को दो बच्चों की बाध्यता वाले नियम को हटा चुका है।

ट्रेंड बदला, मार्च के शुरू में ही बढ़ा पारा

भोपाल। मध्यप्रदेश में इस बार मार्च की शुरुआत से ही तेज गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। महीने के पहले ही सप्ताह में अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 3 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया है। खासकर मालवा-निमाड़ क्षेत्र के शहरों में गर्मी ने तेजी से तेवर दिखाए हैं और तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। रविवार को रंगपंचमी के दिन प्रदेश में तेज धूप रही। रतलाम में सबसे ज्यादा 39 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वहीं उज्जैन में 36.7 डिग्री, ग्वालियर में 36.5 डिग्री, इंदौर में 35.8 डिग्री, भोपाल में 34.8 डिग्री और जबलपुर में 34.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। नर्मदापुरम में 38.1 डिग्री, गुना और सागर में 37.4 डिग्री तथा श्योपुर में 37 डिग्री पारा दर्ज हुआ।

भ्रष्टाचार पर लोकायुक्त का बड़ा प्रहार

सालभर में 57 करोड़ की काली कमाई बेनकाब; 66 मामलों में हुई सजा

भोपाल । भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश लोकायुक्त पुलिस ने वर्ष 2025 में बड़ा खुलासा किया है। सालभर की कार्रवाई में 57 करोड़ रुपये से अधिक की अनुपातहीन संपत्ति उजागर की गई, जबकि 66 मामलों में दोषियों को अदालत से सजा भी दिलाई गई। आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ छापेमारी ही नहीं, बल्कि अभियोजन के स्तर पर भी एजेंसी ने मजबूत पकड़ बनाई है।

लोकायुक्त की विशेष पुलिस स्थापना में वर्षभर में कुल 257 आपराधिक प्रकरण दर्ज हुए। इनमें 229 मामले ट्रैप कार्रवाई के रहे, जहां अधिकारी और कर्मचारी रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए। यह औसतन हर महीने करीब 19 ट्रैप केस का आंकड़ा दर्शाता है। अनुपातहीन संपत्ति अर्जित करने के 11 मामलों में 57 करोड़ से अधिक की संपत्ति का खुलासा हुआ, जबकि पद के दुरुपयोग से जुड़े 17 प्रकरण भी दर्ज किए गए। कई मामलों में छापों के दौरान करोड़ों की चल-अचल संपत्ति, बैंक खाते और निवेश सामने आए।

4,768 शिकायतें, 581 ही जांच के योग्य

लोकायुक्त संगठन को वर्ष 2025 में कुल 4,768 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 4,187 का निराकरण किया गया, जबकि 581 शिकायतें जांच योग्य पाई गईं। 368 प्रकरणों को समापन किया गया। 8 मामलों में विभागीय जांच की अनुशंसा की गई और 30 मामलों में संबंधित विभागों ने दंडात्मक कार्रवाई की जानकारी दी। शिकायत एवं जांच शाखा की पहल पर शासन के आदेशानुसार 13 करोड़ 6 लाख 20 हजार 239 रुपये की वसूली भी की गई।

175 मामलों में चालान, 66 में सजा

न्यायालयीन स्तर पर भी कार्रवाई प्रभावी रही। विभिन्न विशेष न्यायालयों में 175 मामलों में चालान पेश किए गए। इसी अवधि में 66 मामलों में आरोपियों को सजा सुनाई गई। यह संकेत देता है कि जांच के साथ-साथ अभियोजन की प्रक्रिया भी मजबूत हुई है और दोष सिद्धि दर संतोषजनक रही।

कृषि विभाग में 8,468 पद खाली पड़े

भोपाल। मप्र सरकार की प्राथमिकता खेती-किसानी है। इसके लिए सरकार साल 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मना रहा है। सरकार को फोकस है की इस साल किसानों को अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए। लेकिन विडंबना यह है की सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए कृषि विभाग में अधिकारियों-कर्मचारियों का टोटा है। विभाग में कुल स्वीकृत 14 हजार 537 पदों में से 8 हजार 468 पद ही खाली पड़े हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि मप्र में कृषि विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन कैसे होगा।

जानकारी के अनुसार, कृषि वर्ष के दौरान साल भर होने वाले आयोजनों में उद्यानिकी, मत्स्य पालन के अलावा ऊर्जा, उद्योग, जल संसाधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, खाद्य नागरिक आपूर्ति और वन विभाग जैसे 16 सरकारी विभाग कृषि सेक्टर को मजबूत करने और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास करेंगे। अनाजों में रिसर्च, कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, वित्तीय साधन देने और ब्रांडिंग के अलावा ट्रेनिंग और वैल्यू चैन बनीं के लिए 16 विभाग कृषि विभाग के साथ मिलकर काम करेंगे। पर कृषि से सीधे जुड़े हुए विभागों में ही बड़ी संख्या में पद खाली हैं जिससे इस वार्षिक आयोजन के लक्ष्य प्रभावित हो सकते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फसल नुकसान सर्वे, सॉइल हेल्थ और नमो ड्रोन दीदी जैसी प्रमुख योजनाएं भी इससे प्रभावित रही हैं। इसके अलावा बड़े कृषि संस्थाओं जैसे कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय में भी 1065 में से 557, बीज -फार्म विकास निगम में 14 में से 5, जैविक प्रमाणीकरण संस्था में 23 में से 8, कृषि विस्तार प्रशिक्षण में 49 में से 27 पद खाली हैं। मंडी बोर्ड में भी लगभग 40 प्रतिशत पद खाली हैं।

60 प्रतिशत पद खाली पड़े

जानकारी के अनुसार, पिछले कई सालों से कृषि विभाग में भर्ती नहीं हुई है। इस कारण कृषि विभाग में ही प्रदेश भर में लगभग 60 प्रतिशत पद खाली पड़े हुए हैं। कृषि विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक विभाग में कुल स्वीकृत 14 हजार 537 पदों में से 8 हजार 468 पद ही खाली पड़े हैं, जबकि कुल 6 हजार 126 पद ही भरे हुए हैं। वहीं, कृषि से सीधे जुड़े हुए मत्स्य पालन, खाद्य, उद्यानिकी और पशुपालन आदि विभागों में भी 20 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक स्वीकृत पद खाली हैं। कृषि से सीधे जुड़े हुए विभागों में भी अमले की कमी है। खाद्य संचालनालय में 109 पदों के विरुद्ध 48 अधिकारी-कर्मचारी हैं। जिलों कार्यालयों में 598 के विरुद्ध 245 का ही अमला है। खाद्य आयोग में 61 के विरुद्ध 48 पद खाली हैं। मत्स्य पालन में 1290 में से 722 पद खाली हैं। उद्यानिकी में 3079 में से 1459 पद खाली (47 प्रतिशत) हैं। वहीं, पशुपालन -डेयरी में 7992 पदों में से 1797 यानि 22 प्रतिशत पद खाली हैं। सहकारिता में भी लगभग 35 प्रतिशत से अधिक पद खाली हैं। सहयोगी विभागों में भी यही स्थिति है। कृषि विभाग में वरिष्ठ अधिकारियों के 182 स्वीकृत में से 113 पद खाली हैं, जिनमें अपर, संयुक्त और उप संचालक जैसे पद हैं। वहीं वर्ग 1, वर्ग 2 और 3 में भी बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हैं। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी जैसे मैदानी पद भी लगभग 60 प्रतिशत खाली हैं।

पुलिस पेट्रोल पंपों में 12 हजार लीटर पेट्रोल का गबन का मामला

- पीएचक्यू ऑडिट में सामने आई बड़ी गड़बड़ी, अब एसपी चेक करेंगे टैंक

भोपाल। मध्य प्रदेश में पुलिस विभाग के पेट्रोल पंपों में पेट्रोल स्टॉक को लेकर गबन का मामला सामने आने के बाद पुलिस मुख्यालय सख्त हो गया है। हाल ही में कराए गए ऑडिट में करीब 12 हजार लीटर पेट्रोल की कमी पाए जाने के बाद मुख्यालय ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों और संबंधित अधिकारियों को तत्काल भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश जारी किए हैं। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार सभी इकाइयों को 24 मार्च तक पेट्रोल पंपों का फिजिकल डिप नापकर सत्यापन करना होगा और इसकी फोटो समेत रिपोर्ट भेजनी होगी।

इसके साथ ही कंपनी द्वारा निर्धारित प्रारूप में डेली स्टॉक रजिस्टर की छायाप्रति व्हाट्सएप के वेलफेयर एवं अकाउंट ग्रुप में अपलोड करना भी अनिवार्य किया गया है। मुख्यालय के आदेश में बताया गया है कि हाल ही में एक पुलिस पेट्रोल पंप में ऑडिट टीम ने जांच की, जिसमें लगभग 12 हजार लीटर पेट्रोल की कमी सामने आई। हैरानी की बात यह रही कि संबंधित इकाई के प्रभारी ने इस कमी की जानकारी मुख्यालय को नहीं भेजी थी।पुलिस मुख्यालय ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए कहा है कि पहले भी इकाई प्रमुख और नोडल अधिकारियों को हर तीन महीने में पेट्रोल पंप का भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद कई स्थानों पर इन आदेशों का पालन नहीं किया गया।

एसपी स्तर तक तय होगी जिम्मेदारी

मुख्यालय ने स्पष्ट कर दिया है कि जहां भी इस प्रकार की गड़बड़ी या कमी सामने आएगी, वहां संबंधित पुलिस अधीक्षक या सेनानी स्तर तक जिम्मेदारी तय की जाएगी। आदेश में कहा गया है कि यदि किसी इकाई में पेट्रोल स्टॉक में कमी पाई जाती है तो यह माना जाएगा कि मुख्यालय के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। इसी कारण अब सभी जिलों और बटालियनों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि पेट्रोल पंप का फिजिकल डिप नापकर वास्तविक स्टॉक की जांच की जाए और इसकी फोटो सहित रिपोर्ट भेजी जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अनियमितता न हो।

नियमित निगरानी की नई व्यवस्था

मुख्यालय ने निगरानी को मजबूत बनाने के लिए नई व्यवस्था भी लागू की है। इसके तहत हर इकाई को पेट्रोल पंप का दैनिक स्टॉक रजिस्टर की प्रति व्हाट्सएप ग्रुप में अपलोड करनी होगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पुलिस के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल की उपलब्धता और स्टॉक की स्थिति पारदर्शी बनी रहे। अधिकारियों का मानना है कि इससे अनियमितताओं पर समय रहते रोक लगाई जा सकेगी।

अवकाश पर अधिकारियों के लिए भी निर्देश

आदेश में यह भी कहा गया है कि यदि किसी इकाई में पुलिस अधीक्षक या सेनानी अवकाश पर हैं, तो वापसी के बाद दो दिनों के भीतर पेट्रोल पंप का भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट मुख्यालय को भेजना अनिवार्य होगा। पुलिस मुख्यालय के इस आदेश के बाद अब सभी जिलों और पुलिस बटालियनों में पेट्रोल पंपों के स्टॉक की जांच तेज होने की संभावना है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, यदि कहीं भी बड़ी गड़बड़ी सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है।

प्रदेश के 395 नगर पालिका और परिषद अध्यक्षों की कुर्सी पर खतरा

भोपाल । प्रदेश के 99 नगर पालिका और 297 नगर परिषद अध्यक्षों की कुर्सी पर संवैधानिक खतरा मंडराना शुरू हो गया है। चुनाव के बाद से अभी तक सरकार ने इनके निर्वाचन की अधिसूचना जारी नहीं की है। ऐसे में इनके अधिकार शून्य होने का खतरा है। अब तक श्योपुर और पानसेमल के अध्यक्षों के वित्तीय अधिकार शून्य घोषित कर दिए हैं। डबरा नगर पालिका अध्या का मामला कोर्ट में है। हाईकोर्ट ने ऐसे अध्यक्षों को विधिवत निर्वाचित नहीं माना है और इनके वित्तीय अधिकार सीएमओ या एसडीएम को सौंपने के आदेश दिए हैं।

इसी आधार पर प्रदेश की 395 नगर पालिका और परिषद अध्यक्षों की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है। कानून के जानकारों के मुताबिक जैसे-जैसे शिकायतें होगी, इनके अध्यक्षों के वित्तीय अधिकार शून्य घोषित होते जाएंगे। दरअसल, तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में निकाय चुनाव में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय और पंचायत चुनाव आनन-फानन करा दिए थे।

अप्रत्यक्ष हुआ था निर्वाचन

नगर निगमों के चुनाव तो सीधे जनता से कराए गए थे, लेकिन नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों को जनता के बजाय पार्षदों से चुन लिया गया। खास यह है कि चुनाव के बाद नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद के महापौर और पार्षद का बकायदा नोटिफिकेशन कर जीत-हार का ऐलान किया गया था। बकि नगर पालिका और नगर परिषद के पार्षदों से चुने गए अध्यक्षों का नोटिफिकेशन राज्य सरकार के नगरीय विकास और आवास विभाग ने नहीं किया था।

नागपुर-भोपाल ग्रीन कॉरिडोर से जुड़ सकते हैं गुना अशोकनगर

मोहर लगते ही काम होगा शुरु

भोपाल। मध्य प्रदेश के गुना, चंदेरी और अशोकनगर के लिए बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर की खबर सामने आ रही है। जिससे विकास की नई संभावनाएं खुल सकती हैं। जिसके लिए केंद्रीय मंत्री एवं गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राज्य मंत्री नितिन गडक़री को पत्र लिखा है। जिसमें लिखा है कि,अपने संसदीय क्षेत्र के प्रमुख शहरों को प्रस्तावित मध्य भारत विकास पथ से जोडऩे का अनुरोध कर आपसे कर रहा हूं।

यह परियोजना भारत सरकार के विजन-2047 के अंतर्गत राज्य में प्रस्तावित नए एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जा रही है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने इस संबंध में केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि गुना, अशोकनगर,

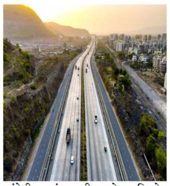

चंदेरी, मुंगावली ओर पिछोर जैसे महत्वपूर्ण शहरों को प्रस्तावित मध्य भारत विकास पथ (नागपुर-भोपाल-ग्वालियर ग्रीन कॉरिडोर) से सीधे जोड़ा जाए। सिंधिया ने अपने पत्र लेख किया है कि, वर्तमान में अशोकनगर, मुंगावली और चंदेरी जैसे प्रमुख शहर सीधे किसी राष्ट्रीय राजमार्ग से नहीं जुड़े हैं। इन शहरों को एक्सप्रेस-वे नेटवर्क से जोडऩे से न केवल यातायात सुविधाएं बेहतर होंगी, बल्कि क्षेत्र में निवेश, उद्योग और रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। आगे लिखा कि,बेहतर सडक़ संपर्क से ग्वालियर-चंबल संभाग तथा आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और यह पूरा क्षेत्र विकास के नए मार्ग पर आगे बढ़ेगा।

746 किलोमीटर लंबा होगा कॉरिडोर

प्रस्तावित मध्य भारत विकास पथ वर्तमान में प्रारंभिक सर्वेक्षण के चरण में है। जिसके आगामी चार से पांच महीनों में पूरा होने की संभावना है। इस सर्वे में चंदेरी, अशोकनगर और मुंगावली को इस कॉरिडोर से जोडऩे की संभावनाओं पर भी विचार किया जा रहा है। लगभग 746 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर मुरैना से प्रारंभ होकर ग्वालियर-चंबल क्षेत्र और आगे नागपुर तक जाएगा। इसके माध्यम से न केवल प्रमुख शहरों के बीच आवागमन सुगम होगा, बल्कि चंदेरी और ओरछा जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को भी बेहतर कनेक्टिविटी प्राप्त होगी। साथ ही यह मार्ग नागपुर से हैदराबाद तक की संपर्क व्यवस्था को भी मजबूत बनाएगा। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने इसके अलावा भी 114.70 किलोमीटर लंबे गुना से अशोकनगर ओर चंदेरी (एनएच-54) मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की मांग अपने पत्र के माध्यम से उठाई है। यह मार्ग एनएच-46, एनएच-346 और एनएच-44 को आपस में जोड़ते हुए क्षेत्रीय सडक़ नेटवर्क को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

अब खुली जेलों में परिवार के साथ रह सकेंगी महिला कैदी

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब पुरुष की तरह महिला कैदियों को भी खुली जेल की सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। फिलहाल भोपाल सहित प्रदेश की जेलों में 3634 महिला कैदी बंदी हैं। वैसे तो सभी जेलों में क्षमता से 30 से 35 फीसदी अधिक कैदी रखे गए हैं। अभी विधानसभा में भी पूछे एक सवाल के जवाब में बताया गया कि प्रदेश की 133 जेलों में क्षमता से 42119 कैदी बंद हैं, जबकि इनकी संख्या 30 हजार 764 कैदियों की है। इसमें बताया गया कि इंदौर की सेंट्रल जेल की क्षमता 1280 है, तो यहां 2191 कैदी बंद हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि आधे से ज्यादा कैदी प्रदेश की जेलों में ऐसे बंद हैं, जिन्हें अभी तक अदालत से सजा ही नहीं मिली है।

यूपीएससी व एमपीपीएससी में पिछले 3 साल में 43 एससी-एसटी युवाओं ने मारी बाजी

– लाखों का प्रोत्साहन मिला, हालांकि पिछले 3 सालों में लाभार्थियों की संख्या घटी, कारण तलाश रहे

भोपाल। सिविल सेवा परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य शासन द्वारा सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना संचालित है। इस योजना के तहत संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की परीक्षाओं के विभिन्न चरणों में सफल होने वाले अभ्यर्थियों को आर्थिक सहायत तो मिल रही है, लेकिन पिछले 3 सालों में सफलता के आंकड़े बढ़ाने की जगह घट रहे हैं। इन्दौर सेंटर से पिछले 3 चार सालों में 43 छात्रों ने सरकार की मदद से न केवल पढ़ाई की, बल्कि प्रोत्साहन राशि के भी हकदार बने है। इस आंकड़े को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना गरीब तबके के परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। हाल ही में जारी किए गए यूपीएससी की परीक्षा में भी कई कमजोर तबके के अभ्यर्थियों को सफलता मिली है। कोरोना काल को छोडक़र हाल के वर्षों में जनजातीय

वर्ग के आंकड़े अलग तस्वीर पेश करते हैं। हर साल अभ्यर्थियो ने अपना हुनर दिखाया है और लाखों की प्रोत्साहन राशि भी अर्जित की है। जनजाति वर्ग के लगभग 28 अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की है। हर साल के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में 7 अभ्यर्थियों को 1.40 लाख रुपए, 2023-24 में 9 अभ्यर्थियों को 1.60 लाख रुपए, 2024-25 में 5 अभ्यर्थियों को 85 हजार रुपए और 2025-26 में 4 अभ्यर्थियों को 90 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। इसी तरह अनुसूचित जाति वर्ग में वर्ष 2025-26 में 15 अभ्यर्थियों को कुल 3.40 लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई। इस प्रकार दोनों वर्गों को मिलाकर हाल के वर्षों में कई अभ्यर्थियों को आर्थिक सहयोग मिला है, जिससे उन्हें सिविल सेवा की तैयारी जारी रखने में मदद मिली।

1 छात्र को 75 हजार से डेढ़ लाख तक

योजना के प्रावधानों के अनुसार यूपीएससी परीक्षा की प्रारंभिक परीक्षा पास करने पर 40 हजार रुपए, मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 60 हजार रुपए और साक्षात्कार में सफल होने पर 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है, वहीं एमपीपीएससी परीक्षा में प्रारंभिक परीक्षा पास करने पर 20 हजार रुपए, मुख्य परीक्षा पास करने पर 30 हजार रुपए और साक्षात्कार के बाद चयन होने पर 25 हजार रुपए की सहायता दी जाती है। कोरोना काल के पहले आयोजित की गई परीक्षा में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अनुसूचित जनजाति वर्ग में वर्ष 2014-15 में 204 अभ्यर्थियों को 39.35 लाख रुपए, 2015-16 में 1105 अभ्यर्थियों को 172.80 लाख रुपए और 2016-17 में 1403 अभ्यर्थियों को 280.53 लाख रुपए की सहायता दी गई थी।

पिछले कुछ वर्ष में आंकड़े घटे

विश्लेषण करें तो पिछले दो वर्षों में लाभार्थियों की संख्या में कमी दिखाई देती है। इसके पीछे मुख्य कारण सिविल सेवा परीक्षाओं की कठिन प्रतिस्पर्धा, सीमित सीटें और प्रारंभिक चरण तक पहुंचने वाले अभ्यर्थियों की कम संख्या मानी जा रही है। इसके अलावा कई बार अभ्यर्थियों द्वारा योजना के लिए आवेदन नहीं कर पाना या जानकारी का अभाव भी कारण बनता है। इसलिए विभाग में अब सभी विद्यार्थियों को जागरूक करने की पहल की है, वहीं घटते आंकड़ों पर भी मंथन किया जा रहा है। अनुसूचित जाति-जनजाति विभाग के प्रमुख नरेंद्र भिड़े के अनुसार यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के युवाओं के लिए बड़ी सहायता साबित हो रही है। यदि योजना के प्रचार-प्रसार और मार्गदर्शन व्यवस्था को और मजबूत किया जाए तो आने वाले वर्षों में अधिक संख्या में एससी-एसटी अभ्यर्थी सिविल सेवा में जगह बना सकेंगे। इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पर रहेंगी नजरें

मुम्बई। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम के युवा कप्तान रियान पराग पर सबकी नजरें रहेंगी। पराग ने पिछले सत्र में भी कई मैचों में कप्तानी की थी। ऐसे में इसबार कप्तानी के समय उन्हें पिछले अनुभवों का लाभ मिलेगा। पिछले सत्र में रॉयल्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में इस बार रियान पर बेहतर प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाने का दबाव रहेगा। वहीं पिछले सत्र में कप्तान रहे संजू सैमसन इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते नजर आयेंगे । सैमसन के जाने के बाद टीम प्रबंधन ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए पराग पर भरोसा जताया है।

राजस्थान रॉयल्स में सैमसन एक दशक से शामिल थे। वह एक युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ से टीम के कप्तान बने थे पर पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके बाद वह फिटनेस की परेशानी से भी जूझ रहे थे। पिछले सत्र में 14 मुकाबलों में टीम को केवल चार में जीत मिली थी और वह अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इस सत्र के बाद ही सैमसन और टीम प्रबंधन में मतभेद आ गये थे और तभी से पता चल गया था कि वह बदलाव के लिए तैयार हैं।इसके बाद सैमसन सीएसके में चले गये। अब वह सीएसके में महेन्द्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज के साथ टीम में खेलते दिखेंगे। पराग को कप्तानी एकदम नहीं दी गयी बल्कि पिछले सीज़न में जब भी सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तब पराग को कप्तान के तौर पर अवसर दिये गये ताकि वह कमान संभालने के लिए तैयार रहें। उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी। उन मुकाबलों में टीम को केवल दो में ही जीत मिलीं पर पराग के आंकड़े अच्छे रहे।

उन्होंने 38.57 की औसत से रन बनाए और कई अच्छी पारियां खेलीं। इससे उनकी बल्लेबाजी में परिपक्वता और दबाव को झेलने की क्षमता दिखी। वहीं पराग का मानना है कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने का नाम नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तेज और रणनीतिक रूप से सजग रहने का खेल है। टीम संयोजन चाहे जैसा भी हो, वह जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं।साल 2025 के अंत में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पद छोड़ने के बाद रायल्स की मुश्किलें बढ़ गयी थीं और ऐसे में देखना होगा कि नये कप्तान के तौर पर पराग कितने सफल रहते हैं।

भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते दिखे शोएब अख्तर

लाहौर। भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्वकप जीत पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तार की जो प्रतिक्रिया आई है। उससे वह जलेभुने और संशय में घिरे नजर आते आते है। एक तरफ तो वह टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं, वहीं दूसरी और टीम और भारतीय क्रिकेट ढ़ांचे की प्रशंसा करते हैं। भारतीय टीम के लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप विजेता बनने पर अख्तर ने एक शो के दौरान भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत पर मजाकिया अंदाज में टिप्पण कर इस सफलता को कम आंकने का प्रयास किसा। अख्तर ने कहा, 'भारतीय टीम ने प्रयास किया जैसे अमीर बच्चा नहीं होता मोहल्ले में, जो सारे गरीब बच्चों को बुला लेता है कि आओ क्रिकेट खेले। जीतना हालांकि मैंने ही है। भारतीय टीम भी वही कर रही है हमारे साथ। 8 टीम में से 4 रह गई हैं, उनको हराकर कहती है, लो मैं जीत गया। क्रिकेट भी खत्म कर दिया गया।' अख्तर ने जब ये बात कहते हैं तब

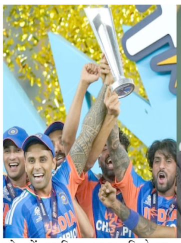

शो में शामिल अन्य क्रिकेटर सना मीर, मोहम्मद हफीज, उमर गुल और सकलैन मुश्ताक हंसने लगते हैं। शोएब इस प्रकार मजाक में भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं। वहीं उसी शो पर भारतीय टीम की तारीफ भी करते हैं।

अख्तर ने कहा, 'ये जीत भारतीय बोर्ड की नीतियों, सिस्टम और मेरिट का परिरणाम है। वहीं ये भी हो सकता था कि पैसे का सही जगह पर इस्तेमाल नहीं होता। कोच गौतम गंभीर ने जोखिम लिया और संजू सैमसन को टीम में लाए। अभिषेक शर्मा युवा है और अपनी ही शैली में खेलते हैं हालांकि उन्हें बहुत कुछ सीखने की जरूरत है पर सैमसन बहुत ही परिपक्व है।' अख्तर ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, भारतीय टीम प्रबंधन ने दिखाया कि कैसे सही खिलाड़ियों को अवसर दिए जाते हैं। इस कारण रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भी टीम पर प्रभाव नीं पड़ा और वह विश्वकप जीतने में सफल रही।

ईशान ने टी20 विश्वकप जीत चचेरी बहन को समर्पित की

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के बल्लेबाज ईशान किशन ने टी20 विश्वकप में शानदार बल्लेबाजी कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। ईशान ने जीत के बाद खुलासा किया कि टूर्नामेंट के दौरान ही उन्हें अपनी चचेरी बहन की कार हादसे में मौत की खबर मिली थी जिसके बाद हार्दिक पंड्या ने उन्हें दिलासा दिया है और कहा था कि टूर्नामेंट में जीत दर्ज करो। इसी कारण वह खिताबी जीत अपनी बहन को समर्पित करते हैं। ईशान ने मैच के बाद कहा, 卐 टूर्नामेंट के दौरान ही खिताबी मुकाबले से पहले एक कार हादसे में मेरी कजिन बहन की मौत हो गई थी। मैंने उसके लिए अच्छा खेला। मैंने हार्दिक भाई से बात की, उन्होंने कहा कि टीम को आगे रखो। मैं यह जीत उसे समर्पित करता हूं, महिला दिवस के दिन मिली जीत और भी खास हो गयी है। विश्वकप में ईशान को अवसर शुभमन गिल की जगह मिला था और उन्होंने इसका पूरा लाभ उठाया।

एएफसी एशियाई कप फुटबॉल में आज चीनी ताइपे से होगा भारतीय टीम का मुकाबला

होबर्ट । ऑस्ट्रेलिया में जारी एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल में भारतीय महिला फुटबॉल टीम मंगलवार को चीनी ताइपे से खेलेगी। भारतीय टीम के लिए ये मैच बेहद अहम है। उसे क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखने के लिए ये अंतिम ग्रुप मैच दो गोल के अंतर से जीतना होगा। इसके अलावा कुछ अन्य परिणाम उसके अनुसार रहने की उम्मीद करनी होगी। भारतीय टीम के लिए हालांकि अपने से ऊंची रैंकिंग वाली चीनी ताइपे को हराना आसान नहीं होगा। चीनी ताइपे ने एक अन्य मैच में चीन को 1-0 से हराया है जिससे उसके लय में होने को अंदाजा होता है।

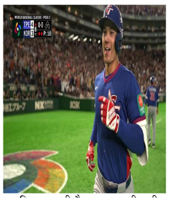

भारतीय टीम अपने पहले मैच में वियतनाम से 1-2 से हार गयी थी। वहीं दूसरी मैच में उसे जापान से 11-0 से हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उसे चीनी ताइपे को हराने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। जापान के हाथों भारतीय टीम को 11-0 से हार का सामना करना पड़ा है। इस प्रकार शुरुआती दो मैच हाकर भारतीय टीम ग्रुप सी में अंतिम स्थान पर फिसल गयी है। अब भारतीय टीम को अर क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखनी है। तो उसे 10 मार्च को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबले में बड़ी जीत हासिल करनी होगी। चीनी ताइपे ने एक अन्य मैच में चीन को 1-0 से हराया है जिससे उसके लय में होने को अंदजा होता है। भारतीय महिला फुटबॉल टीम जापान के खिलाफ मुकाबले में लय में नहीं दिखी। पूर्व चैंपियन जापान मैच शुरू के बाद ही हावी हो गयी। उसने शुरूआती हाफ में ही 5-0 की बढ़त के साथ ही अपनी जीत की संभावना पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल किये।

जापान के खिलाफ इस मैच में भारतीय टीम कहीं भी मुकाबले में नहीं दिखी। इससे साफ है कि भारतीय टीम को अभी काफी सुधार की जरुरत है। दो बार की विजेता जापान ने मैच में अधिकतरा समय गेंद अपने पास रखी। वहीं चार महीने के बाद अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में कही नहीं दिखी। जापान की ओर से युजुकी यामामोटो ने चौथे मिनट, युई हसेगावा ने 13वें, हिनाता मियाजावा ने 20वें, 35वें, 81वें, किको सेइके ने 45वें, 55वें, जबकि रिको उईकी ने 47वें, 50वें, 65वें और माया हिजिकाता ने 62वें मिनट में गोल किये। अब भारतीय टीम को अपनी आगे की संभावनाएं बनाये रखने के लिए अपने अंतिम ग्रुप मैच में चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल के अंतर से हराना होगा।

धोनी ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा, आपकी मुस्कान शानदार लग रही

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार जताया है। धोनी फाइनल के दौरान वीवीआईपी बॉक्स में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ बैठे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी भी व्यक्त की है। धोनी ने लिखा, 卐कोच साहब, आपकी मुस्कान बहुत शानदार लग रही है। मुस्कान के साथ आपकी जीत कमाल की है, बहुत अच्छा किया।, गौरतलब है कि गंभीर की छवि काफी सख्त कोच की रही है और वह अपने नाम के अनुरुप हमेशा ही गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। इसके अलावा धोनी से भी उनके संबंध अच्छे नहीं माने जाते रहे हैं।

धोनी ने इस बार गर्मजोशी से गंभीर के प्रति अपनी बात कही है। उन्होंने टीम में नए नेतृत्व के तहत हुए बदलाव को भी सही बताया। उन्होंने साथ ही लिखा, अहमदाबाद में इतिहास बन गया। टीम, सहयोग स्टाफ और भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते देखना बहुत खुशी की बात है। कोच साहब वाली टिप्पणी मजाकिया अंदाज में गंभीर के लिए थी, जो गंभीर छवि के लिए जाने जाते हैं।

धोनी की गंभीर की जीत के बाद मुस्कान पर की गई मजाकिया टिप्पणी से भी पता चलता है कि दोनों के बीच मतभेद की जो बातें आती रही हैं। वे सभी गलत हैं। सोशल मीडिया पर आम तौर पर गंभीर और धोनी को अच्छा दोस्त नहीं माना जाता पर इन दोनो ने ही कई बार उन्होंने इन अफवाहों को गलत साबित किया है।

धोनी ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा की है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को अपनी गेंदबाजी से ढ़हा दिया था। इसी को देखते हुए धोनी ने लिखा- बुमराह के बारे में कुछ ना लिखूं तो ही अच्छा है चैंपियन गेंदबाज। इससे साफ है कि बुमराह के बारे में कुछ भी लिखना बेकार है।

सूर्यकुमार विश्व क्रिकेट के सबसे सफल टी20 कप्तान बने

मुम्बई। भारतीय टीम की टी20 विश्वकप में खिताबी जीत के साथ ही सूर्यकुमार यादव इस प्रारुप के सबसे सफल कप्तान बन गये हैं। एशिया कप और टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव का जीत का औसत टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक है। इसी के साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का रिकार्ड भी तोड़ दिया।

अब तक टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अच्छा जीत प्रतिशत रोहित शर्मा के नाम था पर टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीतते ही सूर्यकुमार ने रोहित को पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार ने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए 42 मैच उन्होंने जीते हैं और केवल 8 मैचों में वह हारे हैं। 2 मैचों के परिणाम नहीं निकले हैं। उनका जीत प्रतिशत बतौर कप्तान 80.77 का है।

वहीं रोहित ने भारत को 80.65 फीसदी मैच जिताए हैं। रोहित ने 62 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से 50 मैचों में टीम को सफलता मिली है, जबकि 12 मुकाबले भारतीय टीम हारी है। इस सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के कप्तान सरफराज अहमद हैं, जिन्होंने 78.38 फीसदी मैच पाकिस्तान को जिताए थे। 37 मैचों में से 29 मैचों में उनकी टीम को जीत मिली थी। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श चौथे स्थान पर हैं, जिनका जीत प्रतिशत 69.23 का है। 39 मैचों में से 27 मैचों में उन्होंने टीम को जीत दिलाई है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ का जीत प्रतिशत 66.67 फीसदी है। उन्होंने 27 मैचों में से 18 मैचों में अपनी टीम को जीत दिलायी है।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें

वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ।

बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की। एक रिपोर्ट के अनुसार , अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, आज मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की, इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं। सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया। अभिषेक ने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत दिलाई थी। वह 21 गेंदों में 52 रनों की पारी खेलकर पेवेलियन लौट पर तब तक भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत मिल गयी थी। इस पारी से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। वहीं टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए अच्छी नहीं रही थी।

पहली तीन पारियों में तो वह शून्य पर ही आउट हो गये थे। चौथे मैच में भी केवल 15 रन ही बना पाये। एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 55 रन बनाये पर सुपर 8 के आखिरी मैच में सिर्फ 10 रन बना सके। सेमीफाइनल में भी अभिषेक केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में उन पर दबाव था कि फाइनल मैच में कुछ बड़ा करें जिसमें वह सफल रहे।

लक्ष्य सेन ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में हारे

बर्मिंघम। भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ लक्ष्य सेन का एक बार फिर ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतने का सपना टूट गया है। लक्ष्य को पुरुष एकल फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन-यी ने 15-21, 20-22 से हराया। यह मुकाबला बर्मिंघम में खेला गया।

लक्ष्य सेन ने इससे पहले सेमीफाइनल में कनाडा के विक्टर लाई को 1 -16, 18-21, 21-15 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी थी। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह खिताब जीतेंगे। पहले गेम में चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने थोड़ी आसानी से जीत दर्ज की पर दूसरे गेम में लक्ष्य ने जबदरस्त टक्कर दी हालांकि, वह इस गेम को जीत नहीं सके और उन्हें सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा है। ये दूसरी बार है जब लक्ष्य ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में हारे हैं। इससे पहले वह साल 2022 में वह भी फाइनल में डेनमार्क के विक्टर एक्सलसेन के हाथों हार गये थे। लक्ष्य को इससे पहले उन्हें इंडिया ओपन के क्वार्टरफाइनल में भी लिन ने ही हराया था।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट (म.प्र.)

Office e-mail -modgmbal@mp.gov.in

क्रमांक/ 297 /खनिज/2026 बालाघाट, दिनांक 02/03/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत
उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, मेर्सस जगसन्स इन्डस्ट्रीज निवासी गर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 21.02.2026 को प्रस्तुत किया गया है। विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे। .

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हे. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
बालाघाट	बालाघाट	धनसुआ	336/1/4/1	0.416 हे.	निजी	मिट्टी (कवेलू निर्माण)	आवेदक के पक्ष में पूर्व से उत्खनिपट्टा स्वीकृत है। आवेदक द्वारा नवकरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
			कुल रकबा	0.416 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि तक (कार्यालय समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करनें हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 तहत् अधिमान्यता तय करने की आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जी- 26974/25

उप संचालक
(खनि प्रशासन)
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

'स्वच्छता ही सेवा'

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट (म.प्र.)

Office e-mail -modgmbal@mp.gov.in

क्रमांक/ 305 /खनिज/2026 बालाघाट, दिनांक 06/03/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत
उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री हुकुमचंद पंचेश्वर निवासी-वार्ड नं. 05 ग्राम अतरी पोष्ट घोटी तह. लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 25.02.2026 को प्रस्तुत किया गया है। विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हे. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
बालाघाट	बैहर	लहंगाकन्हार	51/1	3.500 हे.	शासकीय	गिट्टी, बोल्डर	चरनोई भूमि
			कुल रकबा	3.500 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि तक (कार्यालय समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करनें हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 तहत् अधिमान्यता तय करने की आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जी- 26963/25

उप संचालक
(खनि प्रशासन)
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

'स्वच्छता ही सेवा'

आदिवासी अंचल में पलायन की मजबूरी

आजीविका के अभाव में मौसमी और स्थायी पलायन बनी गंभीर समस्या

भोपाल। मप्र के आदिवासी अंचलों (विशेषकर झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन और डिंडोरी) में लोग आजीविका के अभाव में मौसमी और स्थायी पलायन के गंभीर शिकार हैं। एक अनुमान के अनुसार, इन क्षेत्रों की एक बड़ी आबादी काम की तलाश में शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर है। यह पलायन कृषि पर निर्भरता, गरीबी और वन संसाधनों में कमी के कारण होता है। आदिवासियों के पलायन की कई वजहें हैं। अधिकांश आदिवासी क्षेत्रों में खेती केवल मानसून पर निर्भर है, जिससे साल के बाकी महीनों में वे बेरोजगार हो जाते हैं और पलायन करते हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों की कमी और कर्ज का बोझ उन्हें मजबूरी में पलायन करने के लिए प्रेरित करता है। जानकारी के अनुसार पारंपरिक आजीविका के साधन (जंगल और वन उपज) कम होने से भी लोग रोजी-रोटी के लिए शहरों की ओर रुख कर रहे हैं। वहीं विकास, बांध, और वन्यजीव अभयारण्य के कारण कई बार आदिवासियों को अपनी जमीन और घर छोड़कर विस्थापित होना पड़ता है। रोजगार के अन्य साधन न होने के कारण भी वे अकुशल श्रमिक के रूप में काम करने के लिए मजबूर होते हैं।

आदिवासियों के पलायन के तीन स्वरूप हैं। मौसमी पलायन को स्थानीय भाषा में नवाडभी कहा जा सकता है, जहां लोग फसल कटने के बाद नवंबर से जून के बीच काम की तलाश में जाते हैं। वहीं कुछ परिवार काम की तलाश में स्थायी रूप

से शहरों में बस जाते हैं, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में उनके पास आजीविका के साधन नहीं बचते। वहीं गंतव्य पलायन के तहत वे मुख्य रूप से इंदौर, भोपाल, मुंबई, गुजरात और राजस्थान जैसे निकटवर्ती शहरों में ईंट भट्ठों, निर्माण स्थलों, और ढाबों पर अकुशल श्रमिक के रूप में काम करते हैं। पलायन करने वाले आदिवासी परिवारों को अक्सर कम मजदूरी, बाल श्रम और ठेकेदारों के शोषण का सामना करना पड़ता है। स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और पलायन के कारण बच्चों की शिक्षा में बाधा उत्पन्न होती है, जिससे वे कुपोषण और बीमारी के शिकार होते हैं। मौसमी और स्थायी पलायन को लेकर सरकार भी चिंतित है, तो राजनैतिक दलों में भी अपना वोट बैंक खिसकने का डर सता रहा है। हालांकि पिछले दो वर्षों में मौजूदा सरकार ने इस स्थिति को थामने के प्रयास किए हैं, जिस पर अभी और काम होना बाकी है। जानकारों की मानें तो श्योपुर सहित कुछ अन्य आदिवासी अंचलों से युवा राजस्थान या दूसरे प्रांतों में मौसमी पलायन कर जाते हैं। यानि ये युवा स्थानीय स्तर पर रोजगार नहीं मिलने की वजह से पड़ोसी राज्यों में फसलों की कटाई के लिए कई महीनों तक अपना घर-बार छोड़ देते हैं। बताया गया है कि इनमें कई युवा दूसरे प्रांतों में कटाई करने के साथ-साथ वहां पर स्थानीय रोजगार तलाशने लगते हैं, जिससे वे वहीं रहने लगते हैं, यानि कि मौसमी पलायन स्थायी पलायन में तब्दील हो जाता है।

केंद्र सरकार की रिपोर्ट में सामने आई हकीकत

गौरतलब है कि वर्ष 2011 की जनसंख्या के आधार पर राज्य की कुल आबादी का 21.1 प्रतिशत आदिवासी हैं। यानि 1.53 करोड़ आदिवासी समुदाय के लोग मध्यप्रदेश में निवास करते हैं, यह देश के दूसरे राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है। अगर आदिवासी जाति वर्ग के हिसाब से देखा जाए, तो प्रदेश में भील सबसे बड़ी जाति है, इसके बाद गौड़ हैं। इनके अलावा सहरिया, कोटकू और बैगा व अन्य जनजातियां आती हैं। झाबुआ, धार, बड़वानी, खरगौन, डिंडोरी, श्योपुर, शहडोल और आलीराजपुर जैसे जिलों के कुछ अंचलों में आदिवासी आबादी 50 प्रतिशत से ज्यादा है। देश भर के आदिवासी अंचलों से जनजातियों का शहरों की ओर पलायन को लेकर वर्ष 2018 में केन्द्र सरकार की जनजातीय स्वास्थ्य पर विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में भी इस बात का उल्लेख किया गया था कि जनजातीय क्षेत्रों से पलायन जैसी स्थिति है। इसमें मध्यप्रदेश भी शामिल है। इसके पीछे आदिवासी अंचलों में खनन, विस्थापन और वन पट्टे निरस्त होने जैसे कारण बताए गए हैं। मध्यप्रदेश में भी पिछले 4 वर्षों में 1,30 हजार हेक्टेयर से अधिक आदिवासी बाहुल्य भूमि खनन के लिए आरक्षित की गई है। इसी तरह 11 नए अभयारण्यों के निर्माण के कारण 22 प्रतिशत आदिवासी आबादी पर विस्थापन का भी खतरा उत्पन्न होने की वजह से संबंधित क्षेत्रों से भी पलायन जैसी स्थिति निर्मित हुई है।

पलायन रोकने सरकार ने उठाए कदम

जानकारों की मानें तो मौजूदा सरकार ने इस दिशा में गहराई से अध्ययन करने के उपरांत पलायन रोकने की दिशा में रणनीति के तहत काम किया है। इसका असर भी कुछ जिलों में हुआ है। विशेषकर सरकार स्थानीय रोजगार की उपलब्धता को सुनिश्चित करने कई तरह की योजनाएं संचालित कर रही है। युवाओं को जहां इन योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया है, तो वहीं युवाओं को उनके कौशल के आधार पर उन्हें प्रशिक्षित कर रोजगार से जोड़ने के लिए भी काम किया जा रहा है। लेकिन अभी भी सरकार को अपने तय लक्ष्य को पाने के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे। राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी का कहना है कि कुछ वर्षों में जिस तरह से आदिवासी अंचलों में लिफ्ट एरिगेशन के जरिए खेतों में सिंचाई की सुविधाएं बढ़ी हैं, उससे आदिवासी खेतों में साल में दो फसलों की खेती करने लगे हैं। इसी तरह इन क्षेत्रों में अधोसंरचना के कार्यों में तेजी होने से मानव संसाधन की वजह से पलायन में काफी कमी आई है। सरकार के हालिया सर्वे को मानें तो खेती किसानी की वजह से पलायन करने वाले आदिवासियों की संख्या न्यूनतम तक पहुंच गई है। धार, मनासा और दूसरे क्षेत्रों में औद्योगिक संस्थानों के स्थापित होने ने भी आदिवासी पलायन को रोक दिया है।

झूठों के बाज़ार में सच का व्यापार नहीं करता,
मैं अपने नाम का झूठा प्रचार नहीं करता।
— कवि हेमंत ईमानदार, आमगांव

महिला दिवस पर भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के पावन अवसर पर नारी शक्ति लोधी समाज, गोंदिया द्वारा 8 मार्च 2026 को एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम साहित्य, संस्कृति और नारी सम्मान का अद्भुत संगम बनकर उभरा, जिसमें उपस्थित श्रोताओं ने कविताओं के माध्यम से समाज की संवेदनाओं को गहराई से महसूस किया।

कार्यक्रम की शुरुआत आमगांव के सुप्रसिद्ध कवि हेमंत ईमानदार की ओजस्वी और प्रेरणादायी पंक्तियों से हुई—

झूठों के बाज़ार में सच का व्यापार नहीं करता,
मैं अपने नाम का झूठा प्रचार नहीं करता।
जो दिल में रहता है वही मंचों से कह देता हूँ,
इसलिए ईमानदार हूँ जनाब, मैं झूठ का सिंगार नहीं करता।

इन प्रभावशाली पंक्तियों ने पूरे सभागार में जोश, ऊर्जा और उत्साह का वातावरण बना दिया।

इस अवसर पर माननीय विधायक विनोद अग्रवाल जी की धर्मपत्नी श्रीमती सविता विनोद अग्रवाल तथा नगर अध्यक्ष सचिन शेंडे जी की धर्मपत्नी श्रीमती आशा सचिन शेंडे की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम का सफल संयोजन एवं प्रभावशाली संचालन आमगांव के लोकप्रिय कवि हेमंत ईमानदार द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने सशक्त मंच संचालन से पूरे आयोजन को आकर्षक और जीवंत बनाए रखा।

नागपुर से पधारी कवयित्री मंजू कारेमोरे पुष्प ने महिलाओं की स्थिति और संवेदनाओं पर आधारित अपनी चर्चित कविता ऊपिंजराऊ का भावपूर्ण पाठ कर श्रोताओं को भावुक कर दिया। उनकी कविता ने समाज में महिला सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश दिया।

वहीं मॉयल नगरी भरवेली (बालाघाट) से आए कवि चंद्रेश तूफानी ने अपनी दमदार कविता हर घर में रावण देखा सुनाकर सामाजिक विसंगतियों पर करारा प्रहार किया, जिसे श्रोताओं ने जोरदार तालियों और वाहवाही के साथ सराहा।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नारी शक्ति समिति, लोधी समाज गोंदिया का विशेष योगदान रहा। साथ ही मिलन समारोह समिति, गोंदिया एवं समाज के सभी पदाधिकारीगणों के सहयोग से यह आयोजन अत्यंत सफल और यादगार बन गया।

महिला दिवस के इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन ने न केवल साहित्यिक वातावरण को समृद्ध किया, बल्कि समाज में नारी सम्मान और जागरूकता का सशक्त संदेश भी दिया।

अगर आप चाहें तो मैं इसे अखबार में छपने लायक और भी प्रोफेशनल न्यूज़ फॉर्मेट में या और ज्यादा साहित्यिक शैली में भी बना सकता हूँ।

राज्यसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने तीन राज्यों में किए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त

नई दिल्ली। आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने बिहार, हरियाणा और ओडिशा के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर वरिष्ठ नेताओं को अहम जिम्मेदारियां सौंपी है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दी है। पार्टी की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक बिहार के लिए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के लिए गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सिंघवी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा ओडिशा में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय पर्यवेक्षक राज्यसभा चुनाव से जुड़े संगठनात्मक कार्यों की निगरानी करेंगे और राज्य इकाइयों के साथ समन्वय बनाकर उम्मीदवार चयन, रणनीति और चुनाव प्रबंधन की प्रक्रिया को सुचारु रूप से आगे बढ़ाएंगे।

ओम बिरला को हटाने प्रस्ताव तो ला सकता है विपक्ष, लेकिन नंबर गेम में हो जाएगा फेल

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो गया है। सत्र के पहले दिन दोनों ही सदनों में मिडिल ईस्ट पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष ने हंगामा किया। इस बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने पश्चिम एशिया के हालात पर बयान जारी किया। इस दौरान लोकसभा में ओम बिरला को अध्यक्ष पद से हटाने से संबंधित विपक्ष के प्रस्ताव पर भी चर्चा के आसार हैं।

अगर पीठासीन सभापति के बुलाने पर 50 सदस्य नोटिस के समर्थन में खड़े नहीं होते हैं, तब प्रस्ताव पेश नहीं किया जा सकता। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने लोकसभा सदस्यों को मुद्दे पर विचार के समय सदन में उपस्थित रहने को कह दिया है। हालांकि, सदन में संख्या बल के हिसाब से एनडीए सरकार का पक्ष काफी मजबूत है। इससे यह तय माना जा रहा है कि स्पीकर बिरला के खिलाफ लाया जाने वाला प्रस्ताव प्रतीकात्मक है, क्योंकि इसके पारित होने की संभावना बेहद कम है। बिरला को अध्यक्ष पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए कांग्रेस के तीन सदस्य मोहम्मद जावेद, के. सुरेश और मल्लू रवि सदन की अनुमति मांगने वाले हैं। कम से कम 50 सदस्यों का समर्थन मिलने के बाद ये प्रस्ताव सदन में चर्चा और मतदान के लिए रख सकते हैं। संविधान के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष नोटिस पर विचार किए जाने के दौरान सदन में उपस्थित रह सकते हैं। वह प्रस्ताव पर अपना पक्ष रख सकते हैं और मतदान भी कर सकते हैं, लेकिन जब इस विषय पर चर्चा होगी तब वे कार्यवाही की अध्यक्षता नहीं कर सकते। बिरला संभवतः सत्तापक्ष की प्रमुख पंक्तियों में बैठ सकते हैं, हालांकि नियम इस बारे में स्पष्ट नहीं हैं।

शिकायतें मिलने के बाद 260 प्रदूषण जांच केंद्रों की संघन जांच करेगा परिवहन विभाग

गाजियाबाद। जिले में संचालित 260 प्रदूषण जांच केंद्रों की परिवहन विभाग द्वारा सघन जांच शुरू करेगा। केंद्रों पर लगी प्रदूषण जांच मशीनों की कार्यक्षमता और जांच करने वाले ऑपरेटरों की योग्यता की पड़ताल की जाएगी। एआरटीओ ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान यह विशेष रूप से देखा जाएगा कि प्रदूषण जांच के लिए लगाई गई मशीनें सही ढंग से काम कर रही हैं या नहीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिवहन विभाग को जांच प्रक्रिया में अनियमितता की शिकायतें मिली थीं, जिसके बाद यह अभियान चलाने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा यह भी जांचा जाएगा कि प्रदूषण जांच का कार्य प्रशिक्षित ऑपरेटर द्वारा ही किया जा रहा है या नहीं। नियमों के मुताबिक प्रत्येक प्रदूषण जांच केंद्र पर प्रशिक्षित और अधिकृत व्यक्ति का होना जरूरी है। यदि जांच में पाया गया कि बिना प्रशिक्षण के व्यक्ति द्वारा जांच की जा रही है या मशीनें मानक के अनुरूप कार्य नहीं कर रही हैं, तो संबंधित केंद्र के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान मशीनों के मापन सटीकता की जांच, रिकॉर्ड और संचालन व्यवस्था की भी जांच की जाएगी, ताकि यह तय किया जा सके कि वाहनों की प्रदूषण जांच सही और पारदर्शी तरीके से हो रही है। केंद्रों की जांच प्रक्रिया में एआरटीओ और आरआई शामिल रहेंगे। जिले में कई प्रदूषण जांच केंद्रों पर बिना वाहन की सही जांच किए ही प्रदूषण प्रमाण पत्र जारी करने की शिकायतें भी सामने आई हैं। कुछ केंद्रों पर केवल औपचारिकता पूरी कर वाहन मालिकों को प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाता है।

अब सुप्रीम कोर्ट के जज ने उठा दिए कॉलेजियम सिस्टम पर सवाल....पता नहीं कहां होती हैं बैठक

सिस्टम को लेकर पहले भी कई बार शीर्ष न्यायपालिका पर सवाल उठे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कॉलेजियम सिस्टम के कार्य प्रणाली पर यह कहकर सवाल उठा दिए हैं कि इसमें पारदर्शिता की बहुत कमी है। एक कार्यक्रम में जस्टिस दत्ता ने इस सिस्टम को लेकर अपनी चिंता जाहिर की।

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस दत्ता ने कॉलेजियम सिस्टम को लेकर जो कुछ भी भावनाएं जाहिर की हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति और ट्रांसफर पोस्टिंग की सिफारिश करने वाले कॉलेजियम सिस्टम पर बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है। क्योंकि, अब खुद सुप्रीम कोर्ट के जज ने इस सिस्टम पर प्रश्न उठाए हैं, इस सिस्टम को लेकर पहले भी कई बार शीर्ष न्यायपालिका पर सवाल

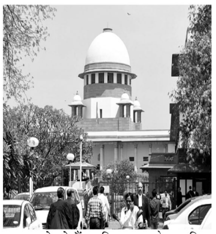

उठाए जाते रहे हैं। जस्टिस दत्ता के मुताबिक पारदर्शिता की इतनी कमी है कि अक्सर जजों को भी बहुत कम स्पष्टता होती है कि कॉलेजियम काम कैसे करता है और इसकी बैठकें कहां होती हैं। उन्होंने कहा, आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि न सिर्फ हम जानते हैं कि क्या हो रहा है...हम ये तक नहीं जानते कि कॉलेजियम बैठता कहां है।

सुप्रीम कोर्ट में आने से पहले बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रह चुके दत्ता ने कहा कि न्यायिक नियुक्तियां जेंडर की संख्या के बजाए मैरिट के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने कहा, जब हाई कोर्ट के जजों के पद पर प्रमोशन की बात आती है, तब मैं नंबरों पर नहीं जाऊंगा। ऐसा नहीं कि 50 में से महिलाओं को 25 क्यों नहीं मिल सकते, 30 क्यों नहीं दिए जा सकते? यह जेंडर न्यूट्रलिटी है। हमें मैरिट पर जाना चाहिए। जस्टिस दत्ता का कहना है कि बेंच में प्रमोशन के लिए व्यक्ति की क्षमता, ईमानदारी और उसके स्वभाव को ध्यान में रखना चाहिए। उनके मुताबिक, मैं प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व के खिलाफ हूं। अगर कोई जज बनने लायक है, उसे मौका मिलना चाहिए।

कॉलेजियम सिस्टम क्या है

कॉलेजियम सिस्टम से ही हायर जुडिशरी में जजों की नियुक्ति और ट्रांसफर होती है। कॉलेजियम सिस्टम को न संसद ने कानून पास करके बनाया है और न ही यह संवैधानिक प्रावधान है। कॉलेजियम सिस्टम ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों से आकार लिया है, जिसमें पांच वरिष्ठ जज शामिल होते हैं। कॉलेजियम सिस्टम की अगुवाई भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) करते हैं।

मप्र में कैग की रिपोर्ट में बड़ी टैक्स चोरी का खुलासा...

छोटे वाहनों से कर दिया कई क्विंटल आटे का ट्रांसपोर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश कई मामलों में गजब है। अब एक गजब कारनामा फिर सामने आया है। मध्य प्रदेश में व्यापारियों ने 74 क्विंटल से ज्यादा आटा ऑटो से ही परिवहन कर डाला। यही नहीं 300 क्विंटल आटा और तिलहन को कार से दिल्ली तक भेज दिया। जीएसटी में चोरी का यह कारनामा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने पकड़ा है। जीएसटी के रिपोर्ट में सामने आया है कि व्यापारियों ने टैक्स बचाने के लिए स्कूटर तक पर ईवे बिल जनरेट कर डाले और इन पर भारी भरकम सामान का परिवहन भी दिखा दिया। सीएजी ने इसे वाहनों की क्षमता से परे बताते हुए टैक्स में चोरी बताया है।

सीएजी ने टैक्स चोरी के लिए संदिग्ध परिवहन के कई मामले पकड़े हैं। सीएजी की रिपोर्ट में सामने आया है कि व्यापारियों ने एक्टिवा, चोरी के वाहन, ब्लैकलिस्टिड वाहन और कार तक से परिवहन दिखाया। इंदौर 3 वृत के एक प्रकरण में सामने आया कि दो पहिया वाहन क्रमांक एमएच-46 बीजी 2879 से 7556 चादरों का परिवहन दिखाया गया।

डेटाबेस के साथ वाहन का मिलान, निकली गड़बड़ी

ऑडिट विभाग के अधिकारियों ने जब इस वाहन नंबर का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के वाहन डेटाबेस के साथ वाहन का मिलान किया, तो गड़बड़ी सामने आई। पता चला कि जिस वाहन से 7 हजार 556 चादरों का परिवहन दिखाया गया, वह मोटर साइकिल/स्कूटर है। इसी तरह पीथमपुर में वाहन क्रमांक एमएच 46 बीएन 3925 से 335 किलो केमिकल का परिवहन दिखाया गया। जांच में यह वाहन हौंडा एक्टिवा निकली, इसी तरह कई और गड़बड़ियां सामने आई हैं। भोपाल 5 वृत में चोरी के वाहन से 310 क्विंटल सोयाबीन का परिवहन किया गया। इंदौर 12 वृत में कंडम वाहन जीजे 11 डब्ल्यू 2771 से 11 हजार 53 किलो मूंगफली का परिवहन दिखाया गया। इंदौर 12 में फिटनेस समाप्त हो चुके वाहन जीजे 03 टी 2451 से 13 हजार 85 किलो रूई का परिवहन दिखाया गया। इंदौर 5 में चोरी के वाहन क्रमांक एचआर 74ए9267 से 600 बॉक्स घी का परिवहन दिखाया गया। इंदौर 5 में फिटनेस खत्म हो चुके वाहन एचआर 74 ए 4446 से 600 बॉक्स घी का परिवहन दिखाया गया। इंदौर 12 वृत में फिटनेस खत्म हो चुके वाहन जीजे 03 एक्स 7987 से 15000 किलो ग्राम सामान का परिवहन दिखाया गया। जबकि वाहन की क्षमता ही 1200 किलो ग्राम की थी। मुरैना में ऑटो वाहन यूपी 80 बीटी 8160 से 7 हजार 480 किलो ग्राम आटा का परिवहन दिखाया गया। इंदौर 13 में यात्री कार एमपी 09एच 5012 मारुती 800 का उपयोग 300 क्विंटल आटा एवं तिलहन का परिवहन दिखाया गया। इंदौर से यह माल दिल्ली भेजना दिखाया गया, सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि, दिल्ली परिवहन के लिए ई वे बिल जनरेट किया गया, जिसकी टैक्सेबल वैल्यू 1.5 करोड़ और कर राशि 12.60 लाख थी। इस्तेमाल किया गया वाहन मारुति 800 था। यह लेन-देन नकली प्रतीत होता है, क्योंकि वस्तु की मात्रा वाहन की क्षमता से ज्यादा है। करदाता ने इस अवधि के लिए रिटर्न भी दाखिल नहीं किया है। उधर सीएजी की रिपोर्ट में बताया गया है कि, इनपुट टैक्स क्रेडिट, टैक्स मिलान करने पर 1636 करोड़ रुपए का मिसमैच पाया गया है। इसी तरह 36 टर्नओवर मिस मैच में 6 हजार 383 करोड़ रुपए का मिसमैच देखा गया है।

उधर, सीएजी द्वारा गड़बड़ी पकड़े जाने पर विभाग ने अपने जवाब में कहा कि, नवंबर 2024 में सिर्फ वाहन नंबरों की जानकारी दी गई थी।

अग्निवीर से सैन्य शक्ति हो रही कमजोर

पूर्व सैनिकों की दिव्यांग पेंशन पर इनकम टैक्स लगाने के फैसले का रिटायर्ड फौजियों ने किया विरोध, रिटायर्ड मेजर जनरल बोले

भोपाल। केंद्र सरकार के बजट में पूर्व सैनिकों की दिव्यांग पेंशन पर इनकम टैक्स लगाने के फैसले का रिटायर्ड फौजियों ने विरोध शुरू कर दिया है। कांग्रेस भूतपूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रिटायर्ड मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव ने भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। श्याम श्रीवास्तव ने कहा कि डिसेबिलिटी पेंशन उन सैनिकों को मिलती है, जो युद्ध में या किसी अन्य चोट के कारण दिव्यांग हो जाते हैं। ऐसे सैनिकों को सरकार की ओर से दिव्यांग पेंशन दी जाती है। यह मुख्य पेंशन का एक तय प्रतिशत होता है।

उन्होंने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों को मिलने वाली इस दिव्यांग पेंशन पर सरकार ने इस बजट में इनकम टैक्स लगा दिया है। यह सैनिकों पर भारी पड़ रहा है। सरकार दिव्यांग पेंशन से 30 प्रतिशत तक टैक्स लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि 1922 में बने पहले इनकम टैक्स एक्ट में यह प्रावधान था कि ऐसे सैनिकों की पेंशन पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। 104 साल बाद इस सरकार ने उस पेंशन पर भी टैक्स लगा दिया है। हम चाहते हैं कि सरकार पेंशन पर लगाया गया इनकम टैक्स वापस ले। आखिर सरकार पूर्व सैनिकों की पेंशन पर टैक्स लगाकर कितना पैसा कमा लेगी?

ईसीएचएस स्वास्थ्य योजना में बजट की कमी

पूर्व सैनिकों के लिए कैशलेस इलाज सुनिश्चित करने वाली ईसीएचएस योजना की बदहाल स्थिति पर भी चिंता जताई गई। आरोप लगाया गया कि 2025 के अंत से बजट में कटौती के कारण अस्पतालों के बिलों का भुगतान महीनों से लंबित है। इसके कारण कई निजी अस्पतालों ने पूर्व सैनिकों का इलाज करना बंद कर दिया है। सेना में चार साल की अस्थायी भर्ती वाली अग्निवीर योजना को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया गया। दावा किया गया कि अगले 8-10 सालों में भारतीय सेना में स्थायी सैनिकों की संख्या घटकर केवल 3.5 लाख रह जाएगी। कांग्रेस ने मांग की कि सभी अग्निवीरों को नियमित किया जाए, ताकि युवा भविष्य में कुंठा या अपराध की ओर न बढ़ें। श्याम श्रीवास्तव ने कहा कि अग्निवीर योजना में भर्ती के चार साल बाद 75 प्रतिशत सैनिकों को वापस कर दिया जाएगा। उन्हें कोई ग्रेच्युटी, पेंशन या शहीद अलाउंस नहीं मिलेगा। चार साल बाद उन्हें वापस भेज दिया जाएगा, फिर वे क्या करेंगे? उन्होंने कहा कि यदि इसी तरह भर्ती चलती रही, क्योंकि बाकी भर्तियां लगभग बंद कर दी गई हैं, तो धीरे-धीरे अग्निवीरों की संख्या बढ़ती जाएगी। जो सैनिक सिर्फ चार साल काम करेंगे। इससे स्थायी सैनिकों की संख्या लगातार घटती जाएगी। उन्होंने कहा कि आज भारतीय सेना में करीब 14 लाख सैनिक हैं। यदि यही व्यवस्था रही तो 10-11 साल बाद केवल करीब साढ़े तीन लाख स्थायी सैनिक ही बचेंगे, जो युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार होंगे, जबकि बाकी बड़ी संख्या में अग्निवीर होंगे।

सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ नहीं मिलने का आरोप

मध्य प्रदेश में पूर्व सैनिकों के लिए तृतीय श्रेणी में 10 प्रतिशत और चतुर्थ श्रेणी में 20 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। कांग्रेस का आरोप है कि विज्ञापनों में तो यह आरक्षण दिखाया जाता है, लेकिन चयन प्रक्रिया में वास्तविक लाभ नहीं दिया जाता, जिससे योग्य पूर्व सैनिक मुख्य सूची से बाहर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि सैनिकों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण का सही लाभ मिलता, तो पुलिस, राजस्व सहित कई विभागों में पूर्व सैनिक सेवाएं दे रहे होते। आज स्थिति यह है कि देश के लिए लड़ चुके सैनिक गार्ड की नौकरी करने को मजबूर हैं।

बालाघाट
मंगलवार 10 मार्च 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

हीरापुर में हनुमान जयंती पर चोला धारण को लेकर विवाद

साधक ने एसपी को सौंपा ज्ञापन, कुछ ग्रामीणों पर रोक लगाने का आरोप सरपंच प्रतिनिधि ने आरोपों को बताया निराधार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम पंचायत हीरापुर में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मुकुट धारण कर शोभायात्रा निकालने को लेकर एक बार फिर विवाद की स्थिति बन गई है। इस मामले में हनुमान जी का चोला धारण करने वाले एक साधक ने स्वयं पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक बालाघाट को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में साधक ने अपने ही क्षेत्र के कुछ ग्रामीणों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कुछ लोग उन्हें हनुमान जी का चोला धारण करने और परंपरागत रूप से मुकुट पहनकर शोभायात्रा निकालने से रोक रहे हैं। इस कारण क्षेत्र में अनावश्यक विवाद की स्थिति बन रही है। साधक ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाए ।

जिला मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत हीरापुर में पिछले कुछ वर्षों से हनुमान जयंती के अवसर पर हनुमान जी का चोला और मुकुट धारण करने को लेकर विवाद की स्थिति बनती रही है। इस वर्ष भी हनुमान जयंती से पहले इसी मुद्दे को लेकर फिर से मतभेद सामने आ गए हैं। आगामी 2 अप्रैल को हनुमान जयंती का आयोजन प्रस्तावित है, जिसके तहत हर वर्ष की तरह विष्णुधाम मंदिर से हनुमान जन्मोत्सव सेवा दल समिति द्वारा शोभायात्रा निकाली जाती है। इस शोभायात्रा में परंपरा के अनुसार एक साधक हनुमान जी का चोला और मुकुट धारण कर नगर भ्रमण करता है। इस बार इसी परंपरा को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। हनुमान जी का चोला धारण करने वाले निलेश सोनवाने ने आरोप लगाया है कि कुछ स्थानीय लोगों द्वारा उन्हें इस बार हनुमान जयंती पर मुकुट और चोला धारण करने से रोका जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने क्षेत्र के कुछ लोगों के नाम का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया है कि उन्हें धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने से रोका जा रहा है। निलेश सोनवाने का कहना है कि वे पिछले लगभग दो महीनों से हनुमान जन्मोत्सव की तैयारी के तहत ब्रह्मचर्य का पालन कर रहे हैं और नियमित रूप से मंदिर में पूजा पाठ कर रहे हैं। उनके अनुसार, अब कुछ लोग उन्हें चोला और मुकुट धारण करने से मना कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके द्वारा लगाए गए पोस्टर भी कुछ लोगों द्वारा हटाए और फाड़े जा रहे हैं। उन्हें वर्ग विशेष का बता कर चोला धारण करने से रोका जा रहा हैं , इन सभी बातों को लेकर उन्होंने 9 मार्च को जिला मुख्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपा और मामले में उचित कार्रवाई की मांग की।

लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं- अनिल बिसेन

इस पूरे मामले को लेकर जब भरवेली ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि अनिल बिसेन से चर्चा की गई तो उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि हीरापुर स्थित हनुमान मंदिर में वास्तव में विवाद की स्थिति इसलिए बनी है क्योंकि इस बार दो साधक हनुमान जी का पाठ कर चोला और मुकुट धारण करने की इच्छा जता रहे हैं। इसी विषय को लेकर सामाजिक स्तर पर बैठक भी आयोजित की गई थी, ताकि आपसी सहमति से समाधान निकाला जा सके। अनिल बिसेन के अनुसार बैठक में यह प्रस्ताव भी रखा गया था कि इस वर्ष एक साधक को मौका दिया जाए और अगले वर्ष दूसरे साधक को अवसर प्रदान किया जाए, जिससे विवाद समाप्त हो सके। लेकिन बैठक में निलेश सोनवाने द्वारा इस प्रस्ताव पर कोई सहमति नहीं दी गई और बिना समाधान के बैठक समाप्त हो गई। उनका कहना है कि उन्होंने केवल समझाइश देने का प्रयास किया था, लेकिन अब उन्हें ही इस मामले में निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी भी धार्मिक कार्यक्रम में हस्तक्षेप नहीं करते और उनके ऊपर लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि मंदिर में एक से अधिक मुकुट उपलब्ध होते तो दोनों साधक चोला धारण कर सकते थे, लेकिन फिलहाल मुकुट एक ही होने के कारण विवाद की स्थिति बनी है। उन्होंने अंत में कहा कि यह धार्मिक आयोजन है और इसमें हर व्यक्ति को भगवान की पूजा-अर्चना करने का अधिकार है। अब यह मामला प्रशासन के संज्ञान में पहुंच गया है और हनुमान जयंती से पहले दोनों पक्षों के बीच समाधान निकालने की आवश्यकता महसूस की जा रही है, ताकि धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

केंद्र की योजनाओं की समीक्षा के लिए बालाघाट पहुंची अधिकारियों की टीम

निरीक्षण से पहले विभागों में हलचल, नगरपालिका की कर्मचारी की तबीयत बिगड़ने की भी चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन और उनकी वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के लिए केंद्र स्तर के अधिकारियों का एक दल इन दिनों बालाघाट पहुंचा हुआ है। यह दल जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित केंद्र सरकार की योजनाओं की समीक्षा करेगा और यह भी देखेगा कि इन योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक बैठे पात्र हितग्राहियों तक किस प्रकार पहुंच रहा है।

केंद्र से आई टीम के दौरे को लेकर जिले के संबंधित विभागों में काफी हलचल देखी जा रही है। अधिकारी और कर्मचारी योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़ी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटे हुए हैं, ताकि निरीक्षण के दौरान किसी प्रकार की कमी सामने न आए। इसी बीच नगर पालिका से जुड़ी एक घटना भी चर्चा का विषय बन गई, जहां एक महिला कर्मचारी की अचानक तबीयत बिगड़ने की खबर सामने आई। सूत्रों के अनुसार 9 मार्च को नगर पालिका की एनुल्म शाखा में कार्यरत एक महिला कर्मचारी का स्वास्थ्य अचानक खराब हो गया, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। नगर पालिका कार्यालय में यह घटना दिनभर चर्चा का विषय बनी रही। कुछ लोगों का मानना है कि हाल ही में केंद्र की योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर बढ़े कार्यभार और दबाव के कारण कर्मचारी की तबीयत प्रभावित हुई हो सकती है, हालांकि इस संबंध में आधिकारिक रूप से कोई पुष्टि नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि केंद्र से आने वाली अधिकारियों की टीम के दौरे की जानकारी लगभग एक सप्ताह पहले ही जिले के संबंधित विभागों को मिल गई थी। इसके बाद से ही विभागीय स्तर पर योजनाओं की प्रगति और व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई थीं। नगरीय क्षेत्र में केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन को प्रदर्शित करने के लिए नगर पालिका द्वारा भी विशेष तैयारियां की गई हैं। इसके तहत शहर के मोती गार्डन सहित स्टेडियम में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जहां केंद्र सरकार की योजनाओं से जुड़े कार्यों का प्रदर्शन किया जाएगा। इन स्थलों का निरीक्षण भी केंद्र से आए अधिकारियों का दल करेगा। 10 मार्च को आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों के माध्यम से नगरीय क्षेत्र में संचालित योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की जाएगी।

टिंगीपुर में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम टिंगीपुर में इसी ग्राम के व्यक्ति प्रेमलाल पिता मानक राम गुरबेले 55 वर्ष की फांसी लगाने से मौत हो गई।। इस व्यक्ति द्वारा मानसिक संतुलन ठीक नहीं होने की वजह से फांसी लगाने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमलाल परिवार के साथ खेती मजदूरी करता था जिसके परिवार में पत्नी तीन लड़की और एक लड़का है। सभी की शादी हो चुकी है। बताया गया की 10 साल पहले से प्रेमलाल का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था और वह ज्यादा किसी से बातचीत नहीं करता था ।जिसका इलाज परिजनों ने देसी जड़ी बूटी से करवाए थे। किंतु वह ठीक नहीं हो पाया था। 8 मार्च की रात्रि जब परिवार के लोग मैच देख रहे थे। उस समय प्रेमलाल घर में था। 9 मार्च को सुबह प्रेमलाल घर में नहीं दिखाई दिया। गांव के खेरमाई मंदिर के पीछे खेत में एक व्यक्ति की फांसी पर लटकी हुई लाश देखी गई।। खबर मिलते ही गांव मोहल्ले और परिवार के लोग पहुंचे। जिन्होंने इस व्यक्ति की पहचान प्रेमलाल गुरबेले के नाम से की गुई। 8 एवं 9 मार्च की दरमियानी रात इस व्यक्ति ने पेड़ में नायलॉन की रस्सी बांधकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसकी रिपोर्ट उसके भतीजे रंगलाल गरबेले ने मलाजखंड थाना में की थी। जहां से सहायक उप निरीक्षक मनोज मांगरे ने मौके पर पहुंच कर मृतक प्रेमलाल का शव पेड़ से उतरवाए और पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिए। इस व्यक्ति द्वारा मानसिक संतुलन ठीक नहीं होने की वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। आगे मर्ग जांच की जा रही है।

पात्रता परीक्षा के आदेश से शिक्षकों में नाराजगी

विभाग के निर्देश के बाद जिले के हजारों शिक्षक प्रभावित, जुलाई-अगस्त में संभावित परीक्षा को लेकर शिक्षकों में आक्रोश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा हाल ही में एक पत्र जारी कर माध्यमिक और प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की पात्रता परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस आदेश के बाद शिक्षा विभाग के शिक्षकों में सरकार के प्रति नाराजगी देखी जा रही है। बताया जा रहा है कि इस आदेश के तहत जिले भर के लगभग चार हजार से अधिक शिक्षकों को अपनी पात्रता प्रमाणित करने के लिए विभाग के समक्ष पात्रता परीक्षा देनी होगी। यानी वर्तमान में स्कूलों में बच्चों को पढ़ा रहे शिक्षकों को भी अब इस परीक्षा के लिए तैयारी करनी पड़ेगी। जारी पत्र के अनुसार यह पात्रता परीक्षा जुलाई और अगस्त माह में आयोजित किए जाने की संभावना जताई गई है। परीक्षा की तैयारी और प्रक्रिया को लेकर शिक्षा विभाग स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने की बात भी सामने आई है। इस आदेश को लेकर शिक्षा विभाग के विभिन्न शिक्षक संगठनों और शिक्षकों के बीच असंतोष का माहौल है।

अभी कुछ दिन पहले लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया गया है। यह निर्देश न्यायालय द्वारा पारित आदेश के पालन में जारी किया गया है, जिसमें प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को पात्रता परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कहा गया है। आदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का हवाला देते हुए कहा गया है कि प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में अध्यापन कर रहे शिक्षकों को अपनी पात्रता सिद्ध करने के लिए निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा। इस आदेश के बाद जिले के शिक्षकों में विभाग और सरकार के प्रति असंतोष का माहौल देखने को मिल रहा है। कई शिक्षकों का कहना है कि न्यायालय के आदेश के बाद सरकार को शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए कोई सकारात्मक कदम उठाना चाहिए था, लेकिन इसके विपरीत सीधे विभाग को परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दे दिए गए। यदि जिले की बात करें तो यहां लगभग चार हजार से अधिक प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक ऐसे हैं, जो इस पात्रता परीक्षा की श्रेणी में आते हैं। ऐसे में इस आदेश का सीधा असर बड़ी संख्या में शिक्षकों पर पड़ने वाला है। इस संबंध में जब विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों से चर्चा की गई तो उन्होंने भी इस निर्णय पर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि कई शिक्षक अपनी आधी से अधिक सेवा अवधि शिक्षा विभाग को दे चुके हैं और अब उनके पास सेवा के कुछ ही वर्ष शेष बचे हैं। ऐसे में उनसे परीक्षा लेकर अपनी पात्रता सिद्ध करने की अपेक्षा करना उचित नहीं है। शिक्षक संगठनों ने यह भी सवाल उठाया कि अब तक जिन शिक्षकों ने वर्षों तक विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की और विभाग को अपनी सेवाएं दीं, क्या विभाग को उन सेवाओं पर भरोसा नहीं है। उनका मानना है कि इस प्रकार की व्यवस्था से शिक्षकों का मनोबल प्रभावित होता है।

पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए थी - आशीष बिसेन

इस मामले में आजाद अध्यापक संघ के पदाधिकारी आशीष बिसेन ने भी सरकार के निर्णय पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब न्यायालय द्वारा इस प्रकार का आदेश दिया गया था, तब प्रदेश सरकार को शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए थी। उनका कहना है कि देश के कुछ अन्य राज्यों में भी ऐसे मामलों में राज्य सरकारों ने न्यायालय में पुनर्विचार याचिका प्रस्तुत की है, लेकिन मध्यप्रदेश सरकार ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया और सीधे विभाग को पात्रता परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दे दिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक संगठन जल्द ही इस मुद्दे पर शिक्षकों की बैठक आयोजित करेंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे। यदि आवश्यकता पड़ी तो आंदोलन का रास्ता भी अपनाया जा सकता है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

किराये से देना है

लालबर्रा बालाघाट हाईवे रोड पर ग्राम बकोड़ा में श्री सांई फ्यूल पेट्रोल पंप से लगा हुआ 50×55=2750 फुट में बना हाल जिसमें वर्तमान में गुरूकृपा हाईवे रेस्टोरेंट संचालित हो रहा है। इस रेस्टोरेंट को मैं आजाद पटेल (किरायेदार) अपने कुछ पारिवारिक कारणों से 31 मार्च को छोड़ रहा हूँ। रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु किराये से लेने हेतु इ्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

सुविधाएं - पार्किंग, लेट-बाथ, पानी की पर्याप्त व्यवस्था, रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु पूरा सेटअप उपलब्ध है।

-संपर्क सूत्र-
दीपक शर्मा - 7875129343
आजाद पटेल - 7067934672

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट